शिक्षा का अधिकार

सर्व शिक्षा अभियान

सब पढ़ें सब बढ़ें

हिन्दी विषय की उपचारात्मक शिक्षण योजना एवं पाठ आधारित

कार्यपुस्तिका

कक्षा 7

सत्र 2023—2024

राज्य हिन्दी संस्थान, उत्तर प्रदेश, वाराणसी

(राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, उत्तर प्रदेश)

उत्तर प्रदेश बेसिक शिक्षा परिषद

कार्यपुस्तिका

(कक्षा–7 के विद्यार्थियों के लिए)

नाम	:	....
माता का नाम	:	....
पिता का नाम	:	....
विद्यालय का नाम	:	....
पता	:	....
मोबाइल नं०	:	....

निःशुल्क वितरण हेतु

मुख्य संरक्षक	:	**श्री दीपक कुमार,** प्रमुख सचिव, बेसिक शिक्षा, उ०प्र०, शासन।
संरक्षक	:	**श्री विजय किरन आनन्द,** महानिदेशक (स्कूल शिक्षा), उ०प्र० तथा राज्य परियोजना निदेशक, उ०प्र०, सभी के लिए शिक्षा परियोजना परिषद, लखनऊ।
निर्देशन	:	**डॉ० अंजना गोयल,** निदेशक, राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, उ०प्र०, लखनऊ।
परामर्श	:	**डॉ० पवन कुमार,** संयुक्त निदेशक(एस०एस०ए०), राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, उ०प्र०, लखनऊ, **श्रीमती दीपा तिवारी,** उप शिक्षा निदेशक, राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, उ०प्र०, लखनऊ।
समन्वयन	:	**डॉ० ऋचा जोशी,** निदेशक, राज्य हिन्दी संस्थान, उ०प्र०, वाराणसी।
समीक्षा	:	**डॉ० रामसुधार सिंह** (पूर्व विभागाध्यक्ष, हिन्दी विभाग, यू०पी० कालेज, वाराणसी), **प्रो० सत्यपाल शर्मा** (प्रोफेसर, हिन्दी विभाग, बी०एच०यू०), **डॉ० उदय प्रकाश** (एसो०प्रो०, श्री बलदेव पी०जी० कालेज, बड़ागाँव, वाराणसी), **डॉ० सुनीता सिंह** (एसो०प्रो०, शिक्षा संकाय बी०एच०यू०), **डॉ० सत्य प्रकाश पाल** (अ०प्रो० हिन्दी विभाग, बी०एच०यू०)।
संपादन	:	**डॉ० प्रदीप जायसवाल** (शोध प्रवक्ता, राज्य हिन्दी संस्थान, उ०प्र०, वाराणसी), **श्री देवेन्द्र दुबे** (शोध प्रवक्ता, राज्य हिन्दी संस्थान, उ0प्र0, वाराणसी)।
सहयोग	:	**डा० महेन्द्र द्विवेदी** (सलाहकार, यूनीसेफ, लखनऊ), **डॉ० शुभ्रांशु उपाध्याय** (सलाहकार, यूनीसेफ, लखनऊ)।
लेखक मंडल	:	**डॉ० शीला सिंह,** (प्र०अ० रा०हा० बढ़ैनी कलाँ वाराणसी), **डॉ० सुषमा गुप्ता** (प्र०अ०, रा०हा० सिरसा, प्रयागराज), **डॉ० अनामिका** (डायट प्रवक्ता, गाजीपुर), **श्री दिनेश यादव** (डायट प्रवक्ता, सोनभद्र), **डॉ० अर्पणा श्रीवास्तव,** (प्रवक्ता रा०बा०इ०का० मलदहिया वाराणसी), **डॉ० चंचल** (प्रवक्ता, बा०इ०का० कोपागंज, मऊ), **श्री सत्यजीत कुमार द्विवेदी** (प्र०अ०, उ०प्रा०वि०, प्रधान टोला, कुशीनगर), **श्री अखिलेश्वर प्रसाद गुप्ता** (एस०आर०जी० वाराणसी), **श्री रंजन कुमार पाठक** (ए०आर०पी० बड़ागाँव, वाराणसी), **श्रीमती अनीता शुक्ला** (स०अ०, क०वि० रुस्तमपुर, वाराणसी), **श्रीमती शालिनी सिंह** (स०अ०, उ०प्रा०वि० मंगारी, वाराणसी), **श्री दुर्गेश नन्दन त्रिपाठी** (स०अ०, क०वि० कोइलीपुरवा, लखीमपुर खीरी), **श्री प्रवीण कुमार द्विवेदी** (स०अ०, क०वि० धरतीडोलवा, सोनभद्र), **श्री मिथिलेश कुमार सिंह** (स०अ०, प्रा०वि० पचेवरा, मीरजापुर), **श्री शैलेश कुमार सिंह** (स०अ०, प्रा०वि० कैनाल बस्ती, मीरजापुर), **श्रीमती माया सिंह** (स०अ०, प्रा०वि० रसूलपुर रिठौरी, बुलंदशहर), **डॉ० नमिता सिंह** (स०अ०, प्रा०वि० चिरईगाँव, वाराणसी), **डॉ प्रतिभा मिश्रा** (स०अ०, उ०प्रा०वि० पाली, भदोही), **श्रीमती अर्चना सिंह** (स०अ०, प्रा०वि० पतेरवाँ, वाराणसी), **श्रीमती नीलम सिंह** (स०अ०, उ०प्रा०वि० वारीगाँव, भदोही), **सुश्री अनुराधा कुमारी** (स०अ०, प्रा०वि० गोगहरा, चंदौली), **श्रीमती रेखा वर्मा** (स०अ०, प्रा०वि० सेहमलपुर, वाराणसी), **श्री भानु प्रकाशधर द्विवेदी** (स०अ०, क०वि० बढ़ैनी कला, वाराणसी), **श्री अनुज प्रताप पाण्डेय** (स०अ०, प्रा०वि० हाजीपट्टी, मऊ), **डॉ० नितिकेश यादव** (स०अ०, क०वि० चकवाँ, जौनपुर)।
तकनीकी सहयोग एवं रूपायन	:	**श्री विकास शर्मा** (स०अ०, उ०प्रा०वि० नगला सूरजभान कम्पोजिट, आगरा), **श्री अजीत कुमार कौशल** (क०स०, रा०हि०सं०, उ०प्र०, वाराणसी), **श्री दीपक कन्नौजिया** (ग्राफिक डिजाइनर, वाराणसी)।
आवरण	:	**श्री रविकान्त श्रीवास्तव** (स०अ०–कला, रा०इ०कॉ०, प्रयागराज)।
आभार	:	**इस कार्यपुस्तिका के विकास में अनेक पुस्तकों का अवलोकन व पाठ्य–सामग्री, विभिन्न स्रोतों से लिए गए चित्रों आदि का उपयोग किया गया है। हम उनके प्रति आभारी हैं।**

निदेशक की कलम से

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का मुख्य उद्देश्य बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का अवसर देते हुए वैश्विक स्तर पर स्थापित करना है। शिक्षा का सार्वभौमीकरण करते हुए बच्चों का सर्वांगीण विकास करना एक महत्वपूर्ण पहलू है। शिक्षा बेहतर राष्ट्र की संकल्पना में अहम पक्ष है। समय के सापेक्ष प्रगति गुणवतापूर्ण शिक्षा पर ही निर्भर है। अतः यह हम सभी का दायित्व है कि त्रुटियों का आकलन कर उन्हें दूर करने का प्रयास किया जाए। इस दृष्टि से भाषा की बेहतर समझ तथा प्रयोग अनिवार्य है। बच्चों की भाषायी दक्षताओं का विकास उन्हें अन्य विषयों को भी समझने में सहायता देता है। कल्पना, अनुमान, तर्क, विचारों की स्पष्टता इस दिशा में बच्चों को सक्षम बनाती हैं।

विद्‌यालयी शिक्षा में बच्चों की रुचि भाषायी दक्षताओं में सहज ही होती है। वे सुनने बोलने, पढ़ने और लिखने की दक्षताओं में पारंगत होते हैं तथा उनकी समझ और भी बेहतर होती है। साथ ही व्याकरण और रचनात्मक कौशल उन्हें समस्या समाधान, तर्क, चिन्तन और विचार प्रकट करने में सहायक होती हैं।

बच्चों को केन्द्र में रखकर उनके अधिगम, आकलन और संप्राप्ति पर कार्य किया जाना अत्यन्त सुखद है। शिक्षकों के लिए 50 कार्यदिवसों की शिक्षण योजना बच्चों के उपचारात्मक (रिमीडियल) कक्षा शिक्षण की दिशा में नवीन और सार्थक कदम है। इन योजनाओं पर आधारित कार्यपत्रक बनाए गए हैं, जिनकी संख्या प्रतियोजना 2 से 5 कार्यपत्रक हैं जिन्हें कार्यपुस्तिका के रूप निबद्‌ध किया गया है। कार्यपुस्तिका बच्चों के लिए है जो दो भागों में है– पहले भाग में उपचारात्मक शिक्षण पर आधारित कार्यपत्रक और दूसरे भाग में पाठ आधारित कार्यपत्रक हैं। प्रश्नों की प्रकृति सरल है और बच्चों की अभिरुचि को ध्यान में रखकर बनाई गई है। कार्यपत्रकों में रंगीन एवं आकर्षक चित्र बने हुए हैं जो सहज रूप से बच्चों के लिए प्रश्नों को हल करने में आनन्ददायक वातावरण बनाने में सक्षम है।

इस संदर्शिका एवं कार्यपुस्तिका के विकास से जुड़े विभिन्न जनपदों के जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान के प्रवक्ताओं, बाह्य विशेषज्ञों एवं शिक्षकों की सराहना करती हूँ , जिन्होंने अपने सतत् एवं अथक परिश्रम से इस संदर्शिका के विकास में सहयोग प्रदान किया है। साथ ही इस संदर्शिका एवं कार्यपुस्तिका के निर्देशन, समन्वय एवं सम्पादन हेतु राज्य हिन्दी संस्थान उ०प्र०, वाराणसी के प्रति आभार व्यक्त करती हूँ। इस संदर्शिका एवं कार्यपुस्तिका में विभिन्न स्त्रोतों से सामग्री ली गयी है, उन सभी के प्रति भी मैं अभार व्यक्त करती हूँ। इस संदर्शिका एवं कार्यपुस्तिका को और अधिक उपयोगी बनाने के संबंध में आपके सुझाव सादर आमंत्रित हैं।

(डा० अंजना गोयल)
निदेशक
राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद
उ०प्र०, लखनऊ

भूमिका

वर्तमान परिदृश्य की चुनौतियों के सापेक्ष राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत शिक्षा व्यवस्था में कई बदलाव किए गए हैं। परिस्थितिजन्य कारणों से बच्चों में आए लर्निंग गैप (अधिगम अंतराल) को कम करके अपेक्षित दक्षताओं को प्राप्त करने हेतु अवसर प्रदान करने के साथ ही कक्षा अनुरूप निर्धारित अधिगम संप्राप्ति सुनिश्चित कराना एक बड़ी चुनौती है।

इस क्रम में शिक्षकों और बच्चों के लिए शिक्षण सामग्री उपलब्ध कराना आवश्यक है। इससे बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए सकारात्मक वातावरण सृजन किए जाने में सहायता मिलती है। बच्चे विद्यालय की सीखने सिखाने की प्रक्रियाओं में आत्मविश्वास के साथ भाग लेंगे तथा कक्षावार निर्धारित अधिगम संप्राप्ति को सरलतापूर्वक प्राप्त कर लेंगे।

इस परिप्रेक्ष्य में उच्च प्राथमिक कक्षाओं (कक्षा 6 से 8) के शिक्षकों के लिए शिक्षक संदर्शिकाओं एवं बच्चों के लिए कार्यपुस्तिकाओं का विकास किया गया है।

बच्चों को केन्द्र में रखकर तैयार की गई शिक्षक संदर्शिकाएँ शिक्षकों को हिन्दी भाषा की नई शिक्षण विधियों और गतिविधियों आदि से परिचित कराएँगी। कार्यपुस्तिकाओं को दो भागों में बाँटा गया है– पहले भाग में बच्चों के उपचारात्मक शिक्षण हेतु 50 दिवसीय शिक्षण योजना आधारित कार्यपत्रक हैं तथा दूसरे भाग में पाठ आधारित कार्यपत्रक हैं। ये कार्यपुस्तिकाएँ अभिभावकों की सहभागिता भी सुनिश्चित करेंगी साथ ही वे बच्चों की शैक्षिक प्रगति पर शिक्षकों से संवाद भी कर सकेंगे।

अनुक्रमणिका / विषय–सूची

भाग–1 : उपचारात्मक शिक्षण योजना आधारित

दिवस	अपेक्षित अधिगम संप्राप्ति / दक्षताएँ	पृष्ठ संख्या
01	बच्चे सुनकर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हैं।	8–10
02	बच्चे देख व सुनकर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हैं।	11–13
03	बच्चे शब्दों का उच्चारण शुद्ध रूप से करते हैं।	14–16
04	दिए गए शब्दों को बच्चे शुद्ध रूप से उच्चारण करते हुए अंतर बताते हैं।	17–19
05	अपठित गद्यांश को पढ़कर उनके प्रश्नों के उत्तर देते हैं।	20–22
06	बच्चे चित्र को देखकर अनुच्छेद या कहानी का निर्माण करते हैं।	23–25
07	बच्चे संज्ञा के प्रकार को भली–भाँति समझ पाते हैं।	26–29
08	बच्चे चित्र पर मौखिक चर्चा करते हैं।	30–31
09	बच्चे ध्यानपूर्वक सुनते हैं और समझ के साथ उत्तर देते हैं।	32–34
10	बच्चे संयुक्त व्यंजन एवं संयुक्ताक्षर वाले शब्दों / वाक्यों को शुद्ध उच्चारण के साथ पढ़ते हैं।	35–36
11	बच्चे धाराप्रवाह पढ़ते और समझ कर उत्तर देते हैं।	37–39
12	बच्चे अधूरी कहानी को पूरा करते हैं तथा पात्रों के आधार पर कहानी का निर्माण करते हैं।	40–41
13	बच्चे कविता को पूरा करते हैं।	42–44
14	बच्चे सर्वनाम के भेद को पहचान कर उसके प्रकार को बताते हैं।	45–47
15	बच्चे विशेषण के भेदों को जानते हैं और बोल–चाल में उनका प्रयोग करते हैं।	48–51
16	बच्चे कहानी के माध्यम से छोटे–छोटे संवादों को बोलते हैं।	52–54
17	बच्चे दिए गए वाक्यों की सहायता से कविता पूरी करते हैं। कविता में आए हुए प्रमुख शब्दों के बारे में अपने विचार लिखते हैं।	55–57
18	बच्चे स्वयं छोटी कविताओं की रचना कर लेते हैं एवं उनका भावार्थ बता लेते हैं।	58–59
19	बच्चे कविता को हाव–भाव और लय के साथ प्रस्तुत करते हैं तथा कविता पर चर्चा करने के बाद दिए गए प्रश्नों का उत्तर लिखते हैं।	60–61
20	बच्चे अनुच्छेद को पढ़ते हुए उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर देते हैं।	62–64
21	बच्चे क्रिया की पहचान कर लेते हैं और उनका दैनिक जीवन में प्रयोग करते हैं ।	65–66
22	बच्चे उपसर्ग तथा प्रत्यय को समझते हैं और उनको वर्गीकृत करते हैं।	67–70
23	बच्चे अपने विचारों को क्रमबद्ध रूप से प्रस्तुत करते हैं और लिखते हैं।	71–72
24	बच्चे दन्त्य 'स', मूर्धन्य 'ष' व तालव्य 'श' के उच्चारण–स्थान को जानते हुए शुद्ध उच्चारण के साथ पढ़ते हैं।	73–75
25	दिए गए विषय के आधार पर पत्र–लेखन कर लेते हैं।	76–79
26	बच्चे पर्यायवाची शब्दों की पहचान कर लेते हैं और इन शब्दों का दैनिक जीवन में प्रयोग करते हैं।	80–83
27	बच्चे शब्दों के अर्थ समझते हैं और उनका विलोम शब्द लिखते हैं।	84–85

अनुक्रमणिका / विषय–सूची

भाग–1 : उपचारात्मक शिक्षण योजना आधारित

दिवस	अपेक्षित अधिगम संप्राप्ति / दक्षताएँ	पृष्ठ संख्या
28	बच्चे धाराप्रवाह के साथ पढ़ते और समझ कर उत्तर देते हैं।	86–87
29	बच्चे कठिन शब्दों का सही उच्चारण करते हुए लेखन–कार्य करते हैं।	88–89
30	बच्चे समाचार–पत्रों में प्रकाशित सामग्री का अध्ययन कर अपने ज्ञान में वृद्धि कर सकते हैं।	90–93
31	बच्चे समाचार–पत्रों में दिए गए विज्ञापन के द्वारा विज्ञापित वस्तु की जानकारी तथा समाचार–पत्र के संपादकीय अंशों को समझते हैं।	94–96
32	बच्चे सामान्य बातचीत व लेखन में लोकोक्तियों एवं मुहावरों का अर्थ बताते हैं और वाक्य–निर्माण में मुहावरों का प्रयोग कर लेते है।	97–99
33	बच्चे दिए गए शब्दों का अपने वाक्यों में प्रयोग करते हैं तथा उनके अर्थ, समानार्थी शब्द एवं विलोम शब्दों को बताते हैं।	100–102
34	बच्चे दिए गए शब्दों से कहानी का निर्माण करते हैं। (बातचीत करना, तर्कपूर्ण वाक्य सोचना, नए शब्दों की पहचान, रचनात्मक प्रवृत्ति का विकास।)	103–105
35	दिए गए अनुच्छेद को पढ़ने के बाद प्रश्नों का उत्तर विचारात्मक व वर्णनात्मक शैली में करते हैं।	106–108
36	बच्चे वाक्यों को समझते हैं और वाक्यांशो को एक शब्द में लिखते हैं।	109–111
37	बच्चे एक शब्द के अनेक अर्थ से परिचित हैं और इनका दैनिक जीवन में प्रयोग करते हैं।	112–113
38	अपठित गद्यांश को पढ़कर उनके प्रश्नों का उत्तर देने में समर्थ हो सकते है।	114–116
39	बच्चे वाक्य–रचना में शुद्ध वर्तनी व सही व्याकरण–चिह्न का प्रयोग करते हैं।	117–118
40	बच्चे विराम चिह्नों की पहचान करते हैं, तथा इसका लेखन में प्रयोग करते हैं।	119–122
41	किसी वस्तु (मोबाइल) के लाभ, हानि, उपयोगिता के आधार पर चिंतन–मनन करके अभिव्यक्ति देते हैं।	123–125
42	बच्चे किसी पाठ्य–पुस्तक, समाचार–पत्र / पत्रिका में प्रकाशित सामग्री को पढ़कर क्रियात्मक लेखन करते हैं। हस्तलिखित बाल–पत्रिका तैयार करते हैं।	126–128
43	बच्चे बोलचाल में अनुस्वार और अनुनासिक शब्दों एवं वाक्यों का उच्चारण करते एवं समझते हैं।	129–130
44	बच्चे वाक्यों के भेद और उनके अंतर को समझते हैं।	131–132
45	बच्चे 'र' के विभिन्न प्रयोग के अंतर को समझते हैं।	133–135
46	बच्चे, विभिन्न कवियों एवं लेखकों की रचना–विधा के बारे में बताते हैं।	136–139
47	बच्चे अपने स्तर के अनुकूल कविता लेखन करते हैं।	140–142
48	बच्चे कहानी कविता को पढ़कर उसका भाव बताते हैं और शब्दों से कविता, कहानी एवं अनुच्छेद का निर्माण करते हैं।	143–145
49	सुनी हुई सामग्री का अपने व्यवहारिक जीवन में प्रयोग करते हैं।	146–147
50	अनुच्छेद को पढ़कर संबंधित प्रश्नों के उत्तर देते हैं तथा अपने विचार लिखते हैं।	148–150

अनुक्रमणिका / विषय–सूची

भाग–2 : पाठ आधारित कार्यपत्रक

क्र०सं०	पाठ का नाम	पृष्ठ संख्या
01	जागो जीवन के प्रभात	152–155
02	राजधर्म	156–160
03	वीरों का कैसा हो वसन्त	161–164
04	बहता पानी निर्मला	165–169
05	निज भाषा उन्नति	170–171
06	शाप–मुक्ति	172–174
07	बाललीला	175–177
08	स्कूल मुझे अच्छा लगा	178–180
09	मेघ बजे, फूले कदम्ब	181–184
10	सत्साहस	185–186
11	कलम आज उनकी जय बोल	187–189
12	स्वतंत्र भारत के परमवीर	190–192
13	जिनके हम मामा हैं	193–197
14	भविष्य का भय	198–201
15	मनभावन सावन	202–204
16	क्या निराश हुआ जाय	205–207
17	वरदान माँगूँगा नहीं	208–209
18	कर्तव्यपालन	210–212
19	मैं कवि कैसे बना	213–216
20	एक संसद नदी की	217–220
21	भारत रत्न महामना मदन मोहन मालवीय	221–223

अनिवार्य संस्कृत

क्र०सं०	पाठ का नाम	पृष्ठ संख्या
01	प्रथम पाठः – नैनीतालभ्रमणम्	224–224
02	द्वितीयः पाठः – काक–शृगाल्योः कथा	225–226
03	तृतीयः पाठः – प्रहेलिकाः	227–227
04	चतुर्थः पाठः – बालकः ध्रुवः	228–229
05	पंचमः पाठः – प्रार्थनापत्रम्	230–232
06	षष्ठः पाठः – गीतामृतम्	233–234
07	सप्तम् पाठः – ईश्वरचन्द्रो विद्यासागरः	235–236

कक्षा–7

दिवस–1

कार्यपत्रक–1

निम्नलिखित परिस्थितियों में आप क्या करेंगे, लिखिए–

01. कोई ऐसा बच्चा आपको मिले, जो अपने घर का रास्ता भूल गया हो, तो–

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

02. यदि कोई दृष्टिबाधित(जिसे दिखाई नहीं देता हो) व्यक्ति सड़क पार न कर पा रहा हो, तो –

....

....

....

....

....

....

....

....

....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

01. आपके घर के आस–पास कौन–कौन से पशु दिखाई देते हैं? किन्हीं छह के नाम रिक्त स्थानों में लिखिए–

..........गाय..........	....
....	....
....	....

02. मानवीय मूल्य पर अपनी कक्षा में चर्चा कीजिए एवं किन्हीं छह मानवीय मूल्यों को रिक्त स्थानों में लिखिए–

..........ईमानदारी..........	....
....	....
....	....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

कक्षा–7

दिवस–1

कार्यपत्रक–3

01. अपनी कक्षा में किसी ऐसे अनुभव की चर्चा कीजिए, जिसमें आपने किसी व्यक्ति या पशु की मदद की हो, अपने अनुभवों को लिखिए–

....

....

....

....

....

....

02. पशुओं की मदद करते हुए किसी बच्चे का चित्र यहाँ चिपकाइए–

चित्र यहाँ चिपकाएँ/बनाएँ

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

01. योग से होने वाले लाभ पर समूह में चर्चा कीजिए।

02. योग के कुछ आसनों के नाम नीचे दिए गए रिक्त स्थानों में लिखिए–

....	....
....	....
....	....

03. नीचे दिए रिक्त स्थान में गोमुख आसन/पद्मासन/भुजंगासन से होने वाले लाभ लिखिए–

....

....

....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

नीचे दिए गए चित्र में आपको कौन–कौन से आसन दिखाई दे रहे हैं? उन्हें पहचानकर रिक्त स्थानों में लिखिए–

....

....

....

नीचे दिए गए निर्धारित स्थानों पर विभिन्न प्रकार की योगमुद्राओं के चित्र चिपकाइए–

चित्र चिपकाएँ	चित्र चिपकाएँ
चित्र चिपकाएँ	चित्र चिपकाएँ
चित्र चिपकाएँ	चित्र चिपकाएँ

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

नीचे दिए गए शब्दों को शुद्ध उच्चारण के साथ पढ़िए–

समर्पित	अकिंचन	ऋण	प्रलय
अंधड़	उन्नत	वर्तमान	मंजिल
उत्तम	सर्वपल्ली	समिति	साहित्यिक
खड्गसिंह	विशेष्य	मातृभाषा	धर्मानुकूल
आत्मानंद	इच्छानुकूल	देवाशीष	यथावसर
पुनरुद्धार	शत्रु	कुंभकार	समुज्ज्वल

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

निम्नलिखित अनुच्छेद को शुद्ध उच्चारण करते हुए पढ़िए–

निंगथऊ उठ खड़े हुए। उन्होंने अपने तीनों बेटों को देखा। फिर बेटी को देखा। उसके बाद अपनी प्रजा से कहा ''अगर कोई शासक बनने योग्य है, तो वह है छोटी सानातोम्बि। खोंगनंग को चोट लगी तो उसे भी दर्द हुआ। उसी ने हमें याद दिलाया कि खोंगनंग में भी जान है। सानातोम्बि दूसरों का दर्द समझती है। उसे मनुष्य, पेड़–पौधे, जानवर एवं पक्षी सबकी तकलीफ महसूस होती है।''

''मेरे बाद सानातोम्बि ही राज्य सँभालेगी। मैं उसे कांगलइपाक की अगली लेइमा घोषित करता हूँ।'' निंगथऊ ने एलान किया।

सभी ने मुड़कर उस छोटी लड़की, अपनी होने वाली रानी को देखा। पाँच साल की बच्ची यूँ खड़ी थी जैसे खुद एक नन्हा सा खोंगनंग हो। उसके चारों तरफ पक्षी फड़फड़ा रहे थे। कुछ उड़कर उसके कंधों पर आ बैठे, कुछ सिर पर। उसने दानों से भरे अपने छोटे हाथ फैलाये और धीरे–धीरे पास आकर पक्षी दाने चुगने लगे।

कक्षा—7

दिवस—3

कार्यपत्रक—3

निम्नलिखित शब्दों को शुद्ध करते हुए रिक्त स्थानों में लिखिए—

सरीर	शरीर
सक्ल	....
कासी	....
विशेस	....
सिक्षिका	....
शूरज	....
सूरवीर	....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

निम्नलिखित अनुच्छेद को शुद्ध उच्चारण करते हुए पढ़िए–

कनाडा में मौंट्रियल नाम का बड़ा शहर है। वहाँ कई छोटी–छोटी सड़कें भी हैं। उनमें से एक है एडवर्ड स्ट्रीट। उस सड़क को पियरे जितनी अच्छी तरह जानता था उतनी अच्छी तरह और कोई भी नहीं जानता था। उसका एक कारण था। पिछले तीस सालों से पियरे उस सड़क पर बसे सभी परिवारों को दूध बाँटता था।

पिछले पन्द्रह सालों से पियरे की दूधगाड़ी को एक बड़ा सफेद घोड़ा खींचता था। घोड़े का नाम जोजफ था। शुरू में जब वह घोड़ा दूध – कंपनी के पास आया तब उसका कोई नाम नहीं था। कंपनी ने पियरे को सफेद घोड़े के इस्तेमाल की इजाजत दे दी। पियरे ने प्यार से घोड़े की गर्दन को सहलाया और उसकी आँखों में झाँक कर देखा।

निम्नलिखित शब्दों को सही उच्चारण के साथ पढ़िए–

शंकर	संकर
सम्मान	सामान
वरण	वर्ण
विधि	विधु
वारिद	वारिधि
व्रत	वृत्त
रुचिर	रुधिर
सर्ग	स्वर्ग
सुत	सूत

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

निम्नलिखित शब्दों के अर्थ उनके सम्मुख दिए गए रिक्त स्थानों में लिखिए–

शंकर संकर	....
सम्मान सामान	....
वरण वर्ण	....
विधि विधु	....
वारिद वारिधि	....
व्रत वृत्त	....
रुचिर रुधिर	....
सर्ग स्वर्ग	....
सुत सूत	....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए तथा नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

सभी जानते हैं कि कौआ और कोयल रूप–रंग, आकार–प्रकार में लगभग एक जैसे होते हैं। किंतु कौए को कोई पसंद नहीं करता पर कोयल की वाणी सुनने के लिए सभी लालायित रहते हैं। इस अंतर का कारण वाणी का अंतर है। हम जिस प्रकार की वाणी का व्यवहार करते हैं वैसा ही परिणाम घटित होता है। जिस प्रकार धन और मित्र की प्राप्ति वाणी द्वारा संभव होती है, उसी प्रकार बंधन और मरण भी वाणी द्वारा आमंत्रित कर लिया जाता है। किसी को सम्मान और समादर उसकी वाणी के प्रभाव से मिलता है। वाणी के दुरुपयोग से विजय, पराजय में बदल जाती है। मित्रता, शत्रुता में बदल जाती है। सुख और दुःख वाणी का ही प्रतिफल हुआ करता है।

01. उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए।

....

02. किस प्रकार के लोगों को सभी पसंद करते हैं?

....

....

....

03. वाणी के दुरुपयोग से जीवन पर क्या प्रभाव पड़ता है?

....

....

....

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए तथा नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

वाणी के सम्यक् प्रयोग के अन्तर्गत ऐसा बोलना आता है जो सबको प्रिय लगे, जिसमें मधुर शब्दों का प्रयोग हो, जिसमें अपना और दूसरों का हित हो, जिससे दूसरों को तनिक भी दुःख या ठेस न पहुँचे, जिसमें कटु वचनों का प्रयोग न किया जाए, जो दूसरों के संबंधों को तोड़े नहीं बल्कि जोड़े जिससे कलह न उत्पन्न हो, जितनी आवश्यकता हो, उतना ही बोला जाए, समय और परिस्थिति के अनुसार बोला जाए, जो निंदापरक न हो, जिसमें किसी की चुगली न हो दूसरी ओर 'असम्यक् वाणी' वह है जो लोगों को अप्रिय लगे, कटु हो, असत्य हो, दूसरों को दुःखी कर दे, ठेस पहुँचा दे, अहित कर दे, समयानुसार न हो, आश्यकतानुरूप न हो, कलह उत्पन्न कर दे, चुगली हो, दूसरों से वैमनस्य या बैर करा दे।

01. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखिए–

मधुर	मीठा
अप्रिय	
कटु	
वैमनस्य	

02. कटु वचनों का प्रयोग क्यों नहीं करना चाहिए?

....

....

....

....

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए–

समाज में अपना काम निकालने के लिए कुछ लोग झूठ का सहारा धड़ल्ले से लेते हुए देखे जाते हैं, पर वास्तव में ऐसा करने से अपने मन और आत्मा को चोट पहुँचती है। हो सकता है कि कालांतर में चोट खाया हुआ मन मानसिक रुग्णता को प्राप्त हो जाए। अतः निरोग और सुखी रहने के लिए उपयुक्त वाणी का ही व्यवहार करना उचित है। इसी से आत्मकल्याण संभव है। कटु वाणी छोटे–मोटे कलहों को तो जन्म देती ही है, बड़े–बड़े युद्धों का भी सूत्रपात कटु वाणी द्वारा हो जाता है। महाभारत युद्ध के कई कारणों में से कटु वाणी भी एक सशक्त कारण रही है।

कहते हैं शरीर की चोट तो व्यक्ति झेल कर भूल भी जाता है पर कटु वाणी का आघात भूलना कठिन होता है। कटु वाणी नुकीले तीर की भाँति जाकर हृदय विदीर्ण कर देती है। कटु वाणी क्रोध को जगा देती है। व्यक्ति इतना उत्तेजित हो उठता है कि उसका संतुलन ही बिगड़ जाता है। ऐसी स्थिति में वह क्या कर गुजरेगा, कहना कठिन है।

उपर्युक्त गद्यांश का सारांश अपने शब्दों में लिखिए–

....

....

....

....

....

....

....

....

कक्षा–7

दिवस–6

कार्यपत्रक–1

उपर्युक्त चित्र को देखकर वाक्यों का निर्माण कीजिए–

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

वाराणसी बस स्टेशन

उपर्युक्त चित्र का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए–

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

कक्षा—7

दिवस—6

कार्यपत्रक—3

नीचे दिए गए शब्दों की सहायता से कहानी को पूरा कीजिए—
(एक शब्द का प्रयोग, एक से अधिक बार कर सकते हैं)

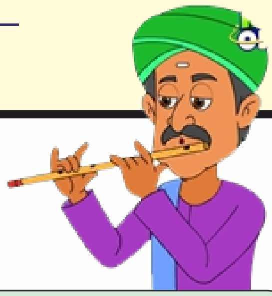

बाँसुरी वाला, बाँसुरी, जंगल, पेड़, बंदर, डालियों, स्तब्ध, बाँसुरी बजाने, फेंक दी, तेजी से, बाँसुरी वाले, उसने

एक......................... जंगल के रास्ते................................ बेचने जा रहा था। .... का रास्ता लंबा था। चलते—चलते वह थक गया और एक घने .... के नीचे सो गया। पेड़ पर ढेर सारे..............................रहते थे। बाँसुरीवाले के सो जाने के पश्चात बंदर बाँसुरी लेकर .... पर बैठ गये। बंदरों की आवाज सुनकर .... की नींद खुल गई। वह .... रह गया कि अब वह क्या करे! अचानक उसे ध्यान आया कि उसकी कमर में एक .... है। वह उसे कमर से निकाल कर .... लगा। बंदर भी उसे देखकर .... लगे। बाँसुरी वाले ने थोड़ी देर बाद बाँसुरी फेंक दी और कुछ दूर चला गया। बंदरों ने भी बाँसुरी .... और पेड़ पर और ऊपर चले गए। बाँसुरीवाला जल्दी से वापस आया और .... बाँसुरियों को उठा लिया और वहाँ से चला गया।

अपने आस—पास की वस्तुओं, व्यक्तियों से संबंधित कोई कहानी या अनुच्छेद लिखिए—

....

....

....

....

....

....

....

....

....

नीचे दी गई सूची में से संज्ञा शब्द छाँटकर लिखिए–

नदी, दूध, पानी, मैं, रीना, कविता, बनारस, चाँदी,
सहनशील, राधा, आगरा, लड़का, वह, यह, चंचल,
सुंदर, तुम, प्रतिभा, उसका

....

....

....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

नीचे लिखे गए शब्दों की मदद से भाववाचक संज्ञा बनाइए–

पन

शब्द	भाववाचक संज्ञा
बाल	बालपन
अपना	....
लचीला	....

ता

शब्द	भाववाचक संज्ञा
कठोर	....
मम	....
सुंदर	....

त्व

शब्द	भाववाचक संज्ञा
कवि	....
जड़	....
व्यक्ति	....

दिनांक : .... शिक्षक हस्ताक्षर ....

वर्ग पहेली से शब्द चुनकर नीचे दी गई सारणी में सही स्थान पर लिखिए–

को	य	ल	ड़ा	ई	ख	गु	दू	ब
ल	ड़	का	न	पु	र	च्छ	ध	च
का	ग	ज	क	क्षा	स	मू	ह	प
ता	या	ल	पे	ट्रो	ल	उ	ड़ा	न

व्यक्तिवाचक	जातिवाचक	भाववाचक	समूहवाचक	द्रव्यवाचक

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

संज्ञा शब्दों (व्यक्ति, वस्तु, स्थान, प्राणी एवं भाव) के चित्रों को चिपकाकर उनके नाम लिखिए–

व्यक्ति

चित्र चिपकाएँ

चित्र चिपकाएँ

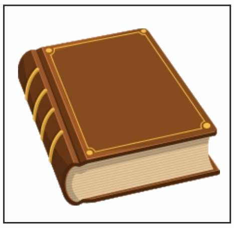

वस्तु

चित्र चिपकाएँ

चित्र चिपकाएँ

स्थान

चित्र चिपकाएँ

चित्र चिपकाएँ

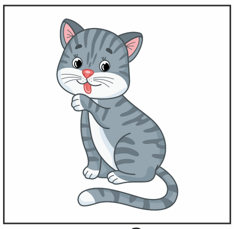

प्राणी

चित्र चिपकाएँ

चित्र चिपकाएँ

भाव

चित्र चिपकाएँ

चित्र चिपकाएँ

दिनांक : .... शिक्षक हस्ताक्षर ....

ग्रीष्मकालीन/शीतकालीन अवकाश में आपने कहाँ की यात्रा की, अपने अनुभवों को क्रमबद्ध रूप में लिखिए तथा उसे कक्षा में सुनाइए–

....

....

....

....

....

....

....

यात्रा के दौरान टार्च, माचिस और रस्सी कितनी उपयोगी हैं और कैसे?

....

....

....

....

....

आपको यदि पहाड़ी क्षेत्र की यात्रा करनी हो तो आप क्या तैयारी करेंगे, क्रमबद्ध रूप में लिखिए–

....

....

....

....

....

....

दिनांक : .... शिक्षक हस्ताक्षर ....

नीचे रेल टिकट की एक फोटो दी जा रही है। टिकट में लिखे विवरण के आधार पर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

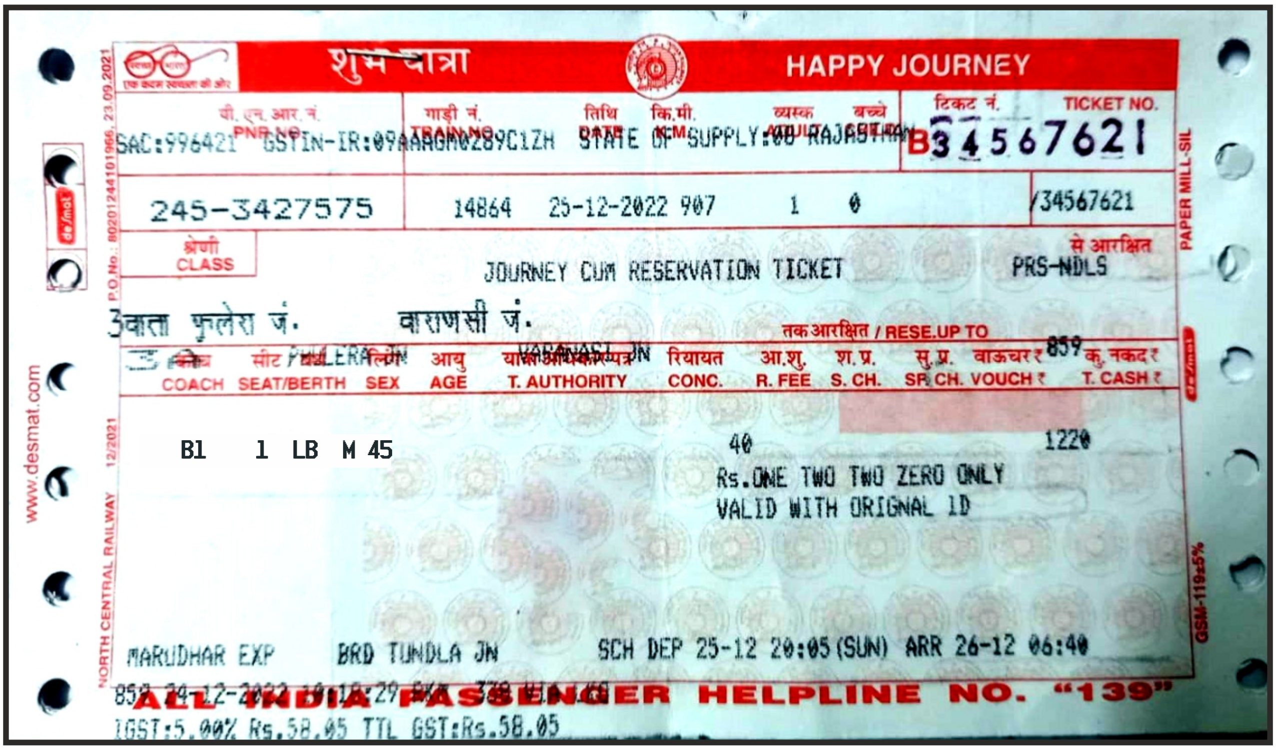
शुभ यात्रा HAPPY JOURNEY

पी. एन. आर. नं. PNR NO. | गाड़ी नं. TRAIN NO. | तिथि DATE | कि.मी. KM | व्यस्क ADULT | बच्चे CHILD | टिकट नं. TICKET NO. B34567621

SAC:996421 GSTIN-IR:09AAAGM0289C1ZH STATE OF SUPPLY:08-RAJASTHAN

245-3427575 14864 25-12-2022 907 1 0 /34567621

श्रेणी CLASS 3वातानुकूलित JOURNEY CUM RESERVATION TICKET PRS-NDLS

फुलेरा जं. PHULERA JN वाराणसी जं. VARANASI JN

कोच COACH | सीट SEAT/BERTH | लिंग SEX | आयु AGE | यात्रा प्राधिकार पत्र T. AUTHORITY | रियायत CONC. | आ.शु. R. FEE | श.प्र. S. CH. | सु.प्र. SF CH. | वाऊचर ₹ VOUCH ₹ 859 | कु. नकद ₹ T. CASH ₹

B1 1 LB M 45 40 1220

Rs.ONE TWO TWO ZERO ONLY

VALID WITH ORIGNAL ID

MARUDHAR EXP BRD TUNDLA JN SCH DEP 25-12 20:05 (SUN) ARR 26-12 06:40

ALL INDIA PASSENGER HELPLINE NO. "139"

IGST:5.00% Rs.58.05 TTL GST:Rs.58.05

ट्रेन नं० ....

पी.एन.आर. नं० ....

कहाँ से कहाँ तक की यात्रा है ....

गाड़ी खुलने का समय ....

गंतव्य तक पहुंचने का समय ....

श्रेणी ....

कोच संख्या ....

सीट नं० ....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

निम्नलिखित कविता को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

"चमक रहा है तेज तुम्हारा,
बन कर लाल सूर्य मंडल,
फैल रही है कीर्ति तुम्हारी,
बन करके चाँदनी धवल।
चमक रहे हैं लाखों तारे
बन तेरा श्रृंगार अमल,
चमक रही है किरण तुम्हारी
चमक रहे हैं सब जल–थल।
हे जग के प्रकाश के स्वामी!
जब सब जग दमका देना,
मेरे जीवन के पथ पर
कुछ किरणें चमका देना।"

01. उपर्युक्त कविता का उचित शीर्षक लिखिए।

....

02. कविता की पंक्तियों को पूरा कीजिए–

(क) चमक रहे हैं लाखों तारे
....
चमक रही है किरण तुम्हारी
....

(ख) हे जग के प्रकाश के स्वामी!
....
मेरे भी जीवन के पथ पर
....

03. कविता में आये तुकांत शब्दों को लिखिए–

दिए गए अनुच्छेद के आधार पर प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

यह प्रसंग उन दिनों का है जब शास्त्री जी प्रधानमंत्री थे। एक बार उनका ड्राइवर सुबह निश्चित समय पर नहीं आया। उन्होंने कुछ समय प्रतीक्षा की फिर हाथ में फाइल लेकर पैदल ही दफ्तर की ओर चल दिए। उनका दफ्तर घर से करीब एक किलोमीटर दूर था। इस बात से सचिवालय में हड़कंप मच गया। ड्राइवर से जवाब तलब किया गया। जवाब में उसने कहा कि एकाएक उसका छोटा बच्चा गंभीर रूप से बीमार हो गया था और उसे भागकर डॉक्टर के पास जाना पड़ा। शिकायती फाइल जब शास्त्री जी के पास पहुँची तो उन्होंने उस पर टिप्पणी लिखी कि ''उसके लिए उसके बेटे के जीवन का महत्त्व और किसी भी कार्य से अधिक महत्त्वपूर्ण है।''

01. प्रसंग के अनुसार शास्त्री जी उस समय किस पद पर थे?

....

02. शास्त्री जी ने अपने ड्राइवर(वाहनचालक) की शिकायती फाइल पर क्या टिप्पणी लिखी?

....

....

03. यदि शास्त्री जी के स्थान पर आप होते तो क्या करते?

....

....

कक्षा–7

दिवस–9

कार्यपत्रक–3

बड़े और छोटे गोले में आए शब्दों और उनके अर्थों को छाँटकर नीचे लिखिए–

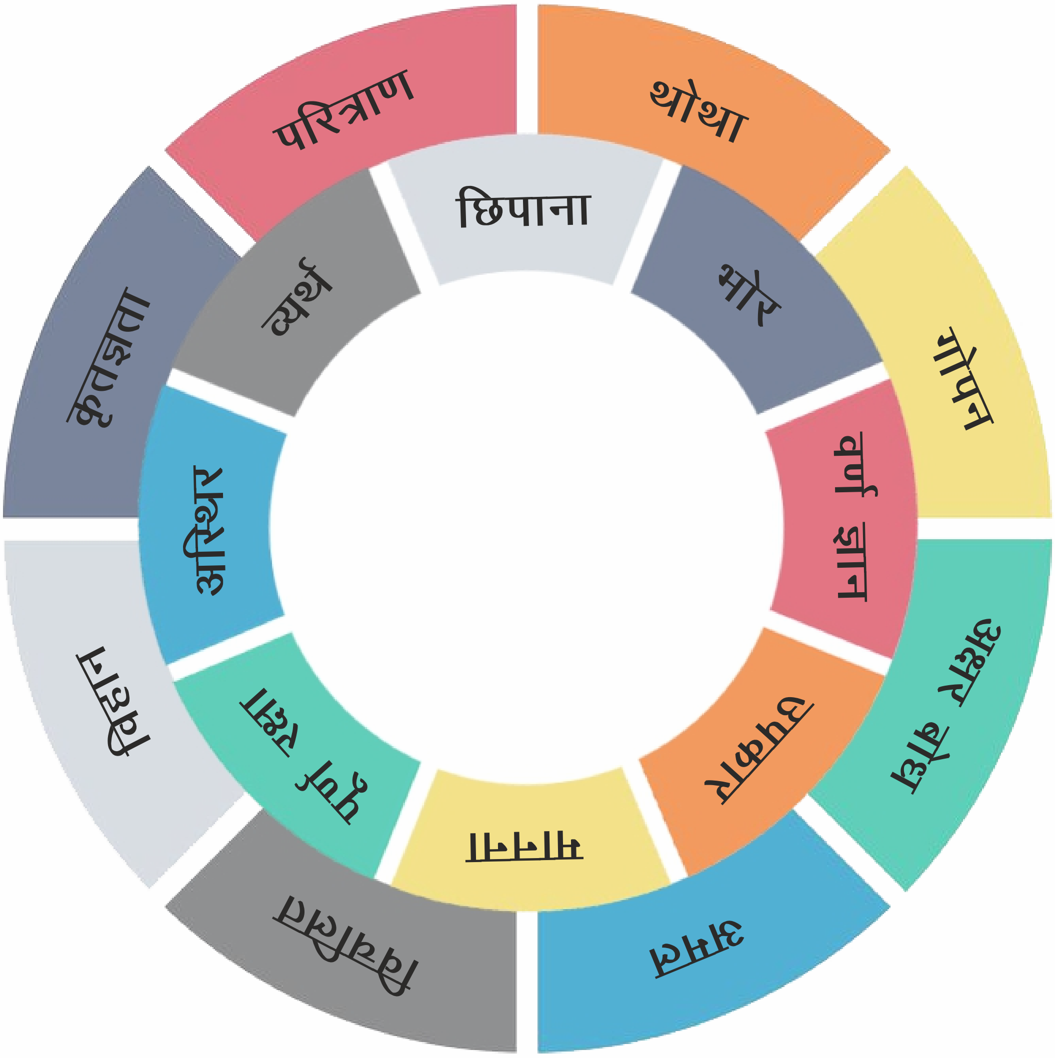

शब्द	अर्थ	शब्द	अर्थ
....	....	....	....
....	....	....	....
....	....	....	....
....	....	....	....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

संयुक्ताक्षर और संयुक्त व्यंजन वाले पाँच–पाँच शब्दों को लिखिए–

संयुक्त व्यंजन	संयुक्ताक्षर
प्रेरणा	क्षरण
....	....
....	....
....	....
....	....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

निम्नलिखित शब्दों को शुद्ध उच्चारण करते हुए पढ़िए एवं पुनः लिखिए–

पक्षी	....
मिश्रण	....
मंत्र	....
त्रिशूल	....
छिद्र	....
सच्चा	....
विज्ञापन	....
त्रुटि	....
ग्यारह	....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

निम्नलिखित कविता को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

'हिन्द देश के निवासी सभी जन एक हैं,
रंग–रूप–वेश–भाषा चाहे अनेक हैं।
बेला, गुलाब, जूही, चम्पा, चमेली,
प्यारे–प्यारे फूल गुँथे माला में एक हैं।
गंगा, यमुना, ब्रह्मपुत्र, कृष्णा, कावेरी,
जाके मिल गईं सागर में हुईं सब एक हैं।
कोयल की कूक प्यारी, पपीहे की टेर न्यारी,
गा रही तराना बुलबुल राग मगर एक है।

01. उपर्युक्त कविता का उचित शीर्षक लिखिए।

....

02. कविता में आये फूलों, नदियों एवं पक्षियों के नाम दिए गए स्थानों में लिखिए–

फूल					
नदियाँ					
पक्षी					

03. प्रस्तुत कविता में कवि ने क्या संदेश दिया है?

....

....

दिनांक : .... शिक्षक हस्ताक्षर ....

दिए गए अनुच्छेद के आधार पर प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

श्रवण कुमार अपने माता–पिता के इकलौते पुत्र थे। उनके वृद्ध माता–पिता देख नहीं सकते थे। श्रवण उनकी भली प्रकार देखभाल और सेवा करते थे।

एक बार उनके माता–पिता ने कहा, ''बेटा हम तीर्थयात्रा करना चाहते हैं, परंतु क्या करें, देख नहीं सकते, अतः स्वयं यात्रा करने में समर्थ नहीं हैं।'' श्रवण ने दो टोकरियों से काँवर तैयार की। उसमें एक ओर माता को और दूसरी ओर पिता को बिठाया। काँवर उठाकर वह यात्रा पर चल दिए।

01. श्रवण कुमार के माता–पिता स्वयं यात्रा क्यों नहीं कर सकते थे?

....

....

02. श्रवण कुमार ने अपने माता–पिता को यात्रा पर ले जाने के लिए क्या उपाय किया?

....

....

....

03. श्रवण कुमार के स्थान पर आप होते तो क्या करते?

....

....

....

दिए गए अनुच्छेद के आधार पर प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

भारतवर्ष में ऐसे अनेक महान व्यक्तित्व हुए हैं जिन्होंने अपने जीवन आदर्शों से सम्पूर्ण मानवता के समक्ष अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किए हैं। ऐसे ही एक महान व्यक्तित्व थे राजा हरिश्चन्द्र। वे अपनी प्रजा में सत्यवादिता, दान और परोपकार जैसे गुणों के लिए प्रसिद्ध थे।

01. उपर्युक्त अनुच्छेद में 'अनुकरणीय' शब्द से आपका क्या आशय है, लिखिए–

....

....

02. राजा हरिश्चन्द्र अपने किन गुणों के कारण प्रजा में प्रसिद्ध थे?

....

....

....

03. 'सत्यवादिता' और 'परोपकार' जैसे शब्दों के अर्थ लिखते हुए अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

....

....

....

निम्नलिखित कहानी के आधार पर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

परिश्रम का महत्व

एक बार जंगल में आग लग गई। सभी जानवर आग बुझाने में जुट गए। जिसके हाथ में जो भी पात्र आया वह उसमें पानी भरकर आग में डालने लगा। सभी को आग बुझाने में जुटा देख, एक नन्हीं गौरैया भी अपनी चोंच में पानी भर–भर कर आग में डालने लगी।

एक कौआ दूर सुरक्षित डाल पर बैठा तमाशा देख रहा था। वह गौरैया के पास आकर बोला– "नन्हीं गौरैया! क्यों बेकार मेहनत कर रही हो? तुम्हारी नन्हीं चोंच का बूँद भर पानी इस भयंकर आग को बुझाने में क्या सहायता कर पाएगा?" गौरैया बोली– "यह तो मैं भी जानती हूँ, परंतु यदि कभी इस आग के बारे में बात होगी, तो मेरा नाम आग लगाने वालों अथवा तमाशा देखने वालों में नहीं, बल्कि आग बुझाने वालों में लिया जाएगा।

01. जंगल में आग लगने पर नन्हीं गौरैया ने क्या किया?

....

....

02. कौवे ने गौरैया से क्या कहा?

....

....

03. गौरैया ने कौवे को क्या उत्तर दिया?

....

....

04. आप कौवे की बात से कितना सहमत हैं? यदि आप गौरैया की जगह होते तो क्या करते?

....

....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

निम्नलिखित अधूरी कहानी को आगे बढ़ाइए–

चंपू नामक एक खरगोश था जिसके दोस्तों का नाम चिंटू एवं पिंटू था। एक दिन चंपू ने कहा ....

....

....

....

....

....

....

....

....

निम्नलिखित शब्दों का प्रयोग करते हुए कहानी बनाइए एवं लिखिए–

(किसान, गाय, खेत, फसल, धन, हरियाली, गाँव, पत्नी, खुश)

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

दिनांक : .... शिक्षक हस्ताक्षर ....

निम्नलिखित कविता को आगे बढ़ाइए–

यदि बाल न होते सिर पर

....

दाँत न होते मुँह में

....

नाखून न होते अँगुली पर

....

जीभ न होती मुँह में

....

घास न होती धरती पर

....

आग न होती चूल्हे में

....

पानी न होता धरती पर

....

सूरज न होता नभ में

....

हवा न होती धरती पर

....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

निम्नलिखित कविता को आगे बढ़ाइए–

नदियाँ बहतीं कल–कल–कल–कल

....

खेतों में फसलें लहराती

....

जीव–जंतु सब घूमें वन में

....

बच्चे समय से विद्यालय जाते

....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

कक्षा–7

दिवस–13

कार्यपत्रक–3

दिए गए शब्दों की सहायता से एक कविता लिखिए–

सूरज, चंदा, तारे, फूल, पानी

....

....

....

....

....

....

....

....

....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

संज्ञा के स्थान पर प्रयोग होने वाले शब्द सर्वनाम कहलाते हैं, जैसे– मैं, हम, तुम, वह आदि।

खाली स्थानों में उचित सर्वनाम शब्द छाँटकर लिखिए–

(क) वहाँ......कौन......बैठा है? (कौन / किसका)

(ख) ....खाना बनाना आता है। (मुझे / मेरा)

(ग) यह .... घर है। (मुझे / मेरा)

(घ) ....नाम क्या है? (तुम्हें / आपका)

(ङ) मुझे खाने के लिए .... चाहिए। (तुम / कुछ)

(च) सीता .... पुत्री थीं? (उन्हें / किसकी)

वाक्यों में आए सर्वनाम शब्दों को रेखांकित कीजिए–

(क) मैं पूजा करने के बाद नाश्ता करूँगी।

(ख) न जाने कौन गा रहा था।

(ग) उन्होंने खाना खा लिया है।

(घ) उसे माँ बुला रही है।

(ङ) बाहर घूमने कौन जाएगा ?

सोचिए, समझिए और उपयुक्त जोड़े बनाइए–

(क) वह	प्रश्नवाचक सर्वनाम
(ख) कुछ	निजवाचक सर्वनाम
(ग) क्या	अन्य पुरुषवाचक सर्वनाम
(घ) तुम	अनिश्चयवाचक सर्वनाम
(ङ) स्वयं	उत्तमपुरुषवाचक सर्वनाम
(च) मैं	मध्यमपुरुषवाचक सर्वनाम

रेखांकित सर्वनाम शब्दों के भेद पहचानिए और उनके नाम लिखिए–

(क) मैं अपना काम स्वयं कर लूँगा। ....

(ख) आइए आपका स्वागत है। ....

(ग) प्रश्नों के उत्तर किसने याद नहीं किया? ....

(घ) शायद कोई आ रहा है। ....

(ङ) वे लोग नहीं जा रहे हैं। ....

वाक्य को पढ़कर इसमें आए सर्वनाम भेद पर सही का चिह्न लगाइए–

1– मुझे किसने बुलाया?

(क) प्रश्नवाचक (ख) निश्चयवाचक (ग) संबंधवाचक

2– राम खुद ही समझ लेगा।

(क) संबंधवाचक (ख) पुरुषवाचक (ग) निजवाचक

3– मुझे एक पुरस्कार चाहिए।

(क) पुरुषवाचक (ख) निश्चयवाचक (ग) संबंधवाचक

4– वे कल से बीमार हैं।

(क) पुरुषवाचक (ख) निश्चयवाचक (ग) संबंधवाचक

5– जो चोरी करता है, वह अवश्य ही पकड़ा जाता है।

(क) संबंधवाचक (ख) अनिश्चयवाचक (ग) पुरुषवाचक

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

नीचे दिए गए वाक्यांशों का सही विशेषण से मिलान कीजिए–

चार गज जमीन	परिमाणवाचक विशेषण	यह तस्वीर
इस महिला	संख्यावाचक विशेषण	बहुत लोग
चार इंच कपड़ा	गुणवाचक विशेषण	पुराना रेडियो
थोड़ा चावल	सार्वनामिक विशेषण	ढेर सारा चावल

नीचे दिए गए वाक्यों को सार्वनामिक विशेषणों की मदद से पूरा कीजिए–

(क) ________ बच्चे विद्यालय में जा रहे हैं।

(ख) ________ माँ अच्छे पकवान बनाती है।

(ग) ________ सब लोग कहाँ जा रहे हैं?

(घ) ________ इमारत बहुत पुरानी हो गयी है।

(ङ) ________ लड़का दौड़ में प्रथम आता है।

निम्नलिखित वाक्यों से विशेषण तथा विशेष्य शब्दों को पहचान कर लिखिए–

क्र.सं.	वाक्य	विशेष्य	विशेषण
1.	नीले आकाश को देखिए।		
2.	पाँच किलो दाल ले आइए।		
3.	सफेद बाघ जंगल में रहता है।		
4.	भिखारी को थोड़ा आटा दे दें।		
5.	टोकरी में रसीले आम हैं।		
6.	इस पुस्तक को रख दीजिए।		
7.	भोजन स्वादिष्ट है।		

उपयुक्त विशेषण–विशेष्य शब्दों का मिलान कीजिए–

विशेषण	विशेष्य
लहलहाते →	विचार
चंचल	खेत
सुगंधित	जल
ऊँचे	पुष्प
ठंडा	बालक

विशेषण के विभिन्न प्रकारों के पाँच–पाँच उदाहरण लिखिए–

सार्वनामिक विशेषण →

1. ....
2. ....
3. ....
4. ....
5. ....

गुणवाचक विशेषण →

1. ....
2. ....
3. ....
4. ....
5. ....

संख्यावाचक विशेषण →

1. ....
2. ....
3. ....
4. ....
5. ....

परिमाणवाचक विशेषण →

1. ....
2. ....
3. ....
4. ....
5. ....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

निम्नलिखित वाक्यों में विशेषण ढूँढकर खाली स्थानों में लिखिए–

1. समय सबसे बलवान होता है। ....

2. मेरा गाँव गहरी नदी के उस पार है। ....

3. नीले आकाश में चिड़ियाँ उड़ रही हैं। ....

4. सोहन और रमेश में घनिष्ठ मित्रता है। ....

5. कोयल की आवाज मधुर होती है। ....

निम्नलिखित कहानी को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

किसान अपना खेत जोत रहा था। अचानक कहीं से भालू आ गया। भालू किसान को मारने झपटा। किसान ने कहा, ''मुझे क्यों मारते हो? फसल आने दो, जो कहोगे वही खिलाऊँगा।'' भालू ने कहा, ''जमीन के ऊपर की फसल मेरी और नीचे की तुम्हारी रहेगी।'' किसान ने आलू बो दिए। फसल आई तो भालू को पत्ते खाने को मिले। भालू चिढ़कर रह गया।

अगली बार भालू ने कहा, ''देखो इस बार जमीन के नीचे की फसल मेरी और ऊपर की तुम्हारी होगी।'' किसान ने गेहूँ बो दिया। जब फसल तैयार हुई तो किसान को मिले चमकीले गेहूँ। भालू को मिलीं खाली जड़ें। भालू खीझकर रह गया।

इस बार भालू ने किसान को मजा चखाना चाहा। उसने किसान से कहा, ''जमीन के सबसे ऊपर और जमीन के नीचे की फसल मेरी।'' किसान मान गया।

इस बार किसान ने बोया गन्ना। फसल आई तो भालू को मिले पत्ते और जड़ें। भालू का सिर चकरा गया।

01. भालू किसे मारने के लिए झपटा?

....

....

02. ''जमीन के ऊपर की फसल मेरी और नीचे की तुम्हारी रहेगी'', यह किसने कहा?

....

....

03. दूसरी बार भालू ने किसान से क्या शर्त रखी?

....

....

04. भालू का सिर क्यों चकरा गया?

....

....

निम्नलिखित शब्दों की सहायता से कहानी बनाइए और लिखिए–

जंगल, शिकारी, शेर, खरगोश

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

निम्नलिखित पात्रों के चित्र बनाकर रंग भरिए—

भालू

किसान

जंगल

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

कक्षा–7

दिवस–17

कार्यपत्रक–1

नीचे दिए गए वाक्यों की सहायता से कविता पूरी करके लिखिए–

छाया दे जाओ, ज्ञान सिखाओ, उजाला लाओ, मिठास लाओ, कमियों को मिटाओ, लिखना सिखाओ।

सूरज कहता है खुद जलकर
सबके लिए ....
बरगद कहता तुम भी बढ़कर
सबको ....
जलेबी कहती कैसी भी बनकर
सबके लिए ....
पेंसिल कहती है खुद घिसकर
बच्चों को तुम ....
रबर कहता है खुद को खोकर
औरों की ....
उत्तरपुस्तिका कहती है खुद भरकर
बच्चों तुम ....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

निम्नलिखित शब्दों के बारे में तीन–तीन वाक्य लिखिए –

कार्यपुस्तिका →
1. ....
2. ....
3. ....

सूरज →
1. ....
2. ....
3. ....

बरगद →
1. ....
2. ....
3. ....

जलेबी →
1. ....
2. ....
3. ....

पेंसिल →
1. ....
2. ....
3. ....

निम्नलिखित के चित्र बनाकर रंग भरिए –

जिराफ	सूर्य
बरगद	जलेबी

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

अपने परिवेश से संबंधित किसी भी विषय, व्यक्ति एवं वस्तु पर एक कविता लिखिए–

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

दिनांक : .... शिक्षक हस्ताक्षर ....

कक्षा–7 दिवस–18 कार्यपत्रक–2

निम्नलिखित चित्र को देखकर उससे संबंधित एक कविता एवं उसका भावार्थ शिक्षक की सहायता से लिखिए–

कविता

....
....
....
....
....
....
....
....
....

भावार्थ

....
....
....
....
....
....
....
....
....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

निम्नलिखित शब्दों की सहायता से कविता का निर्माण कीजिए–

लघु, बहता, शीतल, हिम, चंचल, मन, सरिता

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

तुकांत शब्दों की सहायता से कविता को पूरा कीजिए–

....

....ढेरी

....

....फेरी

....

....रानी की

....

....मरदानी की

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

दिए गए अनुच्छेद के आधार पर प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

हर देश का अपना एक राष्ट्रीय ध्वज होता है। वह उस देश का प्रतीक होता है। हमारे देश का राष्ट्रीय झंडा 'तिरंगा' है। इसमें मुख्य रूप से तीन रंग है– केसरिया, सफेद और हरा। सबसे ऊपर केसरिया रंग की पट्टी है, बीच में सफेद रंग की पट्टी है और हरे रंग की पट्टी सबसे नीचे है। केसरिया रंग बलिदान का प्रतीक है। सफेद रंग सच्चाई एवं शांति का प्रतीक है और हरा रंग खुशहाली का प्रतीक है। हरा रंग हमारे देश की सुख–समृद्धि को भी दर्शाता है। हमारे देश का तिरंगा हमारी शान का प्रतीक है। झंडे के बीचों– बीच एक चक्र होता है, जिसे अशोक चक्र कहते हैं। यह नीले रंग का होता है। इसमें 24 तीलियाँ होती है।

01. 'तिरंगा' किस देश का राष्ट्रीय ध्वज है?

....

02. हमारे राष्ट्रीय ध्वज में कौन–कौन से रंग हैं?

....

03. सफेद रंग किसका प्रतीक है?

....

04. झंडे के बीच में स्थित चक्र में कितनी तीलियाँ होती हैं?

....

05. इस गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक क्या हो सकता है?

....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

उपयुक्त शब्द भरकर निम्नलिखित अनुच्छेद को पूरा कीजिए–

हरा, चक्र, सम्मान, तिरंगा, चौबीस, गौरव, राष्ट्रीय ध्वज, खुशहाली, सफेद, शांति, तीन, वीरता, प्रगति

हमारे देश के झंडे का नाम......................है। यह हमारा...........................है। इसमें .... रंग है, बीच में...................और सबसे नीचे ....है। झंडे का केसरिया रंग .... का प्रतीक है। तिरंगे का सफेद रंग .... का संदेश देता है। इसका हरा रंग हमारी .... और समृद्धि को दर्शाता है। सफेद रंग के बीच में एक .... है। इसमें .... तीलियाँ है। यह हमें निरंतर .... करने का संदेश देता है। तिरंगा झंडा हमारे देश का .... है। हमें अपने झंडे का .... करना चाहिए।

नीचे दिए गए राष्ट्रीय ध्वजों को संबंधित देशों से मिलाइए–

झंडा	देश
	रूस
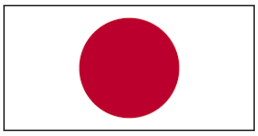	अमेरिका
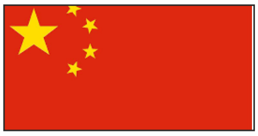	कनाडा
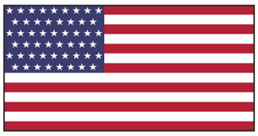	ऑस्ट्रेलिया
	जापान
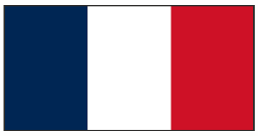	चीन
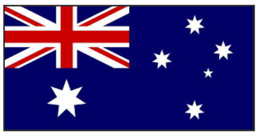	फ्रांस
	इंग्लैण्ड

निम्नलिखित वाक्यों में से अकर्मक क्रिया वाले वाक्यों को चुनकर लिखिए–

1. मोनी क्रिकेट खेलती है। ....
2. नूतन सोती है। ....
3. दिनेश आम खाता है। ....
4. रोहन जाता है। ....
5. सोनू पढ़ता है। ....

निम्नलिखित वाक्यों में क्रिया का भेद बताइए–

1. बच्चा गाड़ी चलाता है। ....

(सकर्मक / अकर्मक)

2. पक्षी उड़ रहे हैं। ....

(सकर्मक / अकर्मक)

3. शेर दौड़ता है। ....

(सकर्मक / अकर्मक)

4. दीपक चित्र बना रहा है। ....

(सकर्मक / अकर्मक)

5. दादाजी समाचार देख रहे हैं। ....

(सकर्मक / अकर्मक)

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

निम्नलिखित वाक्यों में से सकर्मक तथा अकर्मक क्रियाओं को छाँटकर बॉक्स में लिखिए–

1. मैं लेख लिखता हूँ।

2. कविता हँसती है।

3. मीरा फल लाती है।

4. कुत्ता भौंकता है।

5. बच्चा रोता है।

6. आदमी बैठा है।

7. सुरेश मिठाई खाता है।

8. भौंरा फूलों का रस पीता है।

9. टीना सोती है।

10. वे कूदते हैं।

सकर्मक

सकर्मक

दिए गए उपसर्ग लगाकर शब्द बनाइए–

उपसर्ग	मूल शब्द	शब्द
निर्	गुण	निर्गुण
अव	गुण	
स	गुण	
दुर्	गुण	

उपसर्ग	मूल शब्द	शब्द
वि	योग	
उप	योग	
सम्	योग	
प्र	योग	

प्रबंधन में प्र उपसर्ग है इसी प्रकार निम्नलिखित शब्दों में उपसर्ग और मूल शब्द अलग–अलग कीजिए–

शब्द	उपसर्ग	मूलशब्द
प्रहार		
प्रवर		
प्रशिक्षण		
प्रकार		
प्रख्यात		
प्रशासन		
प्रगति		
प्रबुद्ध		

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

कक्षा–7

दिवस–22

कार्यपत्रक–2

दिए गए प्रत्ययों से बनने वाले शब्द बनाइए –

प्रत्यय	शब्द		
ई	....	....	....
आव	....	....	....
आई	....	....	....
पन	....	....	....
आ	....	....	....
त	....	....	....
आव	....	....	....
ना	....	....	....
आवट	....	....	....
अक्कड़	....	....	....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

दिए गए शब्दों में आये मूलशब्द और प्रत्यय को अलग–अलग कर लिखिए–

देवरानी, बचपन, पढ़ाई, प्यासा, श्रमिक, साधारणतया, बिकाऊ, धनी, कवित्व, रंगीन, थकान, चमकीला, संसदीय, राष्ट्रीय, जादूगर, चुनाव, सामाजिक, पठनीय, भारतीय, शारीरिक

मूलशब्द	प्रत्यय	मूलशब्द	प्रत्यय
....	....	....	....
....	....	....	....
....	....	....	....
....	....	....	....
....	....	....	....
....	....	....	....
....	....	....	....
....	....	....	....
....	....	....	....
....	....	....	....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

निम्नलिखित शब्दों में से उपसर्ग और प्रत्यय–युक्त शब्दों को छाँटकर अलग–अलग लिखिए–

विशेष, प्रसन्नता, दर्दनाक, निर्गुण, लड़ाई, खेलना, बचपन, अनहोनी, अकाल, अधमरा, दयनीय, चमकदार, निडर, मच्छरदानी, निबंध, भरपूर

उपसर्ग	प्रत्यय
....	....
....	....
....	....
....	....
....	....
....	....
....	....
....	....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

विद्यालय में शिक्षक दिवस को आप किस प्रकार मनाएँगे, इस पर अपने विचार लिखिए–

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

विद्यालय की प्रगति में आपके द्वारा क्या–क्या सहयोग किया जा सकता है, इस पर अपने विचार लिखिए–

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

कक्षा—7 दिवस—24 कार्यपत्रक—1

1. निम्नलिखित शब्दों में मूर्धन्य 'ष' वाले शब्दों पर गोला बनाइए—

कर्म,	मंजूषा,	प्रयोग,	भाषा,	कर्ता,
आकर्षण,	नायक,	पुरुष,	नभ,	कृषक,
धरा,	वर्षा,	विहान	प्रण,	निष्पक्ष,
कक्ष,	यज्ञ			

2. निम्नलिखित शब्दों में तालव्य 'श' वाले शब्दों पर गोला बनाइए—

वृहद,	शिक्षा,	व्यापक,	विशाल,	जगत,
शौक,	पर्वत,	अशोक,	राज,	शैतान,
नर्म,	आकाश,	प्रकाश,	करन,	काजल,
विनाश,	ज्ञान			

3. निम्नलिखित शब्दों में दंत 'स' वाले शब्दों पर गोला बनाइए—

प्रयास,	कठिन,	साहस,	सरगम,	संगीत,
सफलता,	प्रवाह,	प्रतिमान,	पृथक,	आसमान,
चरण,	सरल,	ज्योति,	रूपक,	सफल

सही वर्ण (स, श, ष) भरकर शब्द बनाइए और उच्चारण कीजिए–

– ....रौता

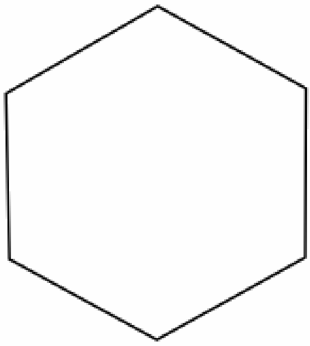
–.......टकोण

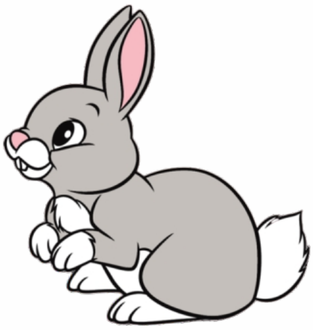
–खरगो.......

–.......ड़क

–.......ई

–.......लजम

–.......रबत

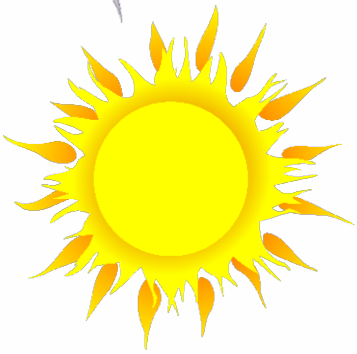
–.......रज

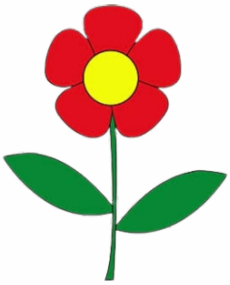
–पु.......प

–कृ.......क

कक्षा–7

दिवस–24

कार्यपत्रक–3

सही वर्ण (स, श, ष) भरकर शब्द बनाकर लिखिए–

वि.........ल	........मान
........ड्यंत्र	........रीर
........फल	संतो........
पला........	अक्षां........
........हज	मनी........

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

पत्र लेखन का हमारे जीवन में काफी महत्त्व है। पत्र, चिट्ठी या खत किसी कागज या अन्य माध्यम पर लिखे संदेश को कहते हैं। पत्र संचार का एक सुगम साधन है। इसका उपयोग करना बहुत सरल है। कोई भी व्यक्ति अपनी बात पत्र में आसानी से लिखकर अपना संदेश दूसरे व्यक्ति को भेज सकता है। पत्र दो प्रकार के होते हैं–

(1) औपचारिक पत्र (2) अनौपचारिक पत्र।

औपचारिक पत्र–

ये पत्र औपचारिक भाषा में लिखा जाता है और इसमें एक निश्चित प्रारूप का पालन करना पड़ता है। ऐसे पत्र आधिकारिक उद्देश्यों के लिए अधिकारियों, प्रधानाचार्य, गणमान्य व्यक्तियों सहकर्मियों आदि को लिखे जाते हैं। ये पत्र उन्हें लिखे जाते हैं जिनसे हमारा निजी संबंध नहीं होता। ये कई प्रकार के हो सकते हैं, जैसे– प्रार्थना–पत्र, कार्यालयीय पत्र, व्यावसायिक पत्र आदि।

1. प्रार्थना–पत्र : प्रधानाचार्य को आवेदन के लिए लिखा जाने वाला पत्र।
2. कार्यालयीय पत्र : किसी सरकारी अधिकारी/विभाग को लिखे गये पत्र।
3. व्यावसायिक पत्र : दुकानदार, प्रकाशक, व्यापारी, कंपनी आदि को लिखे गए पत्र।

(क) पत्र से आप क्या समझते हैं?

....

(ख) वर्तमान समय में पत्र का चलन कम क्यों हो गया है, स्पष्ट कीजिए?

....

(ग) आपके अनुसार पत्र लिखते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए?

....

....

(घ) औपचारिक पत्र की मुख्य विशेषताएँ क्या हैं?

....

....

अवकाश के लिए प्रधानाध्यापक को पत्र लिखिए –

सेवा में,

प्रधानाध्यापक/प्रधानाध्यापिका,

विद्यालय का नाम एवं पता

....

....

विषय: स्वास्थ्य ठीक न होने के कारण विद्यालय से अवकाश लेने के संबंध में।

महोदय/महोदया/श्रीमान् जी,

सविनय निवेदन है कि मैं (छात्र का नाम) ....
आपके विद्यालय में कक्षा 7 का छात्र हूँ। ....

....

....

....

अतः आपसे विनम्र निवेदन है कि मेरा प्रार्थना–पत्र स्वीकार करें एवं मुझे .... दिनों की दिनांक .... से .... तक का अवकाश प्रदान करने की कृपा करें। इसके लिए मैं सदैव आपका आभारी रहूँगा।

धन्यवाद!

आपका आज्ञाकारी शिष्य

नाम ....

कक्षा ....

दिनांक :...............................

अनुक्रमांक ....

प्रधानाध्यापक को बहन की शादी में सम्मिलित होने के लिए चार दिन के अवकाश का प्रार्थना–पत्र–

सेवा में,

प्रधानाध्यापक / प्रधानाध्यापिका,

विद्यालय का नाम एवं पता

....

....

विषयः ....

महोदय / महोदया / श्रीमान् जी,

....

....

....

....

....

....

....

....

....

धन्यवाद!

आपका आज्ञाकारी शिष्य

नाम ....

कक्षा ....

दिनांक :............................... अनुक्रमांक ....

विद्यालय के पुस्तकालय हेतु दैनिक समाचार–पत्र मँगाने के लिए प्रधानाध्यापक को पत्र लिखिए–

सेवा में,

प्रधानाध्यापक / प्रधानाध्यापिका,

विद्यालय का नाम एवं पता

....

....

विषयः ....

महोदय / महोदया / श्रीमान् जी,

....

....

....

....

....

....

....

....

....

धन्यवाद!

आपका आज्ञाकारी शिष्य

नाम ....

कक्षा ....

दिनांक :...............................

अनुक्रमांक ....

कक्षा–7

दिवस–26

कार्यपत्रक–1

निम्नलिखित शब्दों के दो–दो पर्यायवाची लिखिए–

राजा	....	....
रात	....	....
सोना	....	....
दिन	....	....
खुश	....	....
आँख	....	....
आम	....	....
चंद्रमा	....	....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

नीचे दी गयी कविता में से जल, मेढक, आकाश और तालाब के पर्यायवाची शब्द ढूँढकर लिखिए–

नभ में काले बादल छाए।

पानी बरसा छम–छम–छम।

भर गए सब ताल–तलैया।

दादुर करता टर्र–टर्र–टर्र।

....	....
....	....

दिए गए चित्रों को पहचानिए और उनके नाम लिखिए–

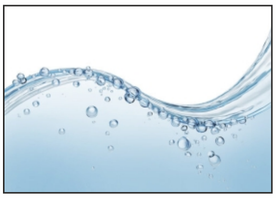

....

....

....

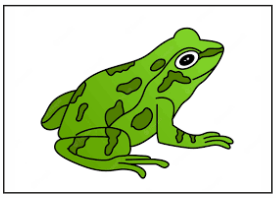

....

निम्नलिखित शब्दों के सही पर्यायवाची शब्दों पर गोला ◯ बनाइए—

आँख	चक्षु	हाथ	भागीरथी
पहाड़	पहुना	पर्वत	परिणाम
नवीन	मेहमान	प्रसन्नता	नया
युद्धक्षेत्र	रणभूमि	निरादर	उल्लास
सुगंध	बेइज्जती	खुशबू	हर्ष
माता	नारी	जननी	भार्या
गाय	धेनु	बाघ	महिषी
भूमि	अंबर	पाषाण	धरा

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

दिए गए शब्दों के समानार्थी शब्द उनसे जुड़े गुब्बारे में लिखिए–

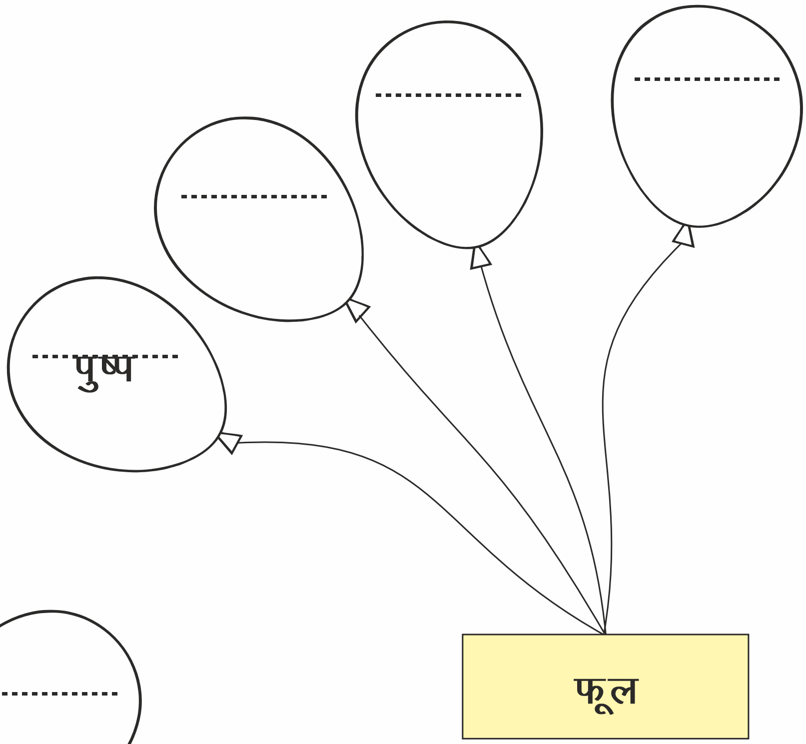

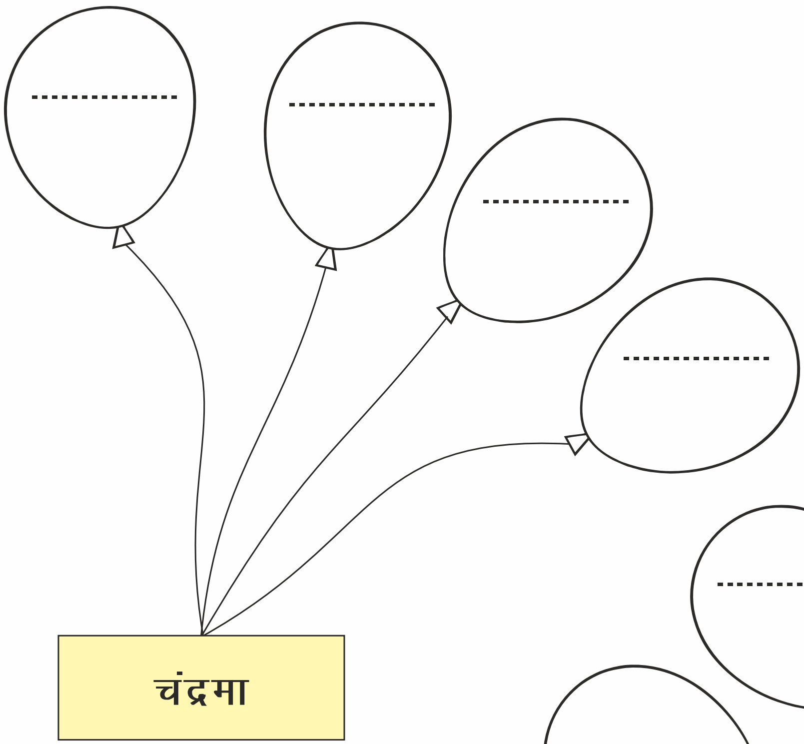

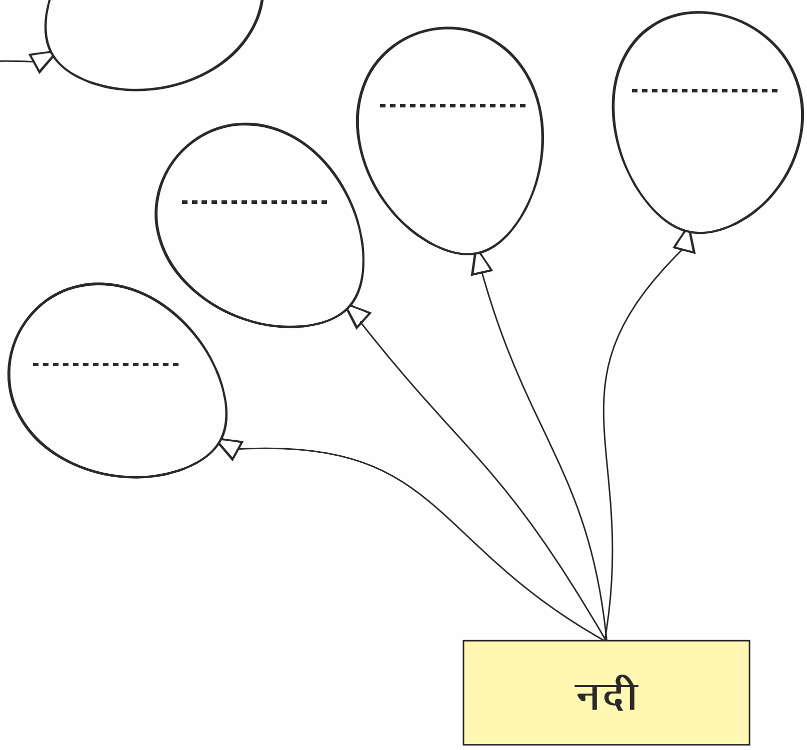

कक्षा–7

दिवस–27

कार्यपत्रक–1

ऊपर के बॉक्स में लिखे शब्दों के विलोम शब्द उसके नीचे बने बॉक्स में लिखिए–

हर्ष	चेतन	ऊपर	सार्थक
....	....	....	....
धार्मिक	सुगम	सरस	सूक्ष्म
....	....	....	....
फूल	दु:ख	राजा	लड़का
....	....	....	....
दिन	निर्धन	आकाश	गुण
....	....	....	....

कक्षा–7

दिवस–27

कार्यपत्रक–2

निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द कोष्ठक से छाँटकर निर्धारित स्थान पर लिखिए–

(निराशा, अपमान, अंधकार, अनादर, अप्रसन्न, कृतघ्न)

(1) प्रकाश

(2) आशा

(3) मान

(4) आदर

(5) कृतज्ञ

(6) प्रसन्न

नीचे लिखे शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

नई

ठंड

पाप

बूढ़ा

प्रत्यक्ष

शिक्षित

आस्तिक

उदय

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

निम्नलिखित अनुच्छेद को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

प्रसिद्ध क्रांतिकारी भगत सिंह का जन्म सन् 1907 ई. को पंजाब के लायलपुर गाँव में हुआ था। उनके पिता का नाम सरदार किशन सिंह था। सरदार भगत सिंह बचपन से ही क्रांतिकारी विचारों वाले थे। बड़े होने पर ये ब्रिटिश साम्राज्य को जड़ से उखाड़ फेंकना चाहते थे। चन्द्रशेखर आजाद, रामप्रसाद बिस्मिल, अशफाक उल्ला खाँ जैसे क्रांतिकारियों की तरह ही भगत सिंह का नाम भी बड़े आदर के साथ लिया जाता है। भगत सिंह हिन्दुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन आर्मी के सदस्य थे। साइमन कमीशन का बहिष्कार करने के सिलसिले में पंजाब केसरी लाला लाजपत राय पर पुलिस ने प्राणघातक प्रहार किया था। पुलिस अधीक्षक सांडर्स को इसके लिए जिम्मेदार मानते हुए भगत सिंह ने गोलियाँ चलाकर उसकी हत्या कर दी थी। इसी मामले में दूसरा पुलिस अफसर मिस्टफर्म भी मारा गया था। ब्रिटिश सरकार ने भगत सिंह को 23 मार्च सन 1931 को अन्यायपूर्ण ढंग से फाँसी दे दी।

01. भगत सिंह का जन्म कब और कहाँ हुआ था?

....

02. भगत सिंह के पिता का नाम क्या था?

....

03. भगत सिंह की तरह ही कुछ और क्रांतिकारियों के नाम लिखिए।

....

04. भगत सिंह किस पार्टी के सदस्य थे?

....

05. भगत सिंह ने किसकी हत्या की और क्यों?

....

06. भगत सिंह को फाँसी कब दी गई?

....

07. सरदार भगत सिंह बचपन से कैसे विचारों वाले थे?

....

पढ़े गए अनुच्छेद के आधार पर प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

भगत सिंह

जन्म

....

पिता

....

किस पार्टी के सदस्य

....

पुलिस अफसर जो मारा गया

....

समकालीन अन्य क्रांतिकारी

....

....

....

....

मृत्यु (फाँसी)

....

कक्षा—7

दिवस—29

कार्यपत्रक—1

अक्षरों को जोड़कर शब्द बनाकर लिखिए एवं पढ़कर सुनाइए।

1. प + र + इ + त्र(त् + र) + आ + ण = परित्राण
2. प + र + इ + क्ष(क् + ष) + आ =
3. व + इ + ज्ञ(ज् + ञ) + आ + न =
4. क + उ + ल + श्र(श् + र) + ए + ष् + ठ =
5. अ + न् + ध + भ + क् + त + इ =
6. प + इ + च + क + आ + र + ई =
7. स् + थ + आ + ई =
8. स + म + उ + ज् + ज् + व + ल =

निम्नलिखित शब्दों का प्रयोग करते हुए वाक्य लिखिए एवं उच्चारण की शुद्धता पर ध्यान देते हुए वाक्यों को पढ़िए।

सर्वत्र, सांत्वना, कृतज्ञता, त्रिशूल,
श्रद्धा, श्रेय, अस्तबल

1. ....
2. ....
3. ....
4. ....
5. ....
6. ....
7. ....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

नीचे लिखे शब्दों का उच्चारण कीजिए और शुद्ध शब्द पर गोला बनाइए–

सिक्षक	–	शिक्षक
सतह	–	शतह
सवाल	–	षवाल
सालिन	–	शालीन
सुई	–	षुई
षज्जन	–	सज्जन
सिनेमा	–	शिनेमा
षहद	–	शहद
शलजम	–	षलजम
शशक	–	सशक

कक्षा–7 दिवस–30 कार्यपत्रक–1

निम्नलिखित विज्ञापनों को ध्यान से देखिए और समझिए–

01. किसी उत्पाद का विज्ञापन समाचार–पत्र में क्यों दिया जाता है?

....

02. यह विज्ञापन किस वस्तु के लिए है?

....

03. उत्पाद किस कंपनी द्वारा निर्मित है?

....

04. उत्पाद को बनाने में किस विधि का उपयोग किया गया है?

....

05. उत्पाद को बनाने में किन खाद्य पदार्थों का उपयोग किया गया है?

....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

01. इस विज्ञापन में किस चीज का प्रचार–प्रसार किया गया है?

....

02. यह विज्ञापन किस कंपनी ने दिया है?

....

03. अगर किसी वस्तु को विज्ञापित न किया जाय तो उस वस्तु की बिक्री पर क्या प्रभाव पड़ेगा?

....

....

04. इस विज्ञापन में नीचे बायीं तरफ के कोने में क्यू०आर० कोड क्यों दिया गया है?

....

....

05. पाठ्यपुस्तकों में दिए गए क्यू०आर० कोड आप लोगों की किस प्रकार सहायता करते हैं?

....

....

दिनांक : .... शिक्षक हस्ताक्षर ....

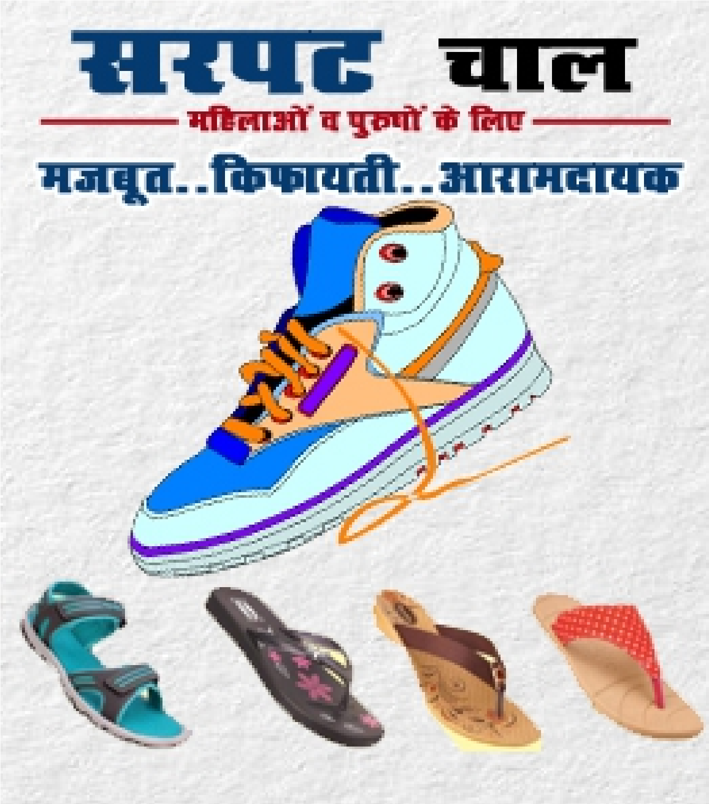

01. पहले विज्ञापन में पैर में पहनने वाले कितने प्रकार के उत्पादों को दिखाया गया है?

....

....

02. अगर पैर में जूते/चप्पल न पहनें तो हमारे पैर पर क्या असर पड़ेगा?

....

....

03. दूसरा विज्ञापन किस उत्पाद का है?

....

....

04. कौन सा तेल सिर में लगाने वाला है और कौन–सा खाना बनाने के लिए?

....

कक्षा–7

दिवस–30

कार्यपत्रक–4

समाचार–पत्रों से विभिन्न विज्ञापनों को काटकर निर्धारित स्थान पर चिपकाइए–

विज्ञापन–01	विज्ञापन–02
विज्ञापन–03	विज्ञापन–04

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

संपादकीय जागरण

बुधवार, 16 नवंबर, 2022 : मार्गशीर्ष कृष्ण – 8 वि. 2079

संवाद से ही सुलह का मार्ग खुलता है

जनसंख्या की चुनौती

संयुक्त राष्ट्र के अनुसार विश्व की जनसंख्या का आंकड़ा आठ अरब तक पहुंच गया है और अगले वर्ष भारत आबादी के मामले में चीन को पीछे छोड़कर दुनिया का सबसे अधिक आबादी वाला देश बन सकता है। इसका कारण यह है कि विश्व की जनसंख्या के सात से आठ अरब तक पहुंचने में सबसे अधिक करीब 17 करोड़ भारतीयों का योगदान रहा। भारत का सबसे अधिक आबादी वाला देश बनना कोई उपलब्धि नहीं। बढ़ती हुई जनसंख्या गंभीर चुनौती न बन पाए, इसके लिए भारत को अपनी आबादी के नियोजन के लिए ठोस कदम उठाने होंगे और वह भी तत्काल प्रभाव से। चूंकि हमारी आबादी का एक बड़ा हिस्सा युवाओं का है, इसलिए इसके लिए विशेष उपाय करने होंगे कि उन्हें समुचित शिक्षा और रोजगार के पर्याप्त अवसर मिलें। इसी तरह इस पर भी ध्यान देना होगा कि कृषि क्षेत्र में आवश्यकता से अधिक आबादी की जो निर्भरता है, उसे कम किया जाए। इसमें सफलता तब मिलेगी, जब उद्योग–व्यापार को बढ़ावा मिलेगा। इसकी अनदेखी नहीं की जानी चाहिए कि अर्थव्यवस्था को गति दिए बिना न तो उद्योग–व्यापार को बढ़ावा मिलने वाला है और न ही वे रोजगार के पर्याप्त अवसर पैदा करने वाले हैं। देश की समस्याओं के समाधान के लिए यह आवश्यक ही नहीं, अनिवार्य है कि अर्थव्यवस्था सबल बनी रहे और वह तेजी के साथ बढ़े। वास्तव में बढ़ती आबादी से दो–चार भारत अपनी समस्याओं का समाधान सही तरह से तभी कर पाएगा, जब अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर आठ प्रतिशत से अधिक रहे। फिलहाल वैश्विक अर्थव्यवस्था की पतली हालत को देखते हुए इसके आसार कम हैं, लेकिन भारत को इसके लिए सजग तो रहना ही होगा।

अर्थव्यवस्था को बल देने के लिए अन्य अनेक उपायों पर बल देने के साथ यह भी आवश्यक है कि हमारे शहरों का बुनियादी ढांचा बेहतर हो और उनमें नागरिक सुविधाओं की गुणवत्ता बढ़े। शहरों को संवारने के काम को इसलिए सर्वोच्च प्राथमिकता देनी होगी, क्योंकि रोजगार और बेहतर जीवन की आस में गांवों से शहरी क्षेत्रों में पलायन बढ़ रहा है। हमारे छोटे–बड़े शहर बढ़ती आबादी के बोझ का सामना कर रहे हैं। यह नहीं भूला जाना चाहिए कि शहर विकास के वाहक होते हैं। जिन शहरों का बुनियादी ढांचा बेहतर होता है, वहां उद्योग–धंधे अच्छी तरह फलते–फूलते हैं। जब ऐसा होता है तो वे रोजगार के अवसरों की पैदा करने में समर्थ होते हैं। जनसंख्या के समुचित नियोजन के लिए हमारे नीति–नियंताओं को शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने के साथ इस पर भी विशेष ध्यान देना होगा कि युवाओं को किसी न किसी कौशल से लैस किया जाए। कौशल विकास पर बल देने से उद्योग–व्यापार जगत की आवश्यकता के अनुरूप सक्षम युवा तैयार करने में तो सफलता मिलेगी ही, उन्हें विदेश में रोजगार के बेहतर अवसर पाने में भी आसानी होगी।

01. समाचार पत्र में सम्पादकीय लेख कौन लिखता है?

....

....

02. सामान्य समाचार एवं संपादकीय लेख में क्या अंतर होता है?

....

....

03. दिया गया संपादकीय लेख किस विषय पर आधारित है?

....

....

04. संयुक्त राष्ट्र के अनुसार विश्व की जनसंख्या कितनी पहुँच गयी है?

....

....

05. जनसंख्या वृद्धि से होने वाले नुकसान को अपने शब्दों में लिखिए।

....

....

....

....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

कक्षा–7

दिवस–31

कार्यपत्रक–2

दिए गए समाचार पत्र के अंश को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

आठ अरब के पार पहुंची विश्व की जनसंख्या

विश्व के आठ अरबवें बच्चे ने जन्म ले लिया है। मंगलवार को यूनाइटेड नेशंस पापुलेशन फंड (यूएनएफपीए) ने ट्वीट कर यह जानकारी दी। विश्व की आबादी को सात से आठ अरब होने में 12 साल का समय लगा है। पिछले 100 करोड़ में भारत की हिस्सेदारी 17.7 करोड़ और चीन की 7.3 करोड़ रही। अभी जनसंख्या बढ़ने की जो दर है, उस हिसाब से जब सुबह आप यह पढ़ रहे होंगे, तब तक जनसंख्या एक लाख और बढ़ चुकी होगी।

100 करोड़ के नीचे थी वर्ष 1800 तक जनसंख्या

100-200 करोड़ होने में लगे थे 100 साल

2037 तक जनसंख्या नौ अरब होने का अनुमान

10 अरब हो जाएगी आबादी 2058 तक

10.4 अरब तक अधिकतम जनसंख्या पहुंचने का अनुमान

(इनपुट: ब्यूरो)

01. समाचार का शीर्षक विश्व की किस चिंता को दर्शाता है?

....

02. विश्व की आबादी को सात से आठ अरब होने में कितना समय लगा है?

....

03. वर्ष 1800 ई0 तक जनसंख्या कितने करोड़ के नीचे थी?

....

04. जनसंख्या 100 से 200 करोड़ होने में कितने वर्ष लगे थे?

....

....

05. सन् 2058 तक आबादी लगभग कितने करोड़ हो जायेगी?

....

....

06. छोटा परिवार एवं बड़ा परिवार, दोनों में से कौन–सा अच्छा है और क्यों?

....

....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

दिए गए समाचार पत्र के अंश को ध्यान से देखिए और समझिए–

सबसे ज्यादा युवा जनसंख्या वाला देश बना हुआ है भारत

भारत में लोगों की औसत आयु अन्य देशों की तुलना में कम है। इसीलिए भारत सबसे ज्यादा युवाओं वाला देश है। बढ़ती जनसंख्या की चुनौती के बीच विशेषज्ञ इसे उम्मीद की किरण भी मान रहे हैं।

1.41 अरब पर पहुंच चुकी है भारत की जनसंख्या

28.7 साल है भारतीय जनसंख्या की औसत आयु

1.67 अरब तक पहुंच जाएगी भारतीय आबादी 2050 तक

68% भारतीय आबादी इस समय 15 से 64 के आयु वर्ग में आती है

1.43 अरब के करीब है अभी चीन की जनसंख्या

1.32 अरब रह जाएगी चीन की जनसंख्या 2050 में

36.4 साल औसत आयु है चीन की आबादी की

48.6 साल है जापान के लोगों की औसत आयु

30.3 साल है वैश्विक स्तर पर औसत आयु

40 करोड़ लोग 60 से ज्यादा उम्र के होंगे चीन में 2035 में

01. विश्व में सर्वाधिक युवा जनसंख्या वाला देश कौन सा है?

....

....

02. भारत में लोगों की औसत आयु कितनी है?

....

....

03. वैश्विक स्तर पर औसत आयु क्या है?

....

....

04. भारतीय आबादी का कितना प्रतिशत इस समय 15 से 64 के आयु वर्ग में आता है?

....

....

निम्नलिखित मुहावरों का सही अर्थ चुनकर गोला लगाइए–

(क) दाँत खट्टे करना – खाना अच्छा न लगना, दाँत तोड़ देना, पराजित कर देना।

(ख) ईंट से ईंट बजाना – ईंट तोड़ने वाला खेल खेलना, पूरी तरह से नष्ट कर देना, ईंट बनाने का काम करना।

(ग) अंगारों पर चलना – बड़े जोखिम का कार्य करना, अग्नि पर पैदल चलना, आग जलाना।

(घ) खेत रह जाना – युद्ध में जीतना, युद्ध में जमीन पा लेना, युद्ध में प्राण जाना।

वाक्यों के लिए उचित मुहावरे चुनकर खाली स्थान में लिखिए–

(क) भारतीय सेना ने दुश्मन सेना के .... दिए।

(1) दाँत खट्टे करना (2) कुछ भी कष्ट (3) श्रीगणेश

(ख) अमित अपने माता–पिता की .... है।

(1) दिल का टुकड़ा (2) आँखों का तारा (3) बहुत प्यारा

(ग) अर्जुन अपने गुणों के कारण सबका .... है।

(1) दुलारा (2) खून का प्यासा (3) गले का हार

(घ) युद्ध में शिवाजी ने मुगल सेना के .... कर दिए।

(1) दाँत खट्टे (2) छुट्टी (3) तहस–नहस

(ङ) ग्राहक दुकानदार को ––––––– खिसक गया।

(1) धोखा खाकर (2) चकमा देकर (3) बुद्धू बनाकर

नीचे दिए गए रिक्त स्थानों की पूर्ति के लिए उचित मुहावरे बताइए–

(1) ठंड से काँपते वृद्‌ध को देखकर मेरी .... आई।

(क) आँख खुलना

(ख) आँख भर आना

(ग) आँखें चार करना

(2) प्रत्येक बच्चा अपने माता–पिता की .... होता है।

(क) आँख का काँटा

(ख) आँख का तारा

(ग) आँख की किरकिरी

(3) छोटे बच्चों को तबला बजाते देख सभी .... गए।

(क) सो गये।

(ख) बाहर चले गए।

(ग) दंग रह जाना।

(4) संतोष घर के काम में माँ का .... है।

(क) हाथ मलना

(ख) हाथ बँटाना

(ग) मुँह का खाना

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

निम्नलिखित लोकोक्तियाँ अर्थ सहित दी गई हैं, इनका अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

अधजल गगरी छलकत जाय।

अर्थ– ज्ञान की कमी, दिखावा अधिक।

....
....
....
....

अब पछताए होत क्या जब चिड़िया चुग गई खेत।

अर्थ– सही समय निकल जाने के बाद अफसोस करना।

....
....
....
....

एक और एक ग्यारह।

अर्थ– एकता में बहुत शक्ति होती है।

....
....
....
....

उल्टा चोर कोतवाल को डाँटे।

अर्थ– अपनी गलती होने पर भी दूसरे व्यक्ति को दोष देना।

....
....
....
....

निम्नलिखित शब्दों के विलोम एवं समानार्थी शब्द लिखकर वाक्य प्रयोग कीजिए–

सुख

विलोम ....

समानार्थी ....

वाक्य प्रयोग ....

उन्नति

विलोम ....

समानार्थी ....

वाक्य प्रयोग ....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

निम्नलिखित शब्दों के विलोम एवं समानार्थी शब्द लिखकर वाक्य प्रयोग कीजिए–

प्रकाश

विलोम ....

समानार्थी ....

वाक्य प्रयोग ....

दिन

विलोम ....

समानार्थी ....

वाक्य प्रयोग ....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

कक्षा–7

दिवस–33

कार्यपत्रक–3

निम्नलिखित शब्दों का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए–

सरिता, अनंत, अर्जित, धैर्य, निहत्था

अर्थ	वाक्य प्रयोग
....	....
....	....
....	....
....	....
....	....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

निम्नलिखित कहानी को पढ़कर संबंधित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

एक मेहनती किसान था। उसे अच्छी खेती से संबंधित बहुत से गुर आते थे, किंतु उसके चारों आलसी पुत्रों को सीखने में कोई रुचि नहीं थी। किसान बहुत चिंतित रहता था कि मेरी मृत्यु के बाद ये अपनी आजीविका कैसे चलाएँगे। एक बार वह बहुत बीमार हो गया तो उसने अपने चारों पुत्रों से कहा, मेरी जो कुछ भी संपत्ति थी, उसे मैंने खेतों में छिपा दिया है। उसके बाद किसान की मृत्यु हो गई।

किसान की मृत्यु के बाद उसके चारों पुत्रों ने छिपे धन को प्राप्त करने के लालच में खेतों को खोद दिया, किंतु कठिन परिश्रम के साथ खोदने पर भी उन्हें खेतों के बीच कोई खजाना नहीं मिला। सभी ने बहुत निराश होकर खोदे हुए खेतों में बीज डाल दिये। जमीन की बहुत अच्छी खुदाई हो जाने के कारण खेतों में इतनी अच्छी फसल हुई कि उन्हें अपने परिश्रम का फल मिल गया।

01. किसान क्यों चिंतित रहता था?

....

....

02. किसान ने अपनी संपत्ति को खेतों में छिपाने की बात क्यों कही?

....

....

03. किसान के पुत्रों ने जमीन क्यों खोदी?

....

....

04. उपर्युक्त कहानी का शीर्षक क्या होगा?

....

आपके द्वारा की गई यात्रा के बारे में निम्नलिखित बिंदुओं के आधार पर निर्धारित स्थान पर लिखिए–

कब/कहाँ

....
....
....
....

→ **यात्रा पूर्व तैयारी**

....
....
....
....

→ **यात्रा का साधन**

....
....
....
....

↓ **सहयात्री विवरण**

....
....
....
....

← **यात्रा में क्या–क्या खाया**

....
....
....
....

↓ **पूरी यात्रा के दौरान आपने क्या–क्या खरीदा**

....
....
....
....

→ **यात्रा पूर्ण होने पर आपने कैसा महसूस किया**

....
....
....
....

↓ **यात्रा संबंधी अन्य सुझाव/विचार**

....
....
....
....

← **निष्कर्ष**

....
....
....
....

नीचे दिए गए शब्दों की सहायता से एक कहानी लिखिए–

किसान, गेहूँ की बालियाँ, चूहा, खरगोश

....

....

....

....

....

....

....

....

....

निम्नलिखित अनुच्छेद को पढ़कर संबंधित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

बाबा भारती चले गये, परंतु उनके शब्द खड्गसिंह के कानों में उसी प्रकार गूँज रहे थे। सोचता था, कैसे ऊँचे विचार हैं, कैसा पवित्र भाव है। उन्हें इस घोड़े से प्यार था, इसे देखकर उनका मुख फूल की नाईं खिल जाता था। कहते थे, ''इसके बिना न रह सकूँगा।'' इसकी रखवाली में वे कई रात सोये नहीं। भजन–भक्ति न कर, रखवाली करते रहे। परंतु आज उनके मुख पर दु:ख की रेखा तक न दिखाई पड़ती थी। उन्हें केवल यह ख्याल था कि कहीं लोग गरीबों पर विश्वास करना न छोड़ दें। ऐसा मनुष्य, मनुष्य नहीं देवता है।

01. किसके कहे गए शब्द खड्गसिंह के कानों में गूँज रहे थे?

....

....

....

02. किस बात से पता चलता है कि बाबा भारती को घोड़े से अत्यधिक प्यार था?

....

....

....

03. 'ऐसा मनुष्य, मनुष्य नहीं देवता है' वाक्य किसके बारे में और क्यों कहा गया है?

....

....

....

शास्त्री जी उन दिनों रेलमंत्री थे। एक बार उन्हें बनारस से सेवापुरी जाना पड़ा। छोटे कद का होने के कारण शास्त्री जी को गाड़ी से प्लेटफार्म पर उतरने में काफी दिक्कत हुई। यह देखकर वहाँ खड़ी कुछ औरतें हँसकर कहने लगीं कि अब महसूस हो रहा होगा कि महिलाओं को प्लेटफार्म पर उतरते समय कितनी कठिनाई का सामना करना पड़ता है। प्लेटफार्म पर पहुँचते ही शास्त्री जी ने स्टेशन मास्टर को बुलाया और उनसे कहा कि क्या वे एक फावड़े का इंतजाम कर सकते हैं? फावड़ा तुरंत लाया गया। शास्त्री जी ने फावड़ा लेकर उस नीचे प्लेटफार्म के दूसरी ओर जमीन खोदनी शुरू कर दी और मिट्टी प्लेटफार्म पर डालने लगे। यह देखकर वहाँ जो लोग खड़े थे वे भी फावड़ा और उसी तरह की चीजें ले आये और शास्त्री जी का अनुसरण करने लगे। सभी को तब सुखद आश्चर्य हुआ, जब तीन घंटों के अंदर वह नीचा प्लेटफार्म मानक स्तर तक ऊँचा बन गया।

उपर्युक्त अनुच्छेद को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए –

01. शास्त्री जी को कहाँ से कहाँ तक जाना था?

....

02. शास्त्री जी को प्लेटफार्म पर ट्रेन से उतरने में दिक्कत क्यों हुई?

....

....

03. शास्त्री जी को उतरते देखकर महिलाओं ने क्या कहा?

....

....

....

04. शास्त्री जी की जगह यदि आप होते तो क्या करते?

....

....

त्योहारों पर नदियों में नहाते समय के, नहाने जाते हुए राह के, विवाह के, मटकोड़, ज्यौनार के, संबंधियों के लिए प्रेम–युक्त गाली के, जन्म आदि सभी अवसरों के अलग–अलग गीत हैं, जो स्त्रियाँ गाती हैं। इन अवसरों पर कुछ आज से ही नहीं, बड़े प्राचीनकाल से वह गाती रही हैं। महाकवि कालिदास आदि ने भी अपने ग्रंथों में उनके गीतों का हवाला दिया है। सोहर, बानी, सेहरा आदि उनके अनंत गानों में से कुछ हैं। वैसे तो बारहमासे पुरुषों के साथ नारियाँ भी गाती हैं।

गाँवों और नगरों में गानेवालियाँ भी होती हैं, जो विवाह, जन्म आदि के अवसरों पर गाने के लिए बुला ली जाती हैं। बिहार और पूर्वी उत्तर प्रदेश में छठ पर्व बड़े धूमधाम से मनाया जाता है। इसके गीत बड़े मोहक और लोचदार होते हैं।

उपर्युक्त अनुच्छेद को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए –

01. हमारे प्रदेश/देश में किन–किन अवसरों पर गीत गाए जाते हैं? किन्हीं दो अवसरों का उल्लेख कीजिए?

....

....

....

02. छठ व्रत कहाँ–कहाँ और कैसे मनाया जाता है?

....

....

....

03. विवाह–आदि के अवसर पर प्रेम भरे गीत किसके लिए गाए जाते हैं?

....

....

....

कक्षा–7 दिवस–36 कार्यपत्रक–1

निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक शब्द लिखिए–

(1) पुस्तकों की समीक्षा करने वाला – समीक्षक

(2) पक्ष लेने वाला – ....

(3) जो व्यर्थ का व्यय करता हो – ....

(4) जिसे डर न हो – ....

(5) जिसे क्षमा न किया जा सके – ....

(6) रक्षा करने वाला – ....

(7) भक्षण करने वाला – ....

(8) जिसने अपराध किया हो – ....

(9) जिसे सहा न जा सके – ....

(10) जिसका जवाब न हो – ....

कॉलम 'क' का कॉलम 'ख' से मिलान कीजिए–

कॉलम 'क'	कॉलम 'ख'
1. जो कोई कार्य न करता हो	वाचाल
2. जो बहुत बोलता हो	अनगिनत
3. आलोचना करने वाला	अकर्मण्य / निकम्मा
4. जिसकी गिनती न की जा सके	कुलीन
5. जो उच्च कुल में पैदा हुआ हो	अजेय
6. जिसको जीता न जा सके	आलोचक

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

निम्नलिखित वाक्यांशों का सही मिलान कीजिए–

1. विद्यालय में पढ़ने वाला	फौजी
2. डाक बाँटने वाला	ग्रामीण
3. फौज में काम करने वाला	वार्षिक
4. सप्ताह में एक बार	दैनिक
5. साथ पढ़ने वाला	डाकिया
6. गाँव में रहने वाला	विद्यार्थी
7. वर्ष में एक बार	सहपाठी
8. प्रतिदिन किया जाने वाला	साप्ताहिक

दिए गए वाक्यांशों के लिए एक शब्द लिखिए–

1. जो आज्ञा का पालन करने वाला हो। ....

2. जिसका कभी क्षय न हो। ....

3. जो हमेशा सत्य बोलता हो। ....

4. विषय की जानकारी रखने वाला। ....

5. ईश्वर को मानने वाला। ....

6. तीर्थयात्रा के लिए जाने वाला। ....

निम्नलिखित शब्दों के दो भिन्न अर्थ लिखिए–

अंक

....

कर

....

जल

....

ग्रहण

....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

निम्नलिखित शब्दों के दो अर्थ लिखकर उनका वाक्य–प्रयोग भी लिखिए –

शब्द	अर्थ	वाक्य प्रयोग
कनक	1.	1. ....
	2.	2. ....
हार	1.	1. ....
	2.	2. ....
पानी	1.	1. ....
	2.	2. ....
मत	1.	1. ....
	2.	2. ....
भाग	1.	1. ....
	2.	2. ....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

'आयुर्वेद मात्र औषधि विज्ञान नहीं है, अपितु यह संपूर्ण जीवन व्यवहार का विज्ञान है।' प्रकृति प्रदत्त उपहारों का हमारे जीवन में महत्त्वपूर्ण स्थान है। हमारे आस–पास के पेड़–पौधे किसी न किसी औषधीय गुण को समेटे हुए हैं। नारी शक्ति ने दादी–नानी के रूप में अपने रसोईघरों को प्रकृति की देनों से समृद्ध किया है। मसाले, फल, सब्जियाँ और अनाजों के संतुलित सेवन से हम बीमारियों से दूर रहते हैं। खान–पान और जीवनशैली में सुधार हमें निरोगी तन और स्वस्थ मन देता है। यह सुखद है कि आयुर्वेद पुस्तकों के साथ हमारे घर–घर तक फैला हुआ है। हमारे रसोईघर औषधालय ही तो हैं। इस अति प्राचीन चिकित्सा पद्धति को नारी शक्ति ने बचा कर रखा है।

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. आयुर्वेद क्या है?

....

....

....

2. हमारी चिकित्सा पद्धति को किसने बचा कर रखा है?

....

....

....

3. हम स्वयं को स्वस्थ कैसे रख सकते हैं?

....

....

....

4. प्रकृति ने हमें क्या–क्या उपहार दिए हैं?

....

....

ज्ञानवृद्धि और आनंद की प्राप्ति का एक प्रमुख साधन अध्ययन है। वह आत्म–संस्कार के विधान का एक अंग है। किसी जाति के साहित्य में गति प्राप्त करने का कोई और द्वार नहीं है। किसी जाति के भाव और विचार साहित्य में ही व्यक्त रहते हैं तथा उसी में उसकी उन्नति के क्रम का लेख रहता है। मनुष्य जाति के सुख और कल्याण के विषय में संसार में प्रतिभा सम्पन्न लोगों ने जो सिद्धान्त स्थिर किए हैं, उन्हें जानने का साधन स्वाध्याय ही है। जो पढ़ता नहीं है, उसे इस बात की खबर ही नहीं रहती कि मनुष्य की ज्ञान परंपरा किस सीमा तक पहुँच चुकी है। वह यह जानता ही नहीं कि मनुष्यों के श्रम से एक मार्ग तैयार हो चुका है।

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

01. अध्ययन का क्या उद्देश्य है?

....

....

....

02. किस प्रकार की शिक्षा व्यर्थ है?

....

....

....

03. मनुष्य के जीवन में आत्मिक ज्ञान का क्या महत्त्व है?

....

....

....

04. उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक क्या होगा?

....

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

लगभग दो सौ वर्ष की गुलामी ने भारत के राष्ट्रीय स्वाभिमान को पैरों से रौंद डाला, हमारी संस्कृति को समाप्त कर दिया, हमारे विश्वास को हिला दिया और हमारे आत्म विश्वास को चकनाचूर कर दिया। किंतु अपने देश से प्यार करने वाले, इसके एक सामान्य संकेत पर प्राण न्यौछावर करने वाले दीवानों का अभाव न था। एक आवाज उठी और देखते ही देखते राष्ट्र का दबा हुआ आत्माभिमान उन्मत्त हो उठा। इतिहास साक्षी है– जाने और अनजाने सहस्रों देशभक्त स्वतंत्रता की निधि को पाने के लिए शहीद हो गए।

1. भारत वर्ष ने कितने वर्षों की गुलामी झेली?

....

....

....

2. हमारा देश स्वतंत्रता से पूर्व किस देश का गुलाम रहा?

....

....

....

3. गुलामी के दौरान भारत में क्या–क्या समस्याएँ थीं?

....

....

....

4. स्वतंत्रता के बाद भारत में क्या–क्या बदलाव हुए?

....

....

....

नीचे दिए गए अनुच्छेद में कुछ शब्दों की वर्तनी अशुद्ध है, उन्हें शुद्ध करके दुबारा लिखिए–

भीषण सरदी पड़ रही थी। पाँच हजार मीटर की ऊँचाई पर स्थित रेजांगला पहाड़ी भी उस सर्दी में मनो कांप रही थी। इस भयानक सदरी में भी मेजर शैतान सिंह कनपी के साथ देश की सीमा की राक्ष के लिए डटे हुए थे। उन्होंने शत्रु से लड़ते हुए वीरगति प्राप्त की। उनके इस अटूट सहस के लिए उन्हे मरणोपरान्त परमवीर चक्र प्रदान किया गया। शैतान सिंह के नम से दइमन थर–थर कांपता है।

....

....

....

....

....

....

तालाब के कीनारे बगुला था। बगुले को भुख लगी। वह खाने की तलशा में था। उसकी नजर तालबा की मछलियों पर पड़ी। वह तालाब में मछलियाँ पकड़ने पहुँच गया। लेकिन तालाब में तो बहुत बड़ मगर था। मगरा को देखाकर बगुला भगने लगा।

....

....

....

....

....

कक्षा–7

दिवस–39

कार्यपत्रक–2

नीचे दिए गए वाक्यांश की वर्तनी शुद्ध करके लिखिए–

मॉरीशस क प्रत्येक प्रमुख ग्रम में शिवलय होता हैं। मरीशस के पत्येक प्रमख ग्रम में हिन्दू तुलसीकृत रामयण का पठ करत है अथवा ढलक और झाँझ पर उसका गयन करते है। मॉरीशस के मन्दरों और शिवालयों को मने अत्यन्त स्वच्छ और सुरम्य पया।

....

....

....

....

....

नीचे एक कविता की कुछ पंक्तियाँ दी गयी हैं, इसमें कुछ शब्द गलत लिखे हैं। उन्हें सही करके कविता को पुनः लिखिए व उचित विराम–चिह्न भी लगाइए–

भरा दपहरी म अंध्यारा
सरज परछई स हर
अन्तरतम क नह निचाड़
बझ हई बात सुलगएँ
आआ फर स दय जलाए

....

....

....

....

....

....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

निम्नलिखित में कौन–सा चिह्न प्रयोग हुआ है, उचित पर गोला बनाइए–

क्या हुआ?	प्रश्न वाचक
	पूर्ण विराम
सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'	उद्धरण चिह्न
	अल्प विराम
बच्चो! सुनो	विस्मयसूचक
	पूर्ण विराम
डॉ० साहब	निर्देशक चिह्न
	लाघव चिह्न

दिए गए वाक्यों में उपयुक्त विराम–चिह्न लगाइए–

(1) गांधी जी कहते थे सत्य ही ईश्वर है

(2) अरे वाह यह पार्क तो बहुत सुंदर है

(3) नेता जी ने कहा था तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आजादी दूँगा

(4) कुसुम निशू चाँदनी और सरिता सहेलियाँ हैं

(5) जीवन में सुख दुख अच्छा बुरा आते रहते हैं

(6) क्या आपके विद्यालय में कंप्यूटर है

(7) क्या गुरु शिष्य विद्यालय की शोभा हैं

(8) वाह कितने सुंदर फूल खिले हैं

दिए गए विराम–चिह्नों का प्रयोग करके वाक्य बनाइए–

। ....

? ....

, ...

“ ” ....

– ....

! ....

निम्नलिखित अनुच्छेद में उचित विराम–चिह्न लगाकर पुनः लिखिए–

दुनिया में पूर्ण कौन है हर एक में कुछ न कुछ त्रुटियाँ रहती हैं प्रत्येक व्यक्ति से गलतियाँ होती हैं फिर एक–दूसरे को सुधारने की कोशिश करना अनुचित ही समझना चाहिए जैसा ईसा ने कहा था– लोग दूसरों की आँखों का तिनका तो देखते हैं पर अपनी आँख के शहतीर को नहीं देखते।

....

....

....

....

....

....

....

....

....

कक्षा–7 दिवस–40 कार्यपत्रक–4

निम्नलिखित शब्दों को शुद्ध करके पुनः लिखिए–

क्रम	कालम 'क'	कालम 'ख'
1.	आख	....
2.	शीर्श	....
3.	सुदर	....
4.	गगा	....
5.	अक	....
6.	मगल	....
7.	सातवा	....
8.	ककड	....
9.	भाग	....
10.	रक	....
11.	मुह	....
12.	हसमुख	....
13.	धुआ	....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

सही बातों पर (✓) और गलत पर (✗) का चिह्न बनाइए–

मोबाइल से–

- घर बैठे खरीददारी नहीं कर सकते हैं।
- निकलने वाला रेडिएशन शरीर के लिए हानिकारक होता है।
- घर बैठे मैसेज/बात करते हैं।
- फोटो, म्यूजिक वीडियो बनाते हैं।
- गोपनीयता भंग नहीं होती है।
- इंटरनेट से सही/गलत जानकारी मिलती है।
- मानसिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य की क्षति होती है।
- रिश्तों में दूरियाँ नहीं बनती हैं।
- सभ्यता संस्कृति का ह्रास होता है।

दिए गए चित्र के आधार पर पाँच वाक्य लिखिए–

....

....

....

....

....

दिए गए शब्दों के अर्थ लिखिए–

वृत्त .... स्पष्ट ....

आरजू .... ग्लानि ....

दिए गए शब्दों के विलोम लिखिए–

उन्नति .... सुबह ....

सहमति .... अनुज ....

वर्तमान में पत्र के अलावा अन्य संचार माध्यमों का नाम लिखिए तथा किसी एक के विषय में विस्तार से बताइए–

1. .... 2. .... 3. ....

....

....

....

....

....

....

....

....

दिनांक : .... शिक्षक हस्ताक्षर ....

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अपने घर के किसी सदस्य से चर्चा करके लिखिए—

01. जब आपके पास मोबाइल फोन नहीं था तो आपका जीवन कैसा था?

....

....

....

....

....

....

....

....

02. अब जब आपके पास मोबाइल फोन है, तो आपके जीवन पर क्या प्रभाव पड़ा है?

....

....

....

....

....

....

....

....

....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

निम्नलिखित अनुच्छेद को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

वे पत्रिकाएँ, जिनमें बच्चों के अनुकूल साहित्य प्रकाशित होता है, बाल पत्रिकाएँ कही जाती हैं। मनोरंजन, शिक्षा और बच्चों की भावना; इन तीन बिंदुओं के इर्द–गिर्द ही बाल पत्रिकाओं के उद्‌देश्य का निर्धारण उनके संपादकों द्‌वारा होता रहा है। इन पत्रिकाओं में कहानी, बालगीत, नैतिक कहानियाँ और हास्य कहानियाँ प्रमुखता से प्रकाशित होती हैं। लोक जीवन में प्रचलित बालगीत, बाल–कथाएँ आदि भी इन पत्रिकाओं में समय–समय पर प्रकाशित होती रही हैं। एक बाल पत्रिका में निम्नलिखित विशेषताएँ होनी चाहिए–

- बाल पत्रिका की सामग्री रोचक हो।
- रचना सामग्री में बच्चों के परिवेश को समुचित स्थान मिले।
- मनोरंजन बाल साहित्य या पत्रिका की अनिवार्य शर्त है।

प्रमुख बाल पत्रिकाएँ–

सुमन सौरभ, चम्पक, लोटपोट, बाल भारती, बालहंस, नन्हे सम्राट, नंदन, चंदा मामा, बाल वाटिका, बाल भास्कर, बालप्रहरी आदि।

1. बाल पत्रिकाओं के मुख्य तीन बिंदु कौन–कौन–से है?

....

2. बाल पत्रिकाओं में किस प्रकार की सामग्रियाँ प्रकाशित होती थीं?

....

3. बाल पत्रिकाओं को तैयार करते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए?

....

....

4. कुछ प्रमुख बाल पत्रिकाओं के नाम लिखिए, जिनको आपने पढ़ा हो?

....

....

निम्नलिखित प्रारूप के आधार पर बाल पत्रिका के पृष्ठ का निर्माण कीजिए–

मास–

वर्ष–

स्थान–

माह के मुख्य समाचार

....

....

....

....

....

....

....

व्यक्ति विशेष

माह में जन्मे किसी महापुरुष के जीवन की मुख्य बातें

....

....

....

....

....

अपने आपको जानें

बीमारियों से बचाव के लिए हम करते हैं–

1. ....
2. ....
3. ....
4. ....
5. ....

कविता (स्वरचित)

....

....

....

....

बूझो तो जानें

तीन अक्षर का उसका नाम,
उल्टा–सीधा एक समान
आवागमन का प्रमुख साधन
बच्चो! बताओ उसका नाम।

आओ एक समझदारी भरा कदम उठाएं, सबको शिक्षा का पाठ पढ़ाएं।

कक्षा–7

दिवस–42

कार्यपत्रक–3

निम्नलिखित प्रारूप के आधार पर बाल–पत्रिका के पृष्ठ का निर्माण कीजिए–

मास–

वर्ष–

स्थान–

कहानी

परिश्रम/लालच बुरी बला

....

....

....

....

....

....

महत्त्वपूर्ण ऐतिहासिक घटनाएँ

....

....

....

....

....

....

....

पर्यावरण संरक्षण पर आधारित एक चित्र बनाइए

पहेली

दो अक्षर का नाम है मेरा

किंतु पाँव है चार,

पाँवों से मैं चल नहीं पाता

मेरा नाम बताओ यार।

शिक्षा है अनमोल रतन, पढ़ने का सब करो जतन।

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

निम्नलिखित बहुविकल्पीय प्रश्नों में उचित अनुस्वार एवं अनुनासिक वाले शब्दों पर सही का निशान लगाइए–

1. (क) जंगल ☐
   (ख) जगंल ☐
   (ग) जगल ☐
   (घ) जँगल ☐

2. (क) धवनिया ☐
   (ख) ध्वनीयाँ ☐
   (ग) ध्वनिया ☐
   (घ) ध्वनियाँ ☐

3. (क) सँधि ☐
   (ख) सधि ☐
   (ग) संधी ☐
   (घ) संधि ☐

4. (क) लंगडा ☐
   (ख) लगंडा ☐
   (ग) लँगड़ा ☐
   (घ) लगड़ा ☐

दिए गए शब्दों में से 'अनुस्वार' तथा 'अनुनासिक' शब्दों को छाँटकर उचित स्तंभ में लिखिए–

चाँद, मंथन, कंघी, माँ, मंजरी, क्यारियाँ, मांस, रंग, नंदलाल, गाँव, काँच, अँधेरा, धुँधला, ऊँचाई, आँखें, तंग, दाँत, संत, पाँच, मंगल, गंदगी, महँगाई, सरपंच

अनुस्वार

....

....

अनुनासिक

....

....

निम्नलिखित पहेलियों को अनुस्वार और अनुनासिक वाले शब्दों के प्रयोग से सुलझाइए–

1. सर–सर कर मैं डोर के संग हवा में उड़ती हूँ–

....

2. प्यार से रात में लोरी जो है सुनाती, वो कहलाती है–

....

3. आसमान में दिखता हूँ, मामा मैं कहलाता हूँ–

....

4. कान्हा का मैं वाद्ययंत्र हूँ–

....

5. सुनकर दहाड़ सब ड़रते हैं, वह राजा कहाँ का है–

....

6. गोल–गोल हूँ, रंग–बिरंगी, हाथों में खूब हूँ सजती–

....

दिनांक : .... शिक्षक हस्ताक्षर ....

दिए गए वाक्यों को निर्देशानुसार बदलिए–

(क) अजय खाना खाकर पढ़ने बैठ गया। (संयुक्त वाक्य)

....

(ख) मैं जब भी चाचा जी के यहाँ गया, चाची जी ने मेरे लिए खीर बनाई । (सरल वाक्य)

....

(ग) रात बीत गई और सुबह हो गयी। (सरल वाक्य)

....

(घ) मेरे पहुँचते ही गाड़ी चल पड़ी। (मिश्रित वाक्य)

....

(ड.) मेहनत करने वालों को ही सफलता मिलती है। (मिश्रित वाक्य)

....

निम्नलिखित पंक्तियों में प्रयुक्त वाक्य किस प्रकार के हैं, लिखिए –

1. शायद कुछ लोगों का ख्याल है कि ईश्वर ने उन्हें लोगों को सुधारने के लिए भेजा है। ....
2. आप तो बड़े समझदार हैं!...............................
3. वह प्रसन्नता से उछला–कूदा, अपनी ही छाया से खेला, खुश हुआ और फिर पूँछ हिलाता हुआ बाहर चला गया। ....
4. पिता जी घर आ गये हैं। ....
5. अजय घर आया और पढ़ने बैठ गया। ....
6. यदि तुम मेहनत करते तो अवश्य पास हो जाते। ....
7. आज हमें पिता जी से रूपये मिलेंगे और हम खिलौने खरीदेंगे। ....

दिनांक : .... शिक्षक हस्ताक्षर ....

सरल, संयुक्त और मिश्रित वाक्यों के दो–दो उदाहरण लिखिए–

सरल वाक्य–

(क) ....

(ख) ....

संयुक्त वाक्य–

(क) ....

(ख) ....

मिश्रित वाक्य–

(क) ....

(ख) ....

निम्नलिखित वाक्यों को व्यवस्थित क्रम में लिखिए–

(क) है राम जाता प्रतिदिन विद्यालय।

....

(ख) चाहिए पढ़ना मन लगाकर हमें।

....

(ग) अच्छा हमारा सारे जहाँ हिंदोस्तां से।

....

(घ) चाहिए सफाई हमें रखनी आस–पास अपने।

....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

'र' के विभिन्न रूपों का प्रयोग करते हुए शब्द बनाइए–

र	....
ॅ	....
्	....
^	....

दिए गए बॉक्स में से 'र' के विविध रूप पहचानकर उनके सही स्थान पर लिखिए–

ग्रह	राष्ट्र	चंद्रमा
पार्क	पर्वत	ट्रक

पदेन(्)	रेफ(ॅ)	काकपद(^)

दिनांक : .... शिक्षक हस्ताक्षर ....

दिए गए बॉक्स में से 'र' के विविध रूप पहचानकर उनके सही स्थान पर लिखिए–

प्रार्थना	ट्रेन	प्रसार	फैक्ट्री	कार्य
ड्रामा	दर्पण	वर्षा	कार्य	प्रभात

पदेन	रेफ	काकपद

रेफ (˘) और पदेन (ˏ) वाले शब्दों का लेखन/उच्चारण अभ्यास–

1. दिए गए बॉक्स में से 'र' के विविध रूप पहचान कर उनको सही स्थान पर लिखिए एवं उच्चारण कीजिए–

प्रसून	सौराष्ट्र	सुभद्रा	स्वर्ग	प्रेस
कार्य	ड्रामा	पर्वत	वर्षा	

पदेन	रेफ	काकपद

2. दिए गए चित्र को देखकर बॉक्स में से उनका नाम चुनकर नीचे लिखिए एवं उच्चारण कीजिए–

सर्प	ब्रश	ड्रम	सूर्य

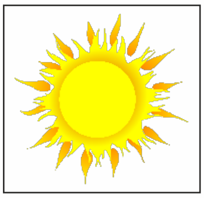

....

क्रम संख्या	शीर्षक	विधा	लेखक/कवि
01	चिर महान	कविता	सुमित्रानन्दन पन्त
02	हार की जीत	कहानी	सुदर्शन
03	मेरी माँ	आत्मकथा	रामप्रसाद 'बिस्मिल'
04	अमर शहीद भगत सिंह के पत्र	पत्र	भगत सिंह
05	लोकगीत	निबन्ध	डॉ० भगवतशरण उपाध्याय
06	कौन बनेगा निंगथऊ	लोककथा	–
07	बहादुर बेटा	एकांकी	विष्णु प्रभाकर
08	हिन्द महासागर में छोटा सा हिन्दुस्तान	यात्रावृत्त	रामधारी सिंह 'दिनकर'
09	गोदान	उपन्यास	मुंशी प्रेमचन्द

उपर्युक्त सूची के आधार पर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

शीर्षक	विधा
1. चिर महान	....
2. गोदान	....
3. बहादुर बेटा	....
4. मेरी माँ	....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

पाठ्यपुस्तक में आए कुछ कवियों/लेखकों के चित्र नीचे दिए गए हैं। उन्हें पहचानते हुए उनकी किन्हीं तीन रचनाओं के नाम रिक्त स्थान में लिखिए–

कवि/लेखक — **रचनाएँ**

1. ....
2. ....
3. ....

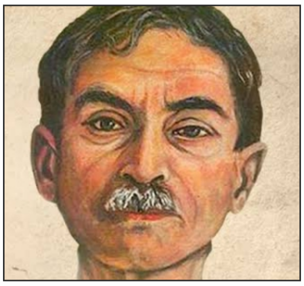

1. ....
2. ....
3. ....

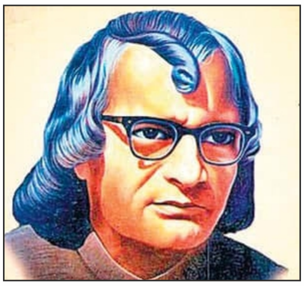

1. ....
2. ....
3. ....

1. ....
2. ....
3. ....

1. ....
2. ....
3. ....

दिनांक : .... शिक्षक हस्ताक्षर ....

पाठ्य पुस्तक 'अक्षरा' में कौन–कौन से पाठ कविता विधा पर आधारित हैं? उन पाठों और उनके कवियों के नाम लिखिए–

पाठ का नाम	कवि
....	....
....	....
....	....
....	....
....	....
....	....
....	....
....	....
....	....

अपनी पसंद के किसी कवि/लेखक का रेखाचित्र बनाइए (पुस्तक के चित्र को देखकर) एवं उनके बारे में पाँच पंक्तियाँ लिखिए–

1. ....

2. ....

3. ....

4. ....

5. ....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

नीचे दिए गए चित्र को देखकर एक कविता लिखिए–

....

....

....

....

....

....

....

....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

नीचे दिए गए शब्दों की सहायता से एक कविता लिखिए–

नभ, धरा, वर्षा, बादल, खेत, हरियाली

....

....

....

....

....

....

....

....

....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

नीचे दिए गए तुकांत शब्दों की सहायता से एक कविता लिखिए–

....जीवन भर

....पथ पर

....हँस कर

....जीवन भर

निम्नलिखित अनुच्छेद को पढ़कर अपने विचार लिखिए–

स्वाधीनता संग्राम में हमारे कई साहित्यकारों ने अपना योगदान दिया। बंकिमचन्द्र चटर्जी ने अपनी रचनाओं के माध्यम से भारतीयों को एकता के सूत्र में बाँधने का कार्य किया। 'आनन्दमठ' उनकी अप्रतिम रचना है। हमारा राष्ट्रीय गीत 'वन्दे मातरम्' इसी से लिया गया है। बंकिमचन्द्र चटर्जी ने 'दुर्गेश नंदिनी' और 'कपाल कुण्डला' भी लिखी। बांग्ला साहित्य ही नहीं, अपितु संपूर्ण भारतीय साहित्य के शीर्षस्थ लेखकों में इनका नाम लिया जाता है।

....

....

....

....

....

....

....

....

....

दिए गए शब्दों की सहायता से एक कहानी लिखिए–

यात्रा, बस, शोर, धूप, पर्वत, प्रकृति, स्वच्छता, प्रदूषण, ग्रामीण, विनाश, आवागमन, पॉलिथीन, कूड़े का ढेर, वापसी, हरियाली

....

....

....

....

....

....

....

....

....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

नीचे दिए गए शब्दों की सहायता से अनुच्छेद पूरा कीजिए–

भारतीय, समझ, पड़ोस, चीनी, तुलसीदास, क्रेयोल, हिन्दू संस्कृति, रामचरितमानस, मॉरीशस

मॉरीशस की राजभाषा अंग्रेजी, किन्तु बोलचाल की भाषा .... है। क्रेयोल के बाद .... की दूसरी जनभाषा भोजपुरी को ही मानना पड़ेगा। प्रायः सभी .... भोजपुरी बोलते अथवा उसे .... लेते हैं। यहाँ तक कि भारतीयों के .... में रहने वाले .... भी भोजपुरी बखूबी बोल लेते हैं। मॉरीशस में .... की रक्षा का काम .... की .... ने किया है।

अपने राष्ट्रध्वज का सम्मान हमें कैसे करना चाहिए? अपने विचार लिखिए–

....

....

....

....

....

....

....

स्वयं के द्वारा सुनी/देखी गई किसी ऐसी घटना के बारे में लिखिए जिसके कारण आपके/किसी और के जीवन में बदलाव आया हो–

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

मक्खियों एवं मच्छरों से फैलने वाली बीमारियों के नाम एवं उनसे बचाव के उपाय लिखिए–

बीमारियाँ	बचाव
....	....
....	....
....	....
....	....

दूषित जल पीने से कौन–कौन–सी बीमारियाँ/परेशानियाँ हो सकती हैं? इनसे कैसे बचा जा सकता है?

....

....

....

....

....

दिए गए अनुच्छेद को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

तिलक शिक्षा को स्वतंत्रता का आधार मानते थे। इन्होंने यह भी अनुभव किया कि देशभक्ति और राष्ट्रीय चेतना को जगाने के लिए शिक्षा के प्रसार के साथ–साथ पत्र–पत्रिकाओं का प्रयोग भी आवश्यक है। अतः इन्होंने 'केसरी' और 'मराठा' नाम के समाचार–पत्र भी निकाले। इन समाचार–पत्रों के माध्यम से ये ब्रिटिश शासन के विरुद्ध संघर्ष करने का संदेश देते थे। पत्रों के माध्यम से इन्होंने स्वतंत्रता के प्रति लोगों में नयी चेतना जगाई। इनके लेख सबका ध्यान आकर्षित करते थे। इनके कार्यों और विचारों के कारण सब लोग इनका आदर करने लगे और इनके नाम के साथ 'लोकमान्य' शब्द प्रचलित हो गया।

01. तिलक ने कौन–कौन से समाचार–पत्र निकाले?

....

....

....

02. तिलक स्वतंत्रता का आधार किसे मानते थे?

....

....

....

03. 'लोकमान्य' शब्द तिलक के नाम के साथ कैसे जुड़ा?

....

....

....

....

दिए गए अनुच्छेद को पढ़कर अपने विचार लिखिए–

जब आप युवावस्था में कदम रखें, तभी आपको जीवन में लक्ष्य निर्धारित कर लेना होगा। हमेशा कुछ बड़ा सोचो। जैसे ही यह अनुभूति हो कि आप आखिर बनना क्या चाहते हैं, तभी उस दिशा में प्रयास और श्रम प्रारंभ कर दो। जी–तोड़ मेहनत करो। ज्यों–ज्यों आप आगे की ओर बढ़ोगे, आपका सामना बाधाओं तथा कठिनाइयों से होगा। आपको अपने अंदर दृढ़ साहस पैदा करना होगा। समस्याओं को पराजित करने में महारत हासिल करनी होगी, तभी जीवन में सफल हो पाओगे। पहले यह जरूरी है कि आप निरंतर ज्ञान अर्जित करो।

....

....

....

....

....

....

....

....

....

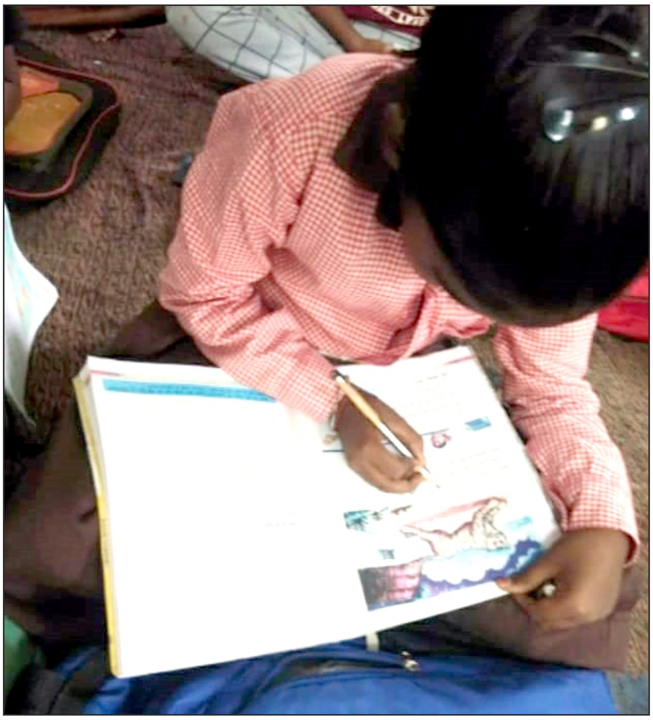

'पढ़ी–लिखी यदि लड़की होगी जीवन में तरक्की होगी'

ऊपर दिए गए चित्र एवं स्लोगन के आधार पर अपने विचार लिखिए–

....

....

....

....

....

....

....

....

दिनांक : .... शिक्षक हस्ताक्षर ....

भाग–02

पाठ आधारित कार्यपत्रक

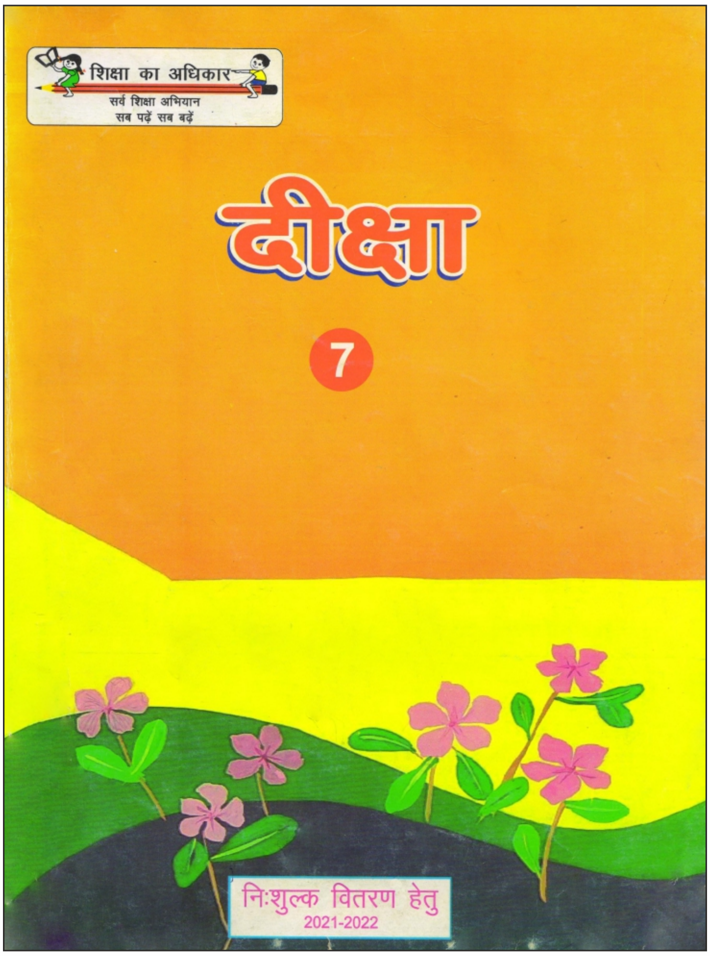

कक्षा–7

1. जागो जीवन के प्रभात

कार्यपत्रक–01

पाठ में आए निम्नलिखित शब्दों का अर्थ लिखकर उनका विलोम लिखिए–

जैसे–

शब्द	अर्थ	विलोम
प्रभात	→ सुबह →	संध्या
आकाश	....	
तम	....	
रजनी	....	

सही (✓) का निशान लगाइए–

1. कविता लिखने वाले को कहते हैं– कवि / कहानीकार
2. निबंध विधा है– गद्य / पद्य
3. कामायनी है– काव्य / महाकाव्य
4. 'अरुणिम' का अर्थ है– नीलिमा / लालिमा

दी गई कविता की पंक्तियों को पूरा कीजिए–

रजनी की लाज समेटो तो

....

....

....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

कक्षा–7

1. जागो जीवन के प्रभात

कार्यपत्रक–02

निम्नलिखित शब्दों का अर्थ लिखकर उनका वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

जैसे–

शब्द	अर्थ	वाक्य
दीया	दीपक	हम दीपावली पर ढेर सारे दीये जलाते हैं।
दिया		....
तप		....
ताप		....
धन्य		....
धन		....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

कक्षा–7

1. जागो जीवन के प्रभात

कार्यपत्रक–03

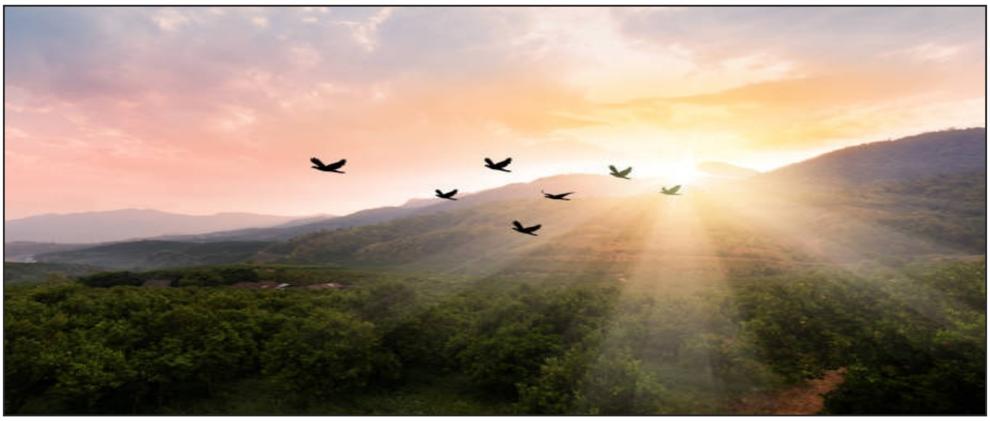

जब बहुत सुबह चिड़िया उठकर, कुछ गीत खुशी के गाती है,
कलियाँ दरवाजे खोल–खोल जब, दुनिया पर मुसकाती है।

खुशबू की लहरें जब घर से, बाहर आ दौड़ लगाती हैं,
हे जग के सिरजन हार प्रभो! तब याद तुम्हारी आती है।

जब झम–झम बूँदें गिरती हैं, बिजली चम–चम कर जाती हैं,
मैदानों में वन–बागों में, जब हरियाली लहराती है।

जब ठंडी–ठंडी हवा कहीं से, मस्ती ढोकर लाती है,
हे जग के सिरजन हार प्रभो! तब याद तुम्हारी आती है।

– राम नरेश त्रिपाठी

दिए गए काव्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. कविता में कवि को किसकी याद आती है?

....

2. बहुत सुबह उठकर खुशी के गीत कौन गाता है?

....

3. उपर्युक्त कविता का उचित शीर्षक लिखिए।

....

4. कविता में आये तुकांत शब्दों को छाँटकर लिखिए।

....

5. कविता का भाव अपने शब्दों में लिखिए।

....

....

....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

1. जागो जीवन के प्रभात

जयशंकर प्रसाद की प्रारंभिक शिक्षा काशी (वाराणसी) के क्वींस कालेज से हुई, वे सातवीं कक्षा तक ही पढ़ पाए। उन्होंने घर पर ही हिन्दी और संस्कृत की शिक्षा ग्रहण की। इनके प्रारंभिक गुरु मोहिनीलाल गुप्त जी थे।

जयशंकर प्रसाद छायावादी काव्यधारा के प्रसिद्ध कवि थे। छायावाद के प्रसिद्ध कवियों में सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला', सुमित्रानन्दन 'पन्त' तथा महादेवी वर्मा के साथ जयशंकर प्रसाद जी का नाम शामिल है।

जयशंकर प्रसाद की रचनाओं में नाटक– चन्द्रगुप्त, स्कन्दगुप्त, ध्रुवस्वामिनी। कहानी संग्रह –प्रतिध्वनि, आकाशदीप, इन्द्रजाल। उपन्यास– कंकाल, तितली , इरावती है।

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. जयशंकर प्रसाद के गुरु कौन थे ?

....

2. जयशंकर प्रसाद के समकालीन अन्य कवियों के नाम लिखिए।

....

3. रिक्त स्थान भरिए–

जयशंकर प्रसाद .... तक ही पढ़ पाए। उन्होंने घर पर ही ....

और....................... की शिक्षा ग्रहण की। इनकी प्रांरभिक शिक्षा .... से हुई।

जयशंकर प्रसाद .... काव्यधारा के प्रसिद्ध कवि थे।

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

2. राजधर्म

बोधिसत्व ने फिर पके गोदे दिये। राजा को वे गोदे बड़े कड़वे लगे। राजा ने गोदे थूक दिये और कहा, "भन्ते, ये बड़े कड़वे हैं। महापुण्य राजा अवश्य अधार्मिक और अन्यायी होगा। राजा के अधार्मिक और अन्यायी होने पर जंगल के फल–फूल तथा सभी वस्तुएँ नीरस और कड़वी हो जाती हैं। स्वाद रहित हो जाती हैं। यही नहीं सारा राष्ट्र ओजरहित हो जाता है।"

राजा के और जिज्ञासा करने पर बोधिसत्व ने कहा– "गायों के नदी तैरते समय बैल (नेता) यदि टेढ़ा हो जाता है तो नेता के टेढ़े हो जाने के कारण सभी गायें टेढ़ी जाती हैं और मार्ग से भटक जाती हैं। इसी प्रकार मनुष्यों में भी जो श्रेष्ठ होता है, वह नेता माना जाता है। यदि वह टेढ़े मार्ग से जाता है, अधर्म करता है तो सारी प्रजा कुमार्ग पर चलती है और अधर्म करने लगती है।

उपर्युक्त अनुच्छेद के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. राजा के अधार्मिक होने का क्या प्रभाव पड़ा?

....

2. अनुच्छेद से विशेषण शब्दों को छाँटकर लिखिए–

....	....	....	....	....	....

3. अनुच्छेद में ओजरहित शब्द आया है। रहित लगाकर अन्य शब्द बनाइए तथा उनके अर्थ बताइए ।

स्वाद — रहित — स्वादरहित — बिना स्वाद के।

.... — रहित — .... — ....

.... — रहित — .... — ....

4. अगर आपका कक्षा नायक (मॉनीटर) अनुशासनप्रिय हो तो कक्षा के बच्चों पर इसका क्या प्रभाव पड़ेगा, अपने शब्दों में लिखिए।

....

....

....

कक्षा–7

2. राजधर्म

कार्यपत्रक–02

दिए गए रिक्त स्थानों में उचित अव्यय भरिए–

शाबाश!,	ठीक!,	हाय!,	धिक्कार!

1)........................ मुझसे और नहीं सहा जाता।

2)........................ मैं समझ गया।

3)........................ तुम्हारी टीम जीत गई।

4)........................ ऐसे देशद्रोही को सम्मान!

शब्द अंत्याक्षरी को आगे बढ़ाइए–

जनपद – दारोगा – गाय – यज्ञ – ज्ञानी नी......... ....

....

....

बंदर ....

....

....

गुड़हल ....

....

....

पानी ....

....

....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

रिक्त स्थानों में विलोम शब्द लिखिए–

क. शिक्षित — अशिक्षित

ख. सरल — ....

ग. नीरस — ....

घ. दुर्गम — ....

ङ. धार्मिक — ....

च. हर्ष — ....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

2. राजधर्म

दिए गए शब्दों के समानार्थी शब्द लिखिए–

1. सूर्य ....

2. नदी ....

3. राजा ....

4. कमल ....

5. मार्ग ....

1. विलोम शब्दों का मिलान कीजिए–

शब्द	विलोम
आस्तिक	पराधीन
हिंसा	कुपुत्र
शिक्षित	पाताल
आयात	हानि
स्वाधीन	नास्तिक
सरल	अग्रज
लाभ	कठिन
सुपुत्र	अशिक्षित
आकाश	अहिंसा
अनुज	निर्यात

2. दिए गए शब्दों के विलोम शब्दों को उनके सामने लिखिये–

क्रोध	....	हानि	....
आदर	....	मान	....
अमृत	....	जन्म	....
अच्छा	....	दुर्गम	....
अपना	....	उदार	....
आहार	....	गुण	....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

3. वीरों का कैसा हो वसंत

कविता का विवरण

शीर्षक

कवि

कठिन शब्द

अपने मन की बात

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

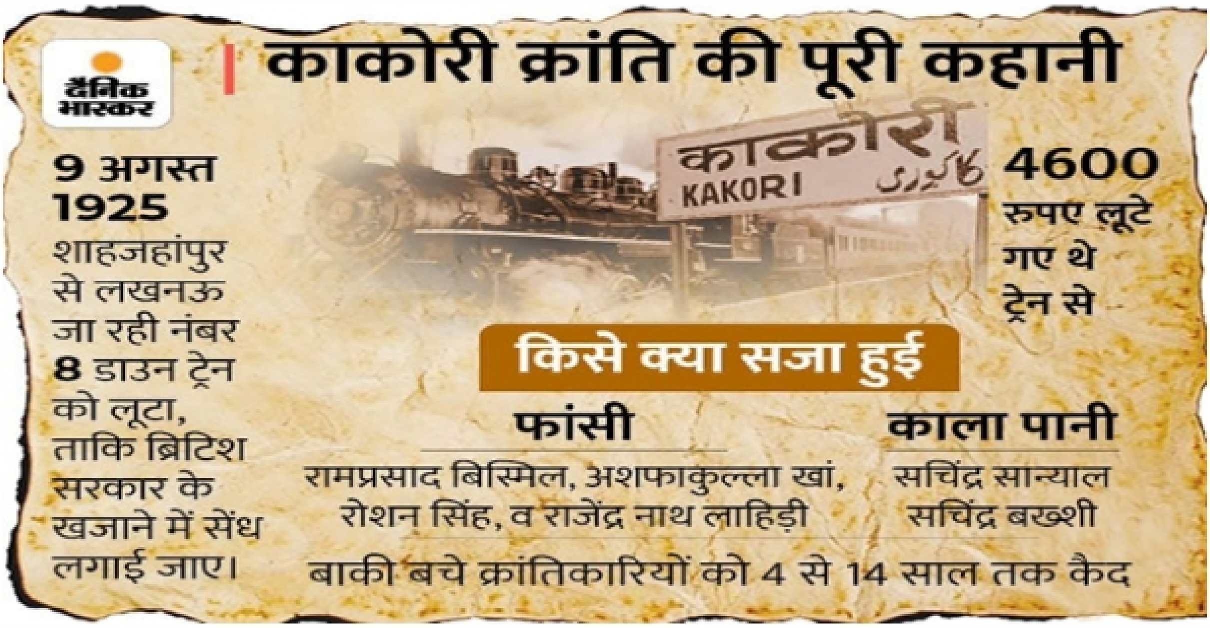

दैनिक भास्कर

काकोरी क्रांति की पूरी कहानी

9 अगस्त 1925

शाहजहांपुर से लखनऊ जा रही नंबर 8 डाउन ट्रेन को लूटा, ताकि ब्रिटिश सरकार के खजाने में सेंध लगाई जाए।

काकोरी KAKORI

4600 रुपए लूटे गए थे ट्रेन से

किसे क्या सजा हुई

फांसी	काला पानी
रामप्रसाद बिस्मिल, अशफाकुल्ला खां, रोशन सिंह, व राजेंद्र नाथ लाहिड़ी	सचिंद्र सान्याल सचिंद्र बख्शी

बाकी बचे क्रांतिकारियों को 4 से 14 साल तक कैद

ऊपर दिए गए समाचार–पत्र को देखकर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. समाचार–पत्र में किस घटना के बारे में बताया गया है?

....

2. काला पानी की सजा किसको मिली ?

....

3. ट्रेन को क्यों लूटा गया ?

....

4. किन–किन क्रांतिकारियों को फाँसी की सजा दी गई ?

....

5. यह घटना किस समय की है?

....

6. यह घटना किस अखबार में छपी है?

....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

कक्षा–7

3. वीरों का कैसा हो वसंत

कार्यपत्रक–03

निम्नलिखित चित्रों को देखकर मुहावरों की पहचान कीजिये और उनके सम्मुख दिए गए बॉक्स में लिखिये–

$9 + 2 = 11$

....

....

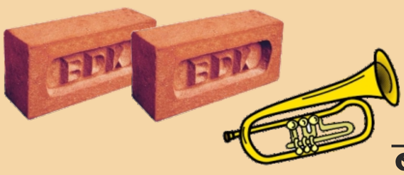

बजाना

....

....

4 लगना

....

....

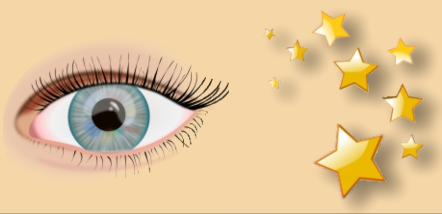

....

....

दिन में

....

....

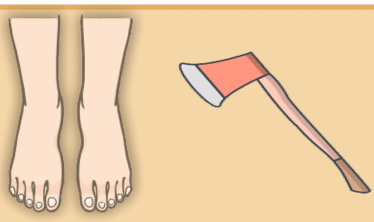

....

....

कक्षा–7

3. वीरों का कैसा हो वसंत

कार्यपत्रक–04

निम्नलिखित समस्त पदों को उनके सही समास के पदों से मिलान कीजिए–

समास के भेद	समस्त पद
अव्ययीभाव	नवग्रह
तत्पुरुष	अन्न–जल
कर्मधारय	यथाशक्ति
बहुव्रीहि	प्रयोगशाला
द्वन्द्व	नीलांबर
द्विगु	लंबोदर

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

4. बहता पानी निर्मला

जब आप मेले में गये–

1. मेले में जाने से पहले आपने क्या–क्या तैयारियाँ की ?

....

....

2. मेले में आप कब और किस समय गये थे ?

....

....

3. वहाँ आपने क्या–क्या खाया ?

....

....

4. मेले से आपने क्या–क्या खरीदा ?

....

....

5. घर से मेले तक की यात्रा आपने कैसे की, लिखिए –

....

....

6. यदि हवाई–जहाज से जाने का मौका मिले तो आप कहाँ जाना चाहेंगे, और क्यों? अपने साथ किसे ले जाना पसंद करेंगे?

....

....

....

....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

4. बहता पानी निर्मला

नीचे दिए गए शब्दों को निर्देशानुसार उचित बॉक्स में लिखिए–

टिकट, शौक, ईर्ष्या, होटल, साइकिल, दर्शन,
मामूली, मुलाकात, ढिबरी, नुस्खा, बर्फ, स्थूल

उदाहरण–

अंग्रेजी

टिकट

संस्कृत

ईर्ष्या

उर्दू

मामूली

देशज

ढिबरी

4. बहता पानी निर्मला

नीचे दिए गए शब्दों का प्रयोग अपने वाक्यों में कीजिए–

1. कुर्सी ....

....

2. धर्मशाला ....

....

3. तृप्ति ....

....

4. कल्पना ....

....

नीचे लिखे शब्दों की सहायता से प्रश्न–निर्माण कीजिए–

जैसे– शौक ——→ आपका शौक क्या है? ....

1. इरादा ....

....

2. भरोसा ....

....

3. ढिबरी ....

....

कक्षा–7

4. बहता पानी निर्मला

कार्यपत्रक–04

निम्नलिखित गद्यांश में कारक–चिह्नों का प्रयोग करते हुए वाक्य पूरा कीजिए–

संध्या .... परीक्षा होने वाली थी सुबह ही उसके भैया बस पकड़ने .... बस स्टॉप .... गये। बस .... बहुत भीड़ थी। अचानक उनको याद आया कि उनके पास मास्क नहीं है। उन्होंने जेब .... रुमाल निकालकर चेहरे .... बाँध लिया। खिड़की .... ठंडी हवा आ रही थी।

संकेत:– का, के लिए, को, में, से, पर से, के

निम्नलिखित वर्ग पहेली की सहायता से शब्द बनाकर लिखिए–

(संकेत– ऊपर से नीचे, बाएं से दाएं)

म	प	सी	र	छ	प्र	ब	न्	ध	न	थी
टि	क	ट	पृ	रे	रे	भा	वी	ली	अ	श्र
द	ल	ग	छ	ड	थ	झ	गी	हो	ट	ल
च	प	न	र्श	व	छ	अ	छ	प्र	वृ	त्ति
र	ना	रे	न	र्क	द	स	ल	ऐ	नौ	प
नी	प	स	सा	इ	कि	ल	मु	सी	ब	त
नु	स्	खा	गा	रा	नी	दू	खौ	व	र्ण	न
झ	र	ना	य	दा	र	मा	र	स	प	ना

....

....

....

....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

कक्षा–7

4. बहता पानी निर्मला

कार्यपत्रक–05

मुहावरों का उनके सही अर्थ से मिलान कीजिए–

मुहावरे	अर्थ
1. जैसी करनी वैसी भरनी	बलवान से बैर नहीं करना चाहिए
2. नदी में रहकर मगर से बैर	कार्य के हिसाब से फल
3. खोदा पहाड़ निकली चुहिया	अधिक परिश्रम कम लाभ
4. आ बैल मुझे मार	उचित न्याय करना
5. दूध का दूध पानी का पानी	जानबूझकर मुसीबत मोल लेना

निम्नलिखित मुहावरों/कहावतों का अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए –

1. अधजल गगरी छलकत जाय

....

....

....

....

2. दाँतो तले अँगुली दबाना

....

....

....

....

3. नाच न जाने आँगन टेढ़ा

....

....

....

....

कक्षा–7

5. निज भाषा उन्नति

कार्यपत्रक–01

निम्नलिखित पंक्तियों का भाव स्पष्ट कीजिए–

1. 'निजभाषा निज धरम, निज मान करम व्यवहार'

....

....

....

2. 'प्रचलित करहु जहान में निज भाषा करि जत्न'

....

....

....

3. 'बिन निज भाषा ज्ञान के मिटै न हिय को शूल'

....

....

....

4. 'करहु बिलम्ब न भ्रात अब उठहु मिटावहु शूल'

....

....

....

निम्नलिखित वाक्यों में कोष्ठक में दिए गए तत्सम शब्द छाँटकर लिखिए–

(क) सभी को अपने कार्य (यत्न/जत्न/जतन) से करना चाहिए।

(ख) राम (राज/राज्य) में सभी खुशहाल थे।

(ग) सोहन, मोहन का बहुत अच्छा (मीत/मित्र) है।

(घ) ईमानदारी व्यक्ति का सर्वोत्तम (गुन/गुण) है।

(ङ) (काज/कार्य/काम) सदैव गुणवत्तापूर्ण होना चाहिए।

कक्षा–7

5. निज भाषा उन्नति

कार्यपत्रक–02

आज प्राथमिक पाठशाला में मंत्री जी आए थे। उनके समक्ष राहुल ने अंग्रेजी में कविता सुनायी। मंत्री जी बहुत खुश हुए। उन्होंने बच्चों से अपनी भाषा में भी कविता सुनाने को कहा। ऋतु ने हिंदी भाषा में एक कविता सुनाई ....

"इस धरती पर स्वर्ग से सुन्दर
शान हमारा भारत है
अलग–अलग है रंग रूप
पहचान हमारी भारत है।"

सभी लोग बहुत खुश हुए। मंत्री जी ने ऋतु को पुरस्कृत किया।

1. उपर्युक्त घटना को अपनी भाषा में लिखिए।

....

....

....

2. आपको किस भाषा में पढ़ना या काम करना अच्छा लगता है? क्यों?

....

....

....

3. निम्नलिखित शब्दों को आपके घर की बोली में क्या कहते हैं? लिखिए–

   नेत्र– ....

   निकट– ....

   कृषि– ....

4. मिलान कीजिए–

स्तम्भ–'क'	स्तम्भ–'ख'
सोपान	मित्र
मीत	सीढ़ी
धरम–करम	धर्म–कर्म

6. शाप–मुक्ति

नीचे दिए गए दृश्य का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए–

....

....

....

....

....

जल–प्रदूषण को कम करने के लिए आप क्या करेंगे?

....

....

....

....

....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

6. शाप–मुक्ति

1. यदि आपके मित्र के पैर में चोट लगने से खून बहने लगे तो आप प्राथमिक उपचार के रूप में क्या–क्या करेंगे?

....
....
....
....
....
....

2. पाठ में किसने, किससे कहा–

(क) ''कोई तकलीफ नहीं, बेटा। बस बुढ़ापे की मारी हूँ।''

....

(ख) ''बस, तो अब इसके पास दुबारा आने की जरूरत नहीं है''।

....

3. आप अपने पालतू जानवर का ध्यान कैसे रखते हैं?

....
....
....
....
....
....
....
....
....

दिनांक : .... शिक्षक हस्ताक्षर ....

6. शाप–मुक्ति

जो शब्दांश मूल शब्द के अंत में लगकर नये शब्द बनाते है, उन्हें प्रत्यय कहा जाता है।

निम्नलिखित धातु(क्रिया) एवं प्रत्यय का प्रयोग करते हुए शब्द का निर्माण कीजिए–

धातु(क्रिया)	प्रत्यय	शब्द
1. खेल	1. आड़ी	1. खिलाड़ी
2. लिख, भक्ष	2. अक	2. ....
3. होना, खेवन	3. हार	3. ....
4. भूल	4. अक्कड़	4. ....
5. खेल, बिछ	5. औना	5. ....
6. मेल, ठेल	6. आ	6. ....

निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

क. सबल — निर्बल

ख. अस्त — ....

ग. अंत — ....

घ. दीर्घ — ....

ङ. अल्पायु — ....

च. उजाला — ....

छ. अपमान — ....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

7. बाललीला

जीवन परिचय– सूरदास

कृष्ण लीलाओं का सजीव गायन करने वाले कवि सूरदास जी का जन्म मथुरा आगरा मार्ग पर स्थित रुनकता नामक गाँव में एक निर्धन ब्राह्मण पंडित रामदास के यहाँ हुआ। सूरदास की माता का नाम जमुनादास था। कृष्ण की भक्ति गीत गाने के कारण इनको मदन मोहन नाम से भी बुलाया जाता था। इनके गुरु महाप्रभु वल्लभाचार्य थे। इनकी प्रमुख रचनाएँ– सूरसागर, सूर सारावली, साहित्य लहरी है। इन्होंने ब्रज भाषा का प्रयोग अपनी रचनाओं में किया। इनका निधन सन् 1583 ई० में हुआ।

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. सूरदास से संबंधित कोई एक प्रचलित बात लिखिए।

....

....

2. भक्तिकाल के चार कवियों के नाम लिखिए।

....

....

....

3. नीचे दी गयी रचनाओं में से सूरदास द्वारा रचित ग्रंथों के नाम लिखिए–

रामचरित मानस, सूरसागर, साहित्य लहरी, विनय पत्रिका, साखी, सूर सारावली

....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

7. बाललीला

जिस प्रकार विशेषण शब्द 'अच्छा' में 'ई' प्रत्यय जोड़कर भाववाचक संज्ञा शब्द 'अच्छाई' बनाया गया है, उसी प्रकार नीचे लिखे विशेषण शब्दों में अन्य प्रत्ययों को जोड़कर भाववाचक संज्ञा शब्द बनाइए और लिखिए–

विशेषण	भाववाचक संज्ञा
बढ़ाई	बढ़ाई
मधुर	....
भला	....
मीठा	....
गोला	....
वीर	....
चतुर	....
शीतल	....
सफल	....

निम्नलिखित उपसर्ग लगाकर पाँच–पाँच शब्द बनाइए–

उप	उपहार	उपाधि	उपयोग	उपमान	उपयुक्त
अभि					
निर्					
परि					
प्रति					
सम्					
अनु					
प्र					
सु					
वि					

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

7. बालीला

संज्ञा शब्दों का प्रयोग कर वाक्यों को पूरा कीजिए—

1. .... के पिता ने उपहार भेजा था।

2. बगीचे में .... का फूल है।

3. .... और .... भारत की प्रसिद्ध नदियाँ हैं।

4. जम्मू और कश्मीर की राजधानी .... है।

5. वाराणसी .... नदी के किनारे बसा हुआ है।

6. भारत की राजधानी .... है।

7. ताजमहल .... में है।

8. भारत लाए गए .... को कूनो नेशनल पार्क में रखा गया है।

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

कक्षा–7

8. स्कूल मुझे अच्छा लगा

कार्यपत्रक–01

1. आपको अपना विद्यालय कैसा लगता है? यदि आप प्रधानाध्यापक होते तो अपने विद्यालय को कैसे संचालित करते?

....

....

....

....

....

2. अपने विद्यालय में शनिवार को होने वाली गतिविधियों के बारे में लिखिए–

....

....

....

....

....

ऐसे शब्द जिनके अनेक अर्थ होते हैं, अनेकार्थी शब्द कहलाते हैं।

नीचे लिखे शब्दों के दो–दो अर्थ लिखिए–

शब्द	अर्थ 1	अर्थ 2
उत्तर	....	....
काल	....	....
फल	....	....
पूर्व	....	....
पानी	....	....
पत्र	....	....
आम	....	....
कर	....	....
कनक	....	....

सही मिलान कीजिए–

हार	रहस्य, प्रकार
पद	हाथ, लगान
भेद	आसमान, वस्त्र
कर	पैर, उपाधि
अंबर	पराजय, माला

कक्षा–7

8. स्कूल मुझे अच्छा लगा

कार्यपत्रक–04

(क) अपने प्रिय शिक्षक के बारे में लिखिए।

(ख) चित्र को देखकर इनके बारे में लिखिए–

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

9. मेघ बजे, फूले कदम्ब

1. निम्नलिखित पंक्तियों को उनके अर्थ से मिलाइए–

1. धरती का हृदय धुला	बरसात में कीचड़ भी पीले चंदन के समान प्रतीत होता है।
2. टहनी–टहनी में कन्दुक सम झूले कदम्ब	सावन का महीना बीत गया लेकिन बरसात कम नहीं हुई।
3. धिन–धिन धा धमक धमक मेघ बजे	गरज–गरज कर बादल बरस रहे हैं।
4. पंक हरि चन्दन	डाल–डाल पर छोटे गेंद के समान कदम्ब के फूल दिखाई पड़ने लगे
5. सावन बीता बादल का कोप नहीं रीता	पृथ्वी साफ–सुथरी दिख रही है

2. चित्र के आधार पर कविता/कहानी का निर्माण कीजिए–

....

....

....

....

....

....

....

....

वर्षा होने पर कौन–कौन से परिवर्तन/प्रभाव दिखाई देते हैं–

(क) पेड़–पौधों पर– ....

....

....

....

(ख) सड़कों पर– ....

....

....

....

(ग) खेतों में– ....

....

....

....

निम्नलिखित महीनों से संबंधित ऋतुओं के नाम उनके सामने लिखिए–

महीनों के नाम	ऋतुओं के नाम
1. चैत्र, वैशाख	....
2. ज्येष्ठ, आषाढ़	....
3. श्रावण, भाद्रपद	....
4. अश्विन, कार्तिक	....
5. मार्गशीर्ष, पौष	....
6. माघ, फाल्गुन	....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

9. मेघ बजे, फूले कदम्ब

(क) आपको कौन सा मौसम सबसे ज्यादा पसंद है और क्यों? लिखिए–

....

....

....

....

....

....

....

....

(ख) कल्पना कीजिए कि यदि दुनिया से जल समाप्त हो जाए तो इसका क्या प्रभाव होगा?

....

....

....

....

....

....

....

....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

1. गेहूँ किस महीने में बोया जाता है?

....

....

....

....

....

2. दिए गए चित्र में कुछ फलों और सब्जियों के नाम लिखिए–

फलों के नाम

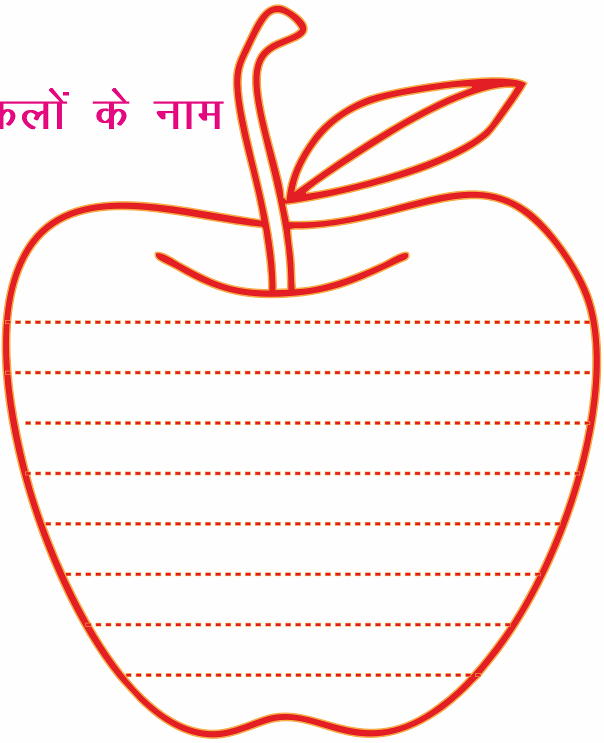

सब्जियों के नाम

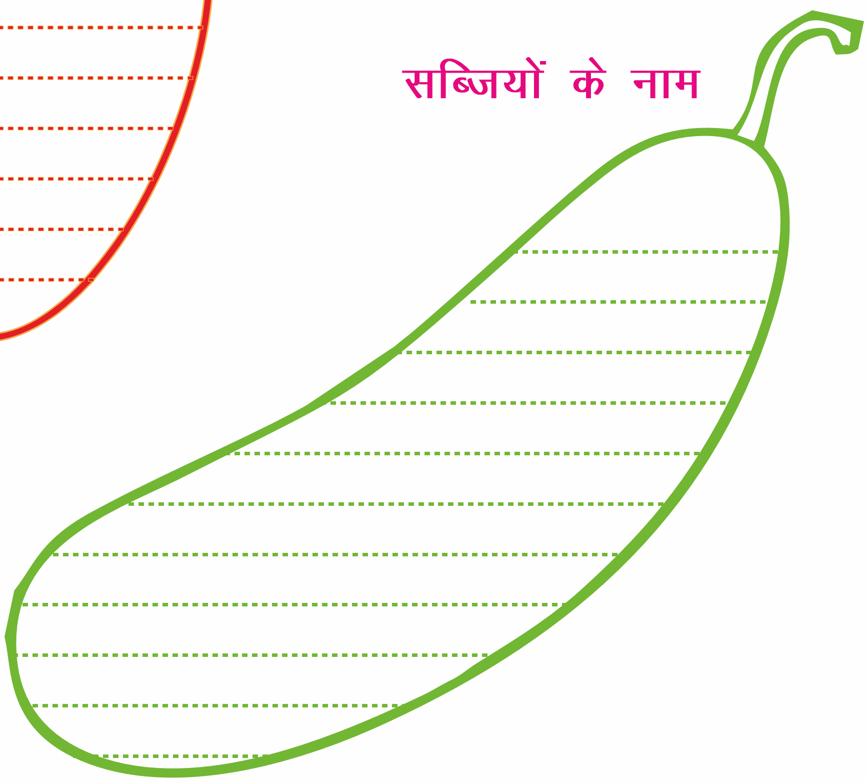

कक्षा–7

10. सत्साहस

कार्यपत्रक–01

अनुच्छेद को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

शिवाजी बहादुर होने के साथ बुद्धिमान भी थे। बीजापुर का सेनापति अफजल खान शिवाजी को धोखे से मारना चाहता था। शिवाजी ने अफजल खान को मिलने के लिए बुलाया तो वह लगभग एक लाख सैनिकों के साथ आया। गले लगने के बहाने उसने शिवाजी को मार डालना चाहा, लेकिन वे सचेत थे। उन्होंने अफजल खान को 'बघनखे' से मार डाला। मृत्यु के उपरांत अफजल खान के शव को राजकीय सम्मान से दफनाया गया। शिवाजी का विचार था कि मृत्यु के बाद शत्रुता का भी अंत हो गया। यह शिवाजी के सत्साहस को ही प्रदर्शित करता है।

1. उपर्युक्त अनुच्छेद के आधार पर शिवाजी के व्यक्तित्व की तीन विशेषताओं को लिखिए–

क. ______ ख. ______ ग. ______

2. शिवाजी को किसने मारना चाहा और क्यों?

....

3. अफजल खान के शव को किस प्रकार दफनाया गया?

....

4. निम्नलिखित शब्दों को उनके सही अर्थ से मिलाइए–

स्तंभ 'क'	स्तंभ "ख"
1. सचेत	हिम्मत
2. प्रदर्शन	के बाद
3. उपरांत	सावधान
4. साहस	दिखाना

1. दिए गए वाक्यों में साहसिक कार्यों के आगे सही (✓) का और जो साहसिक कार्य नहीं है उनके आगे गलत (✗) का चिह्न लगाइए–

(क) युद्ध क्षेत्र से भाग जाना ☐

(ख) अपने से कमजोरों को प्रताड़ित करना ☐

(ग) किसी के प्राणों की रक्षा करना ☐

(घ) बच्चों को हिंसक पशुओं से बचाना ☐

(ङ) किसी मजबूर व्यक्ति की मदद करना ☐

बच्चा पढ़ रहा है

बच्चे पढ़ रहे हैं

2. उपर्युक्त वाक्यों में 'बच्चा' एक वचन और 'बच्चे' बहुवचन का बोध करा रहे हैं। निम्नलिखित शब्दों को बहुवचन में बदलकर अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

कन्या	....	आँख	....
कविता	....	कौआ	....
अध्यापिका	....	वस्तु	....

	शब्द	वाक्य–प्रयोग
जैसे–	1. कन्या	श्रेया और श्रद्धा राजा की कन्याएँ हैं।
	2. कविता	....
	3. अध्यापिका	....
	4. आँख	....
	5. कौआ	....
	6. वस्तु	....

3. सदा एकवचन में रहने वाले शब्द छाँटिए और लिखिए –

अश्रु बालक भाग्य प्रेम सत्य जल

☐ ☐ ☐ ☐

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

निम्नलिखित वाक्यों में विशेषण शब्दों को रेखांकित कीजिए और उदाहरण के अनुसार लिखिए–

1. कैप्टन विक्रम बत्रा एक बहादुर सैनिक थे। — बहादुर
2. गायत्री सुंदर लड़की है। — ....
3. सत्यम तेजस्वी बालक है। — ....
4. गंगा का जल पवित्र होता है। — ....
5. भारत पुण्यभूमि है, जहाँ मानवधर्म सर्वोपरि है। — ....

रिक्त स्थानों की पूर्ति कोष्ठक में दिए गए उचित विशेषण शब्दों से कीजिए–

1. समारोह में .... लोग आये थे। (प्रथम, आराम, विद्वान)
2. वह लड़की बहुत .... थी। (सुंदर, खट्टी, छुट्टी)
3. गीता एक .... पुस्तक है। (शाब्दिक, आर्थिक, धार्मिक)
4. .... जल लाओ। (थोड़ा–सा, सुंदर, लाल)
5. श्याम ने .... रंग का कपड़ा पहना है। (पीले, फटा, मैला)

रेखांकित शब्दों का पर्यायवाची शब्द बॉक्स में से ढूँढकर नया वाक्य बनाइए–

प्राचीन, नीर, पाषाण, ईश्वर, आत्मजा

1. श्याम की <u>पुत्री</u> बहुत होनहार है।

....

2. <u>पत्थर</u> को तराशकर मूर्ति बनाई जाती है।

....

3. दु:ख आने पर <u>प्रभु</u> ही याद आते हैं।

....

4. <u>जल</u> है तो कल है।

....

5. <u>पुरातन</u> समय में विद्यार्थी गुरु के आश्रम में रहकर पढ़ते थे।

....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

कक्षा–7

11. कलम आज उनकी जय बोल

कार्यपत्रक–02

दिए गए समान अर्थ वाले शब्दों के जोड़े बनाकर खाली स्थान में भरिए–

भुजंग, रमणी, सदन, भागीरथी, जलाशय, आलय,
नारी, अश्व, तालाब, सर्प, देवनदी, तुरंग

भुजंग — सर्प

.... — ....

.... — ....

.... — ....

.... — ....

.... — ....

11. कलम आज उनकी जय बोल

1. रानी लक्ष्मीबाई की वीरता पर छह पंक्तियों की कविता लिखिए—

....

....

....

....

....

....

2. "मुझे तोड़ लेना वनमाली! उस पथ पर तुम देना फेंक, मातृभूमि पर शीश चढ़ाने, जिस पथ जाए वीर अनेक" उपर्युक्त पंक्तियों के भावार्थ को अपने शब्दों में लिखिए—

....

....

....

....

....

....

....

3. वीर रस के कुछ कवियों एवं उनकी रचनाओं के नाम लिखिए—

....

....

....

....

....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

परमवीर चक्र से सम्मानित वीरों के नाम से उनके चित्र का मिलान कीजिए–

	कैप्टन मनोज पांडेय
	ग्रेनेडियर योगेन्द्र सिंह यादव
	मेजर सोमनाथ शर्मा
	मेजर शैतान सिंह
	लांस नायक करम सिंह
	लांस नायक अल्बर्ट एक्का
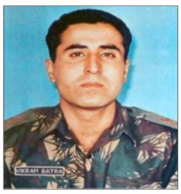	कैप्टन विक्रम बत्रा
	नायक जदुनाथ सिंह

12. स्वतंत्र भारत के परमवीर

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. युद्ध भूमि में शौर्य प्रदर्शित करने वाले वीरों को कौन–कौन–से सम्मान दिए जाते हैं?

....

....

2. दादा जी ने किन–किन परमवीर चक्र विजेताओं के बारे में बच्चों को बताया?

....

....

3. प्रथम परमवीर चक्र विजेता का नाम एवं वर्ष लिखिए?

....

....

4. अपने द्वारा किए गए किसी साहसिक कार्य का वर्णन कीजिए।

....

....

5. एक विद्यार्थी के रूप में आप देश एवं समाज की सेवा किस प्रकार कर सकते हैं? लिखिए–

....

....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

कक्षा–7

12. स्वतंत्र भारत के परमवीर

कार्यपत्रक–03

निम्नलिखित वीरों को किस युद्ध में उनके अप्रतिम शौर्य के लिये परमवीर चक्र से सम्मानित किया गया?

भारत–पाकिस्तान युद्ध, भारत–चीन युद्ध,
सियाचीन ग्लेशियर पर सैन्य कार्यवाही,
भारत–पाकिस्तान युद्ध, कांगो क्राइसिस, कारगिल युद्ध

(क) मेजर धन सिंह थापा ....

(ख) कैप्टन गुरुवचन सिंह सलारिया ....

(ग) लांस नायक अलबर्ट एक्का ....

(घ) कैप्टन मनोज कुमार पाण्डेय ....

(ङ) नायब सूबेदार बाना सिंह ....

(च) सेकेंड लेफ्टिनेंट अरूण क्षेत्रपाल ....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

नीचे दिए गए वाक्यों को पहचान कर सही स्थान पर लिखिए–

1. अरे! आप तो मेरे भाई के दोस्त हो।
2. आप कहाँ से आए हो?
3. परोपकारी बालक ने आज मेरी सहायता की।
4. वह प्रतिभाशाली है और मेहनती भी।
5. जब काम खत्म हुआ तब मैं घर के लिए निकल पड़ा।
6. सीता घर पर नहीं है।

क्रम संख्या	वाक्य के प्रकार	उदाहरण
1	प्रश्नवाचक	
2	विस्मयबोधक वाक्य	
3	साधारण वाक्य	
4	संयुक्त वाक्य	
5	नकारात्मक वाक्य	
6	मिश्र वाक्य	

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

कक्षा–7

13. जिसके हम मामा हैं

कार्यपत्रक–02

उपर्युक्त चित्रों को देखकर अपने विचार प्रस्तुत कीजिए–

....

....

....

....

....

....

....

....

....

1. यदि आपको चुनाव में मत देने का अधिकार मिले तो आप किस तरह के व्यक्ति को अपना मत देने का प्रयास करेंगे, नीचे दिए गए स्थान में अपने विचार लिखिए–

....

....

....

....

....

....

....

2. अपने ग्राम प्रधान का परिचय देते हुए उनके व्यक्तित्व और सामाजिक छवि के बारे में अपने विचार लिखिए–

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

13. जिसके हम मामा हैं

जिन शब्दों से किसी कार्य के करने या होने का बोध होता है, उसे क्रिया कहते हैं, जैसे– लिखना, चलना, खाना, पीना, पढ़ना आदि।

दिए गए वाक्यों में से क्रिया–शब्द छाँटकर सम्मुख दिए गए बॉक्स में लिखिए–

1. माँ भोजन पका रही है।	पकाना
2. घोड़ा घास खा रहा है।	
3. दादी स्वेटर बुन रही है।	
4. राजू पढ़ाई कर रहा है।	
5. माँ जलेबी बना रही है।	
6. रमा दौड़ रही है।	
7. पलक निबंध लिख रही है।	
8. बच्चा सो रहा है।	
9. गाय चारा खा रही है।	

13. जिसके हम मामा हैं

1. भूतकाल के वाक्यों पर (✓) का निशान लगाइए–

(क) दादी कहानी सुना रही थी। ( )

(ख) अनुराग लिख रहा है। ( )

(ग) अंग्रेजों ने भारत में राज किया था। ( )

(घ) कल मैं दिल्ली जाऊँगा। ( )

2. भविष्य काल के वाक्यों पर (✓) का निशान लगाइए–

(क) सुरेश पूजा कर रहा है। ( )

(ख) मोहन शहर जायेगा। ( )

(ग) कल बहुत गर्मी थी। ( )

(घ) चाचा कल घर आयेंगे। ( )

3. तुकांत शब्द लिखिए–

सुनना ....

राजा ....

नाला ....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

चित्र देखकर रिक्त खानों में द्वन्द्व समास से संबंधित सामासिक पद और समास–विग्रह लिखिए–

चित्र	सामासिक पद	समास–विग्रह
	अन्न–जल	अन्न और जल
	कृष्णार्जुन	

1. आप कौन–कौन से बाल अधिकारों के बारे में जानते हैं? लिखिए–

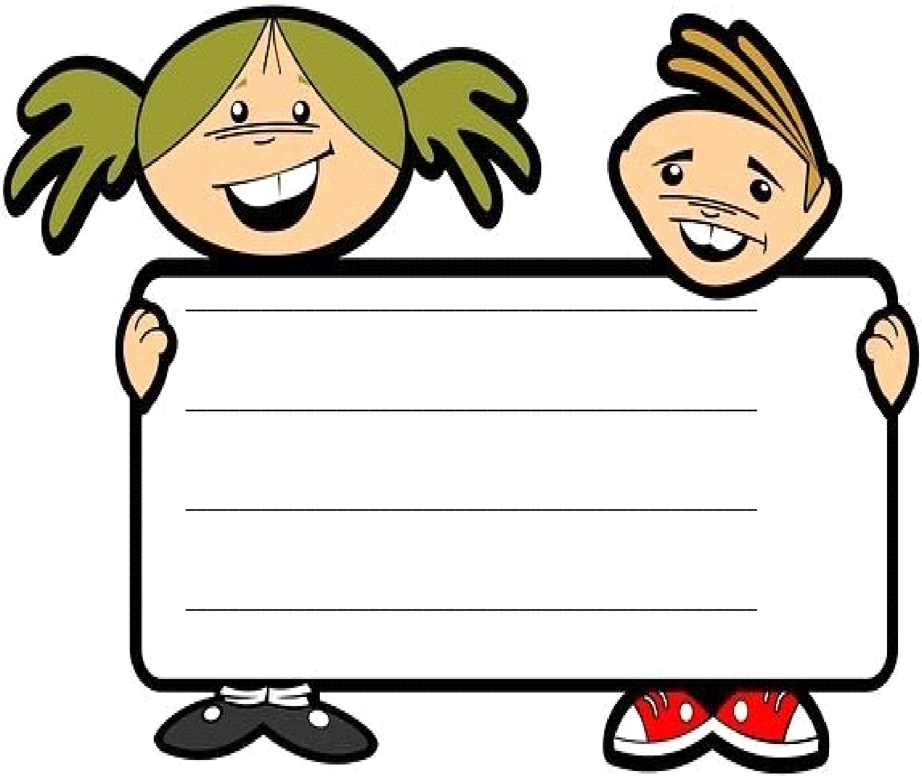

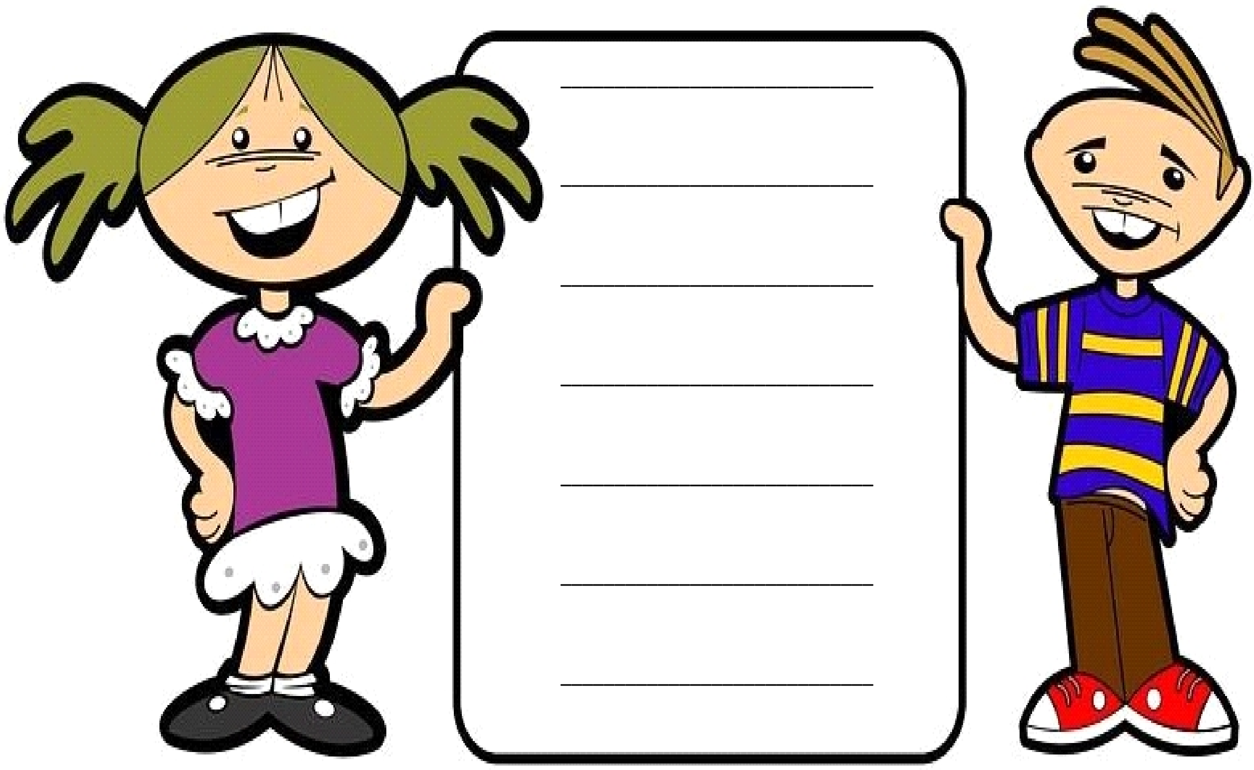

मोबाइल में दिए गए हेल्पलाइन नंबर को उसके उपयोग(कार्य) के साथ सही–सही मिलान कीजिये–

केन्द्रीयकृत पुलिस आपातकालीन सेवा

एंबुलेंस सेवा

चाइल्ड हेल्पलाइन

अग्निशमन सेवा

प्रसूति एंबुलेंस सेवा

नारी शक्ति हेल्पलाइन

मुख्यमंत्री हेल्पलाइन

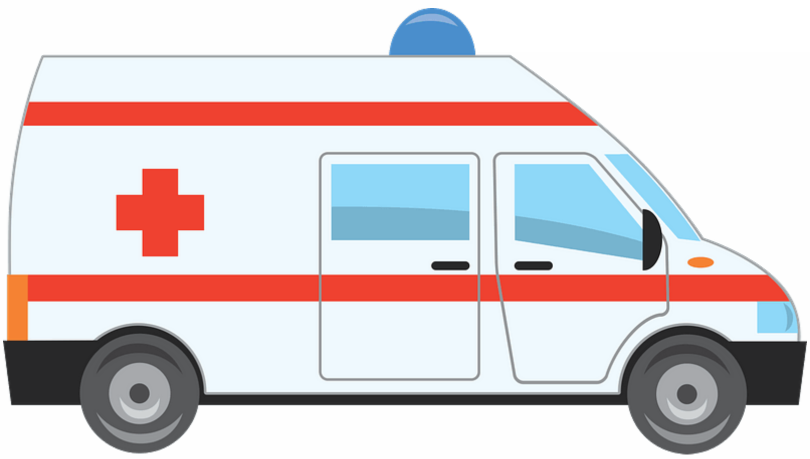

14. भविष्य का भय

निम्नलिखित कहानी को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

बारह वर्षीय सुरेश अपने माता–पिता के साथ गाँव में रहता था। उसके पिताजी ईंट के भट्ठे पर काम करते थे और उसकी माताजी दूसरों के खेतों में काम किया करती थीं। धीरे–धीरे उसके पिताजी बीमार रहने लगे और काम भी नहीं कर पाते थे। उसकी माँ की कमाई घर चलाने और पिता की दवाइयों के लिए कम पड़ने लगी। मजबूरी में सुरेश को भी भट्ठे पर काम करने जाना पड़ा और उसका विद्यालय भी छूट गया। सुरेश बहुत कोशिश करता लेकिन छोटी उम्र के कारण उससे कुछ न कुछ गलती हो ही जाती थी, जिसके कारण उसका मालिक उसे डाँटता था। सुरेश उदास रहने लगा। बाल मजदूरी के कारण खूब उसके मानसिक और शारीरिक विकास पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा था। जब यह बात उसके विद्यालय के अध्यापक को पता चली तो उन्होंने भट्ठे के मालिक को समझाया कि 14 वर्ष से कम उम्र के बच्चों से बालश्रम कराना गैरकानूनी है और इसके लिए उसको कड़ी सजा मिल सकती है। अध्यापक ने सुरेश को फिर से विद्यालय में आने के लिए प्रेरित किया और समुदाय की सहायता से उसके पिता के लिए एक छोटी सी चाय की दुकान खुलवा दी ताकि उनका जीवन यापन ठीक से हो सके।

1. सुरेश के पिताजी कहाँ काम करते थे?

....

2. बालश्रम किसे कहते हैं?

....

....

3. यदि आपके आस पास कोई बच्चा बाल मजदूरी कर रहा हो तो उसे रोकने के लिए आप क्या करेंगे?

....

....

....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

कक्षा–7

15. मनभावन सावन

कार्यपत्रक–01

निम्नलिखित कविता को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

झम–झम, झम–झम मेघ बरसते हैं सावन के,
छम–छम–छम गिरती बूंदे तरुओं से छन के।
चम–चम बिजली चमक रही रे उर में घन के,
थम–थम दिन में तम में सपने जगते मन के।।

1. ऊपर दी गई पंक्तियों में किस अलंकार का प्रयोग किया गया है?

....

2. दी गयी कविता का भावार्थ अपने शब्दों में लिखिए।

....

....

....

....

....

....

....

15. मनभावन सावन

1. जल को दूषित होने से बचाने के उपाय लिखिए–

....

....

....

....

....

....

....

2. नीचे दिए गए बॉक्स में 'जल ही जीवन है' से संबंधित पोस्टर बनाइए।

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

15. मनभावन सावन

1. सावन के महीने में प्रकृति के सौंदर्य वर्णन अपने शब्दों में कीजिए–

....

....

....

....

....

....

....

2. हिन्दी के बारह महीनों के नाम लिखिए–

दिनांक : .... शिक्षक हस्ताक्षर ....

16. क्या निराश हुआ जाय

ऐसे अविकारी शब्द जो एक वाक्य या पद का संबंध दूसरे वाक्य या पद से जोड़ते हैं, वे समुच्चयबोधक अव्यव या योजक कहलाते हैं, यथा– जया और रिया ने गुब्बारे खरीदे।

1. निम्नलिखित अव्यय शब्दों का प्रयोग करते हुए एक–एक वाक्य लिखिए–

तथा, नहीं तो, इसलिए, और

1. ....

2. ....

3. ....

4. ....

2. निम्नलिखित वाक्यों में प्रयुक्त अव्यय शब्दों को रिक्त स्थान पर लिखिए–

1. यह वही घड़ी है जो तुमने मुझे दी थी। ....

2. शादी में व्योम जाएगा या जगत! ....

3. यद्यपि वह गरीब है तथापि ईमानदार है। ....

4. राम और लक्ष्मण भाई थे। ....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

16. क्या निराश हुआ जाय

विशेषण– संज्ञा और सर्वनाम शब्दों की विशेषता (गुण, दोष, संख्या, परिमाण आदि) बताने वाले शब्द विशेषण कहलाते हैं।

विशेष्य– जिस संज्ञा या सर्वनाम शब्द की विशेषता बताई जाए, वह विशेष्य कहलाता है।

उदाहरण– सुनीता सुंदर है।
इसमें सुंदर विशेषण है और सुनीता विशेष्य है।

1. निम्नलिखित वाक्यों में से विशेषण और विशेष्य छाँटकर संबंधित बॉक्स में भरिए–

विशेष्य		विशेषण
1.	1. महिमा सुंदर है।	1. ....
2.	2. खीरा कड़वा है।	2. ....
3.	3. वह रास्ता छोटा है।	3. ....
4.	4. आकाश में काले बादल छाए हैं।	4. ....

2. आपके मित्र के कौन–कौन–से गुण आपको पसंद हैं? लिखिए–

....
....
....
....
....

3. निम्नलिखित शब्दों में विशेषण का कौन–सा भेद है?

दोगुना,	थोड़ा–सा,	अच्छा,	उत्तरी
....	....	....	....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

उन्नीसवीं सदी का आखिरी चरण था। अंग्रेजों ने भारतवर्ष को लूटने में कोई कसर नहीं छोड़ी थी। बंगाल में भुखमरी, बेरोजगारी और गरीबी ने बेहाल कर रखा था। उस समय विवेकानन्द ने हमारे समाज को नई दिशा दी। शिकागो धर्मसंसद में भारतीय संस्कृति और मूल्यों पर उन्होंने जो भाषण दिया उसने सम्पूर्ण विश्व में एक संदेश फैला दिया। युवाओं को एकजुट करके उन्होंने 'रामकृष्ण मिशन' की स्थापना की। भूख से पीड़ित जनता को अनाज, अशिक्षित को शिक्षा, अपनी ईमानदारी, निष्ठा, सत्यवादिता जैसे मूल्यों को स्थापित करने में विवेकानन्द ने बहुत योगदान दिया। बहुत कम समय में ही उन्होंने उच्च आदर्शों पर चलकर सम्पूर्ण देश को नेतृत्व प्रदान किया।

1. उपर्युक्त अनुच्छेद का शीर्षक लिखिए।

....

2. अनुच्छेद में किन मानवीय मूल्यों की बात की गई है?

....

....

3. पाठ्यपुस्तक की सहायता से हजारी प्रसाद द्विवेदी के प्रसिद्ध ग्रंथों के नाम लिखिए।

....

....

4. विवेकानंद जी ने किस विषय पर भाषण दिया?

....

....

17. वरदान माँगूँगा नहीं

''अपनी व्यथा को दूर करने की लगन,
है अगर मन में तो अपने कार्य में रहना मगन,
कर परिश्रम तू निरंतर चल उठा अपने कदम,
छू सकेगा एक दिन निश्चय ही तू विस्तृत गगन''

1. उपर्युक्त कविता को पढ़कर शीर्षक लिखिए–

....

....

2. कविता का भावार्थ लिखिए–

....

....

....

....

3. यदि आप कोई लक्ष्य पाना चाहते तो इसके लिए आप क्या करेंगे?

....

....

....

....

17. वरदान माँगूँगा नहीं

निम्नलिखित वाक्यों से संबंधित पंक्ति कविता से खोजकर लिखिए–

(क) कवि तिल–तिल मिट कर भी दया की भीख नहीं माँगेगा।

....

....

(ख) जीवन के सुखद प्रहरों की स्मृति खंडहरों के लिए विश्व की संपत्ति की याचना नहीं करेगा।

....

....

(ग) जीवन की हार जीत में वह सहायता नहीं चाहेगा।

....

....

(घ) लघु बने रहने पर भी हृदय को ताप या आशीर्वाद कुछ भी मिलने पर वह अपने कर्तव्य पथ से हटेगा नहीं।

....

....

दिनांक : .... शिक्षक हस्ताक्षर ....

18. कर्तव्य पालन

नीचे दिए संवाद को पढ़कर कहानी लिखिए–

सुमन– (अपने छोटे भाई सरस से)– आज तुम विद्यालय क्यों नहीं जा रहे हो?

सरस– दीदी, आज मन नहीं है।

सुमन– ये अच्छी बात नहीं है, जल्दी से तैयार हो जाओ।

फिर सरस तैयार होने चला जाता है। घर के भीतर से सरस की आवाज आती है– दीदी मेरे मोजे कहाँ हैं?

(सुमन धुले हुए मोजे लाकर सरस को देती है)

सुमन– ये लो मोजे। अब अपने कपड़े खुद ही धोना सीखो।

सरस– दीदी! मुझे तो पढ़कर डॉक्टर बनना है।

(सुमन सरस की बातों को काटते हुए)

सुमन– मैं भी तो पढ़ाई करती हूँ। मैं तो हमेशा ही परीक्षाओं में अव्वल आती हूँ। मुझे तो वकील बनना है।

सरस– ठीक है दीदी! अब मैं भी अपने काम खुद ही किया करूँगा।

सुमन– स्वच्छता हमारी व्यक्तिगत जिम्मेदारी है, जिसमें जरूरी हम सब की भागीदारी है।

(दोनों विद्यालय चले जाते हैं।)

....

....

....

....

....

....

....

....

....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

18. कर्तव्य पालन

निम्नलिखित अनुच्छेद को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

मनुष्य समाज में ही जन्म लेता है और समाज में ही उसके समस्त व्यवहार होते हैं। वह एक–दूसरे से मिल–जुलकर और मदद कर एक स्वस्थ समाज का निर्माण करता है। हम जहाँ भी रहते हैं वहाँ हमें अपने आस–पास स्वच्छता रखनी चाहिए। आपसी मेल–जोल, सहयोग और प्रेम समाज के प्रति हमारे कर्तव्यों को मजबूत बनाते हैं। हमें ऐसे कार्य कदापि नहीं करने चाहिए जिससे अन्य लोगों की भावनाएँ आहत हों। हमारे अधिकार वहीं सीमित हो जाते हैं, जहाँ से दूसरों के अधिकार आरंभ होते हैं। ईमानदारी हमें स्वस्थ समाज के निर्माण करने में सहयोग देती है।

1. स्वस्थ समाज का निर्माण कैसे होता है?

....

....

....

2. समाज के प्रति हमारे क्या कर्तव्य हैं? अपने शब्दों में लिखिए।

....

....

....

3. उपर्युक्त अनुच्छेद का शीर्षक लिखिए।

....

कक्षा–7

18. कर्तव्य पालन

कार्यपत्रक–03

घर में, विद्यालय में एवं समाज में आपके क्या कर्तव्य हैं? लिखिए–

घर में ....

....

....

विद्यालय में ....

....

....

समाज में ....

....

....

....

कर्तव्य शब्द (कृ करना) धातु में तव्यत् प्रत्यय लगाकर बना है। इसी प्रकार के अन्य शब्दों की सूची बनाइए।

....

....

....

....

....

....

....

....

....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

19. मैं कवि कैसे बना

किसी लेखक के द्वारा अपने ही जीवन का निष्पक्ष वर्णन करने की विधा को आत्मकथा कहते हैं। इसमें लेखक अपने जीवन, परिवेश, महत्वपूर्ण घटनाओं, निजी अनुभवों, क्षमताओं और दुर्बलताओं आदि के बारे में लिखते हैं।

आप भी अपनी आत्मकथा लिखने का प्रयास कीजिए–

....

....

....

....

....

....

आपकी रुचि किस क्षेत्र में है और क्यों?

....

....

....

....

....

....

....

....

....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

19. मैं कवि कैसे बना

बॉक्स में दिए गए नामों में से बारह राशियों के नाम की सूची बनाइए।

मेष, अजा, अश्व, वृष, गज, मिथुन, कर्क,
सर्प, सिंह, कन्या, तुला, वृश्चिक, बाण, धनु,
मकर, कुंभ, मकर, मीन

....	....	....	....
....	....	....	....
....	....	....	....

तुकांत शब्दों का प्रयोग करते हुए कविता पूरी कीजिए–

चीं–चीं चिड़ियाँ आई है,

....

....

....

....

....

....

....

दिनांक : .... शिक्षक हस्ताक्षर ....

19. मैं कवि कैसे बना

एक जंगल के नजदीक दो भाई रहते थे। बड़ा भाई अपने छोटे भाई के प्रति बहुत धूर्त था। वह उसका सारा खाना खा जाता था और उसके सभी अच्छे कपड़े भी ले लेता था। एक दिन, बड़ा भाई, बेचने के लिए, कुछ लकड़ियाँ इकट्ठी करने जंगल में गया। वह एक पेड़ से दूसरे पेड़ की शाखाएँ काटकर आगे बढ़ रहा था कि उसकी मुलाकात एक जादुई पेड़ से हुई। पेड़ ने उससे कहा, "हे! दयालु महोदय, कृपया मेरी शाखाओं को ना काटें। यदि आप मुझे छोड़ देते हैं, तो मैं आपको अपने सुनहरे सेब दूँगा। बड़ा भाई मान गया लेकिन वह पेड़ द्वारा दिए गए सेबों की संख्या से खुश न था। उसे लालच आ गया और उसने पेड़ को डराया कि यदि पेड़ ने उसे और सेब नहीं दिए तो वह पूरी शाखा काट देगा। सेब देने के बजाय, जादुई पेड़ ने उस पर सैकड़ों छोटी सुइयों की बौछार कर दी। बड़ा भाई दर्द से कराहते हुए जमीन पर गिर गया, धीरे–धीरे सूरज ढलने लगा।

देर होने पर छोटा भाई चिंतित हो गया और अपने बड़े भाई की तलाश में निकल पड़ा, उसने अपने भाई के शरीर पर सैकड़ों सुइयाँ देखीं। वह उसकी तरफ दौड़ा और उसने प्रत्येक सुई बहुत सावधानी और प्यार से निकाली। सारी सुइयाँ निकलने के बाद, बड़े भाई ने उसके साथ बुरा व्यवहार करने के लिए माफी माँगी और बेहतर इंसान बनने का वादा भी किया। पेड़ ने बड़े भाई में आया बदलाव देखकर उन दोनों सभी सुनहरे सेब दे दिये, जिससे उन्हें कभी कोई कमी महसूस नहीं हुई।

उपर्युक्त कहानी को पढ़कर, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. इस कहानी से आपने क्या सीखा ?

....

....

2. किस भाई के मन में लालच आ गया था और क्यों ?

....

....

3. बड़े भाई के व्यवहार में बदलाव क्यों आया ?

....

....

....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

निम्नलिखित वाक्यों में से तत्पुरुष समास को छाँटकर समास–विग्रह कीजिए–

1. मुझे रेलयात्रा करना पसंद है।
2. पुलिस चोर को हथकड़ी लगाकर ले गई।
3. व्यायाम और संतुलित आहार आपको रोगमुक्त रखता है।
4. हमें वातावरण प्रदूषणरहित बनाना चाहिए।
5. मंदिर में दानपेटी रखी हुई है।

क्रम संख्या	समास	समास–विग्रह
1		
2		
3		
4		
5		

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

20. एक संसद नदी की

1. सही जगह पर विराम चिह्न लगाकर वाक्यों को फिर से लिखिए–

आजकल हमारे बाग़ में आम सेब और संतरे के पेड़ लगे हैं अरे फिर मैं रोज बाग आया करूँगा क्या तुम मुझे फल खाने को दोगे तुम मेरे प्रिय मित्र हो इसलिए मैं तुम्हे मीठे मीठे फल खाने को दूँगा मैं इन पेड़ों को रोज पानी देता था आज ये मुझे फल दे रहे हैं

....

....

....

....

....

2. सही अर्थ वाले शब्दों के साथ मिलान कीजिए–

(क) मशवरा	आरंभ
(ख) एनी कट	खाली
(ग) सतत	परामर्श
(घ) रीते	हमेशा
(ङ) अभिक्रम	गड्ढा जिसमे जल संचित हो

3. कुँओं और नदियों के सूखने के किन्हीं चार कारणों की सूची बनाइए–

....

....

....

....

4. जल का उपयोग दैनिक जीवन में किन–किन कार्यों में होता है?

....

....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

20. एक संसद नदी की

5. अधूरे वाक्य पूरे कीजिए–

भारतीय संस्कृति में जल और नदी पूजन से संबंधित त्योहार–

....

....

....

....

....

....

....

....

पानी का प्रयोग किया जाता है–

....

....

....

....

....

....

....

....

....

पानी के विविध स्रोत–

....

....

....

....

....

....

....

....

अपशिष्ट जल का पुनः उपयोग करने के लिए कुछ विधियों के नाम दें–

....

....

....

....

....

....

....

....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

6. खाली स्थान भरिए—

(क) सबसे कम वर्षा वाला राज्य .... है।

(ख) .... के माध्यम से धरती के किसी हिस्से के चित्र लिए जाते हैं।

(ग) तमिलनाडु में पानी से जुडा त्योहार .... मनाया जाता है।

(घ) राजस्थान में जल संग्रहण के लिए बनी जगह को .... कहते हैं।

(ङ) जल का सामान्य स्रोत बावड़ी .... राज्य में पाया जाता है।

7. जल संरक्षण के संबंध में दूसरों को जागरूक बनाने के लिए आप क्या उपाय करेंगे, लिखिए। जल संरक्षण से संबंधित एक पोस्टर भी बनाकर विद्यालय में लगाइए।

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

20. एक संसद नदी की

दिए गए चित्र को ध्यान से देखिए और अपने विचार प्रस्तुत कीजिए–

....

....

....

....

....

....

....

ग्राम प्रधान/सभासद के चुने जाने की प्रक्रिया क्या होती है, लिखिए–

....

....

....

....

....

....

....

दिनांक : .... शिक्षक हस्ताक्षर ....

महामना मदन मोहन मालवीय जी को किस पुरस्कार से सम्मानित किया गया था?

....

....

'भारत रत्न' पुरस्कार किसे दिया जाता है?

....

....

झम–झम, झम–झम मेघ बरसते हैं सावन के,
छम–छम–छम गिरती बूँदे तरूओं से छन के।
चम–चम बिजली चमक रही रे डर में घन के,
थम–थम दिन के तम में सपने जगते मन के।।
पंखों से रे फैले–फैले ताड़ों के दल,
लम्बी–लम्बी अँगुलियाँ हैं, चौड़े करतल।
तड़–तड़ पड़ती धार वारि की उन पर चंचल,
टप–टप झरती कर मुख से जल बूँदें झलमल।।
(सुमित्रानन्दन पन्त)

उपर्युक्त कविता में जो शब्द लगातार एक से अधिक बार आए हैं उन्हें छाँटकर बॉक्स में लिखिए–

दिए गए महान व्यक्ति के चित्र किस क्षेत्र से संबंधित हैं, तथा इन्हें 'भारत रत्न' किस वर्ष में प्रदान किया गया–

बिस्मिल्ला खाँ

....
....
....

लता मंगेशकर

....
....
....

ए.पी.जे. अब्दुल कलाम

....
....
....

सचिन तेंदुलकर

....
....
....

डॉ० सर्वपल्ली राधाकृष्णन

....
....
....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

जब एक ही शब्द दोबारा प्रयोग किया जाता हैं, तो उसे पुनरुक्ति शब्द कहते हैं, जैसे– धीरे–धीरे।

नीचे दिए गए पुनरुक्ति शब्दों का वाक्य–प्रयोग कीजिए–

शब्द		वाक्य–प्रयोग
1.	अंग–अंग	माँ ने अपने बेटे का अंग–अंग चूम डाला।
2.	कोना–कोना	
3.	खाली–खाली	
4.	रहते–रहते	
5.	घर–घर	
6.	तार–तार	
7.	गाँव–गाँव	

कक्षा–7

अनिवार्य संस्कृत

प्रथम पाठः
नैनीतालभ्रमणम्

कार्यपत्रक–01

1. निम्नलिखित धातुओं के लट् एवं लृट् लकारों के रूप मध्यमपुरुष एकवचन में लिखिए–

	लट् लकार	लृट् लकार
पृच्छ् (पूछना)	....	....
कथ् (कहना)	....	....

2. नीचे दिए गए उदाहरण के अनुसार वाक्यों की रचना कीजिए–

करोति

1. पाठः
2. जपः
3. उपहासः
4. वादः
5. सत्कारः
6. चीत्कारः
7. अनुरोधः
8. त्यागः

उदाहरण–

1. अध्यापकः पाठं करोति
2. मुनिवरः ....
3. दुष्टः ....
4. पण्डितः ....
5. गृहिणी ....
6. रुग्णः ....
7. धनिकः ....
8. सज्जनः ....

3. रेखांकित पदों के आधार पर संस्कृत में प्रश्न निर्माण कीजिए–

क) <u>वर्षाकाले</u> गगने मेघाः भवन्ति। ....

ख) <u>कृषकाः</u> कृषिं कुर्वन्ति। ....

ग) वर्षाकाले मार्गाः <u>पङ्कमयाः</u> भवन्ति। ....

कक्षा–7

द्वितीयः पाठः
काक–श्रृगाल्योः कथा

कार्यपत्रक–01

एकदा एकः काकः बुभुक्षितः आसीत्। भोजनं प्राप्तुं सः इतस्ततः अभ्रमत्। सहसा सः एकां रोटिकां प्राप्तवान्। सः एकस्य वृक्षस्य शाखायाः उपरि उपाविशत् तां रोटिकां खादितुं च अचिन्तयत्। तदैव एका श्रृगाली काकं रोटिकां च अपश्यत्। सा तां रोटिकां प्राप्तुं मनसि अचिन्तयत्।

1. उपर्युक्त कहानी के आधार पर प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखिए–

(क) कः बुभुक्षितः आसीत्?

....

(ख) काकः किं प्राप्तवान्?

....

(ग) श्रृगाली किं प्राप्तुं मनसि अचिन्तयत्?

....

(घ) केन कारणेन काकः इतस्ततः अभ्रमत्?

....

2. निम्नलिखित धातुरूपों का प्रयोग करते हुए संस्कृत में वाक्य–निर्माण कीजिए–

पृच्छति, खादसि, गच्छामि, कथयामि, अपृच्छम्।

1. ....
2. ....
3. ....
4. ....
5. ....

3. कथ् (कहना) धातु के लङ् लकार का रूप लिखिए–

पुरुष	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथम पुरुष			
मध्यम पुरुष			
उत्तम पुरुष			

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

4. निम्नलिखित पदों के सहयोग से वाक्य पूर्ण कीजिए–

यूयं, आपणं, कुत्र, किम्, पुस्तकानि, गच्छामि, अहमपि, विद्यालये, सन्ति

1. मम नाम अजयः। तव नाम ....?
2. त्वं .... गच्छसि?
3. अहं .... गच्छामि।
4. .... किम् इच्छथ?
5. वयं .... इच्छामः?
6. .... आपणमेव ....
7. .... अनेके शिक्षकाः ....

कक्षा—7

तृतीयः पाठः
प्रहेलिकाः

कार्यपत्रक—01

प्रहेलिका का सामान्य अर्थ होता है—किसी रहस्य को प्रकट करना। प्रहेलिकाएँ वाक्य रूप में, भ्रामक रूप मे तथा किसी वस्तु के गुण को प्रकट करने के रूप में हो सकती हैं।

1. हिंदी भाषा में दो पहेलियाँ लिखिए तथा उनके उत्तर भी बताइए—

क. ....

....

....

ख. ....

....

....

2. नदी का रूप लिखिए—

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथमा			
द्वितीया			
तृतीया			

सही विलोम शब्द चुनकर नीचे लिखिए—

बालिकाः, माता, गुण, आज्ञा, सम्पन्नः, अपेक्षा,
चिन्ता, अग्रजः, अज्ञः, तनया, गच्छतः, दातुं,
प्राचीनः, समर्थः, आचारः, आकाशः, उपरि

बालकः	बालिका
जनकः	
तनयः	
विपन्नः	
अनुजः	
विज्ञः	
अनाचारः	
अर्वाचीनः	
उपेक्षा	
प्राप्तुं	
अधः	

चतुर्थः पाठः
बालकः ध्रुवः

लोट्लकार

लोट् लकार का प्रयोग आज्ञार्थक भाव बताने या आज्ञा देने के लिए अथवा आदेश देने के लिए और याचना के लिए होता है।

यथा–

पुरुष	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथम	वह पढ़े	वे दोनों पढ़ें	वे सब पढ़ें
	सः पठतु	तौ पठताम्	ते पठन्तु

इसी प्रकार आप मध्य पुरुष एवं उत्तम पुरुष का संस्कृत में अनुवाद करिए–

पुरुष	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथम	तुम पढ़ो	तुम दोनों पढ़ो	तुम सब पढ़ो
मध्यम	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
उत्तम	मैं पढ़ूँ	हम दोनों पढ़ें	हम सब पढ़ें

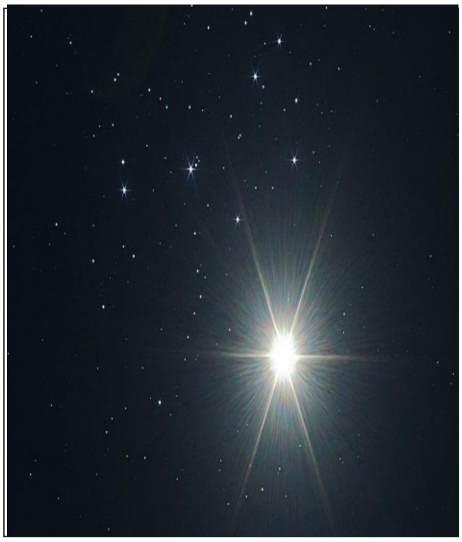

समझ कर लिखिए

★ ध्रुव तारा किस दिशा की पहचान कराता है?

....

....

....

....

★ तारे क्यों टिमटिमाते हैं?

....

....

....

★ तारे दिन में क्यों नहीं दिखाई देते हैं?

....

....

अपने विद्यालय के प्रधानाध्यापक को भ्रमण के लिए जाने हेतु दो दिन के अवकाश के लिए संस्कृत में प्रार्थना—पत्र लिखिए।

सेवायाम्

प्रधानाध्यापकः

....

....

....

श्रीमन्!

सविनयं निवेदये यत् अहं .... गमिष्यामि। अस्मात् कारणात् अहं द्विदिवसं यावत् विद्यालये उपस्थितुं न शक्नोमि।

अतः प्रार्थना अस्ति यत् .... दिनाङ्कतः .... दिनाङ्कं यावत् ....करोतु।

दिनाङ्क ....

प्रार्थी ....

कक्षा—7

पंचमः पाठः
प्रार्थनापत्रम्

यण् संधि में इ, ई, उ, ऊ, ऋ, लृ के बाद असमान स्वर आने पर इ, ई, को य्, उ, ऊ को व्, ऋ को र् और लृ का ल् हो जाता है।
सूत्र–इकोऽयणचि

निम्नलिखित संधियों में से यण् संधि छाँटकर लिखिए एवं विच्छेद कीजिए–

हिमालयः, यद्यपि, दयानन्दः, नायकः, देवार्षिः, स्वागतम्, नयनम्, अत्यंतम्, पित्रादेशः

संधि	विच्छेद

पंचमः पाठः
प्रार्थनापत्रम्

गुण स्वर संधि–

जब अ, आ के बाद इ, ई हो तो 'ए' बनता है। अ, आ के बाद उ,ऊ हो तो ओ होता है। अ, आ के बाद ऋ हो तो अर् बनता है, अ, आ के बाद लृ हो तो अल् बनता है।

निम्नलिखित शब्दों की संधि कीजिए–

संधि विच्छेद				संधि
महा	+	ईशः	–	....
ज्ञान	+	उपदेशः	–	....
देव	+	ऋषिः	–	....
ग्राम	+	उत्थानम्	–	....
महा	+	उत्सवः	–	....
आत्मा	+	उत्सर्गः	–	....
सुर	+	इन्द्रः	–	....

नीचे दिए गए पत्रों के कुछ प्रकार हैं, इनका कब और किस जगह प्रयोग करते हैं, लिखिए–

बधाई–पत्र	....	....	....
प्रशस्त्रि–पत्र	....	....	....
निमन्त्रण–पत्र	....	....	....
प्रार्थना–पत्र	....	....	....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

कक्षा–7

षष्ठः पाठः
गीतामृतम्

कार्यपत्रक–01

क्रोधः,	निग्रहः,	मामेकं,	आचरति,	नरकस्य द्वारम्

(क) मनसः ....दुश्करः।

(ख) ....शरणं व्रज।

(ग) कामः ....लोभः च नरकस्य त्रिविधं द्वारम् अस्ति।

(घ) श्रेष्ठ जनः यथा ....तथैव इतरः जनः।

(ङ) लोभः कस्य ....?

2. चञ्चलं हि मनः कृष्ण!, प्रमाथि बलवद्दृढम्।

उपर्युक्त पंक्ति के आधार पर मन को क्या कहा गया है?

....

....

....

....

3. त्रिविधं नरकस्येदं द्वारं नाशनमात्मनः।
कामः क्रोधस्तथा लोभस्तस्मादेतत् त्रयं त्यजेत्।

उपर्युक्त पंक्तियों के आधार पर नरक के तीन द्वार कौन–कौन–से हैं?

....

....

....

....

4. 'गीता' में किसने–किसको उपदेश दिया?

....

....

....

....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

5. "सभी धर्मों को छोड़कर मेरी शरण में आ जाओ"
यह किसने किससे कहा?

....

....

....

....

....

....

6. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ हिन्दी में लिखिए–

– त्यजेत्
– सर्वधर्मान्
– जनः
– इतरः
– महाशनो
– परित्यज्य
– अहं

7. कौरवों और पांडवों के बीच युद्ध कहाँ हुआ था?

....

....

8. श्रीकृष्ण ने गीता का उपदेश अर्जुन को क्यों दिया था?

....

....

9. श्रीकृष्ण अर्जुन के सारथी क्यों बने?

....

....

....

दिनांक : .... शिक्षक हस्ताक्षर ....

दिए गए गद्यांश का अनुवाद संस्कृत में कीजिए–

(क) विद्यासागर का यश सुनकर एक युवक उनके दर्शन के लिए आया।

(ख) ये भारतीय संस्कृति के साथ पाश्चात्य संस्कृति के भी समर्थक थे।

(ग) संस्कृत किसी वर्ग विशेष की भाषा नहीं है।

निम्नलिखित का अनुवाद हिंदी में कीजिए–

(क) सः अतीव सरलः उदारहृदयः च आसीत्।

....

(ख) एतद् दृष्टवा तत्र स्थितः विद्यासागरः तम् उपगतः।

....

(ग) स्वीयं कार्यं स्वयम् एव कुरु।

....

नीचे दिए गए शब्दों का संधि विच्छेद कीजिए–

(क) सदैव – सदा + एव (उदाहरण)

(ख) परमौषधम् – ....

(ग) एकैकः – ....

(घ) जनैक्यम् – ....

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(क) वृद्धि संधि 'अ' अथवा 'आ' के बाद 'ए' या 'ऐ' आए तो दोनों के स्थान पर .... हो जाता है।

(ख) वृद्धि संधि 'अ' अथवा 'आ' के बाद 'ओ' या 'औ' आए तो दोनों के स्थान पर .... हो जाता है।

सप्तमः पाठः
ईश्वरचन्द्रो विद्यासागरः

1. निम्नलिखित में संधि कीजिए–

(क) गङ्गा + ओघः – गङ्गौघः

(ख) महा + औषधम् – ....

(ग) प्र + औद्योगिकी – ....

(घ) मत + ऐक्यम् – ....

2. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में उचित विभक्ति का प्रयोग कर वाक्य पूर्ण कीजिए–

(क) उदाहरण– बालकाय मोदकं ददति। (बालक)

(ख) तस्य .... प्रस्थिवान्। (दर्शन)

(ग) ....कृताः प्रयासाः अभिनन्दनीयाः सन्ति। (विद्यासागरः)

(घ) संस्कृतम् कस्यचिद् .... भाषा नास्ति। (वर्ग विशेष)

3. निम्नलिखित शब्दों में चतुर्थी विभक्ति एकवचन का प्रयोग कर कोष्ठक में लिखिए–

उदाहरण–

(क) गुरु – गुरवे

(ख) दर्शन – ....

(ग) विद्यासागर – ....

(घ) छात्र – ....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

राष्ट्र-गान

जन-गण-मन-अधिनायक जय हे।
भारत-भाग्य-विधाता।।
पंजाब-सिंध-गुजरात-मराठा
द्राविड़-उत्कल-बंग।
विन्ध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा,
उच्छल-जलधि-तरंग।।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे।।
गाहे तव जय गाथा।।
जन-गण-मंगलदायक जय हे,
भारत-भाग्य विधाता।।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय, जय हे।।

सत्र 2023–2024

आवरण पृष्ठ की विशिष्टियाँ–

आवरण पृष्ठ के कागज का विशिष्टिकरण : प्रयुक्त कागज वर्जिन पल्पयुक्त 175 जी0एस0एम0 का आर्ट पेपर का प्रयोग किया गया है। जिसमें कागज का बर्स्ट इण्डेक्स–न्यूनतम 0.9,वैक्स पिक्स–नो पिक्स ऑन 5ए, ग्लास परसेंट–न्यूनतम 55, ब्राइटनेस न्यूनतम 72 प्रतिशत और सरफेस पी0एच0 5.5 से 8.0 है। कागज की अन्य विशिष्टियों बी0आई0एस0 कोड आई0एस0–4658–1988 के अनुसार है, एवं कागज 53.34 सेमी0X78.74 सेमी है। आवरण पृष्ठ का बाहरी भाग चार रंगों तथा अन्दर का भाग एक रंग में मुद्रित है।

उ० प्र० बेसिक शिक्षा परिषद्

उत्तर प्रदेश शासन

निःशुल्क वितरण हेतु